दैनिक
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — पीने, बेचने और मना करने के बीच पशोपेश...
4 अभिव्यक्ति — कोरोना की आंधी में सब कुछ स्वाहा...
9 मनोरंजन/खेल — शेफाली ने आसिम के गाने से टिकटॉक पर...
11 व्यापार — विकास होगा प्रभावित, चालू वित्त वर्ष में...

www.navpradesh.com
बिलासपुर, शनिवार 4 अप्रैल 2020, चैत्र शुक्ल पक्ष-एकादशी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-05 अंक-349 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

जाहिलों ने जहालत की हद पार कर दी है। देश के कोने-कोने में कोरोना वायरस का संक्रमण फैलाने वाले इन जामातियों और उनके हिमायतियों ने डॉक्टरों, नर्सों और पुलिस कर्मियों पर हमला करना शुरू कर दिया है। अपना घर परिवार छोड़कर कोरोना पीड़ितों की सेवा में दिन रात जुटी देवी स्वरूपा नर्सों के साथ अश्लील हरकतें कर रहे हैं। अस्पतालों में हंगामा मचा रहे हैं। इन जेहादी जमातियों के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई करने का निर्णय स्वागत योग्य है। कागज नहीं दिखाएंगे, सड़क नहीं खोलेंगे, दंगे भड़काएंगे और अब इलाज भी नहीं कराएगें। इन्हें कड़ी से कड़ी सजा देनी चाहिए।

सीएम बघेल ने पीएम को पत्र लिख मांगे मनरेगा के 1016 करोड़

बताया- ये राशि चालू वित्त वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही की, 484 करोड़ का भुगतान भी लंबित

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र मनरेगा के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2020- 21 की प्रथम 3 माह की मजदूरी एक हजार 16 करोड़ रुपए की राशि केन्द्र से शीघ्र जारी करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में लिखा है कि मनरेगा ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधारभूत संगठकों में से एक महत्वपूर्ण घटक है।

छत्तीसगढ़ में इस योजना के अंतर्गत पंजीकृत 39 लाख 56 हजार परिवारों के 89.20 लाख श्रमिकों में से 32 लाख 82 हजार परिवारों के 66 लाख 5 हजार श्रमिक सक्रिय रूप से योजना के माध्यम से रोजगार प्राप्त करते हैं। माह मार्च 2020 के प्रारंभ में राज्य में लगभग 12 लाख श्रमिक प्रतिदिन योजना अंतर्गत कार्य कर रहे थे। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

समय पर भुगतान न मिलने से भी काम पर नहीं आ रहे श्रमिक

बघेल ने कहा कि श्रमिकों को इस योजना में समय पर भुगतान नहीं मिलने पर भी कार्य में न आने का एक बड़ा कारण है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि राज्य शासन द्वारा कोरोना वायरस से बचाव हेतु समस्त आवश्यक उपाय अनिवार्य सुनिश्चित करते ऐसे कार्य विशेषकर व्यक्ति मूलक एवं आजीविका संवर्धन से संबंधित जिनमें बड़ी संख्या में श्रमिक एक ही स्थान पर एकत्र न हो, स्वीकृत कर श्रमिकों को मांग के आधार पर पर्याप्त रोजगार उपलब्ध कराने हेतु जिला कार्यक्रम समन्वयक को निर्देशित किया गया है। जिससे ग्रामीणों की आजीविका सुरक्षित हो ।

सीएम ने पीएम को ऐसे दिया बकाया राशि का ब्योरा

- *सीएम ने बताया कि वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में 484 करोड़ रुपए की मजदूरी भुगतान लंबित है।*
- *विपरीत परिस्थितियों में इस लंबित मजदूरी का भुगतान तत्काल किया जाना आवश्यक है।*
- *वित्त वर्ष 2020-21 हेतु राज्य के लिए प्रथम त्रैमास हेतु स्वीकृत लेबर बजट 534.73 लाख मानव दिवस की मजदूरी, राज्य हेतु स्वीकृत दैनिक मजदूरी दर 190 के मान से कुल राशि 1016 करोड़ रुपए है।*
- *मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसे राज्य को शीघ्र जारी करने का अनुरोध किया है।*

कोरोना को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई चर्चा में राज्यपाल को मिली प्रशंसा

राष्ट्रपति ने की सराहना तो उपराष्ट्रपति बोले- वेरी गुड

छत्तीसगढ़ में किए जा रहे ठोस प्रयासों की गवर्नर उइके ने दी जानकारी

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना वायरस के संक्रमण के सम्बंध में दूसरी बार राज्यपालों-उपराज्यपालों की बैठक ली। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडु भी उपस्थित थे। उन्होंने पूरे देश में कोरोना के संक्रमण के बचाव के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी ली। राज्यपाल अनुसुईया उइके ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए ठोस प्रयास किये जा रहे हैं। राज्यपाल ने कहा छत्तीसगढ़ में 09 कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे, इसमें से 03 मरीज ठीक होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं। अन्य मरीजों की हालात में भी सुधार हो रहा है। इस संबंध में मैंने भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ■ शेष पृष्ठ 8 पर

प्रदेश में 355 राहत शिविर ठहरे हैं 10 हजार प्रवासी

राज्यपाल ने बताया कि प्रदेश में इस समय 355 राहत शिविर बनाए गए हैं, जिनमें 10 हजार प्रवासी हितग्राही रुके हुए हैं। प्रदेश के बाहर से आए करीब 48 हजार लोगों को गांव के बाहर स्कूल और सामुदायिक भवनों में निगरानी में रखा गया है। साथ ही कुछ संस्थानों में श्रमिकों को 15 दिन के वेतन के बराबर एडवांस लगभग राशि 22,98,550 रुपए की सहायता दिलाई गई है। ई.सी.आई. के माध्यम से राज्य में 42 क्लीनिक कार्यरत हैं, इनमें 8,864 श्रमिकों का इलाज एवं दवा वितरण संचालित है।

1232 लोगों के लिए हैं सैंपल, 921 नेगेटिव

उइके ने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ में अब तक 1232 लोगों के सेम्पल लिए जा चुके हैं और इसमें से 921 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव आई है। साथ ही छत्तीसगढ़ में विदेश से करीब 11 हजार लोग वापस लौटे हैं। एयरपोर्ट पर 20 हजार से अधिक लोगों की जांच की गई है और 48 हजार 113 लोगों को होम आइसोलेशन में रखा गया है। राज्य में 71 क्वारेंटाइन सेंटर बनाए गए हैं, इनमें बिस्तरों की संख्या 1232 है।

फसल कटाई के लिए दिए आवश्यक निर्देश

राज्यपाल ने बताया कि इंडियन रेडक्रास सोसायटी ने 25 लाख रुपए का रिलीफ फंड जारी किया है, जिसे छोटे और पिछड़े जिलों में आवश्यकतानुसार खर्च किया जाएगा। उइके ने बताया कि फसल कटाई के लिए आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश दिये गए हैं। साथ ही इस स्थिति में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने कहा गया है। सब्जियां बाजार तक और आम जनता के मध्य सुरक्षित तरीके से पहुंचे इसकी पुख्ता व्यवस्था की गई है।

दूसरे राज्यों में फंसे मजदूरों की कराई व्यवस्था

उइके ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य के लगभग 12 हजार से अधिक श्रमिक भारत के विभिन्न 21 राज्यों में फंसे हुए हैं, ■ शेष पृष्ठ 8 पर

प्रदेश की पहली कोरोना मरीज हुई डिस्चार्ज

■ अब राज्य में कोरोना पॉजिटिव की संख्या घटकर 5 हुई

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ की पहली कोरोना पॉजिटिव मरीज स्वस्थ हो गई है। उसे एम्स रायपुर से डिस्चार्ज कर दिया गया है। इसके साथ ही अब छत्तीसगढ़ में कोरोना पॉजिटिव पेशेंट की संख्या घटकर 5 हो गई हैं। एम्स रायपुर के डायरेक्टर प्रो. डॉ. नागरकर ने बताया कि राज्य की पहली कोरोना पॉजिटिव को डिस्चार्ज कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि मरीज के अंतिम दोनों टेस्ट निगेटिव पाए गए हैं। अब वह स्वस्थ है। इसलिए उसे डिस्चार्ज किया गया है। बता दें कि पहली कोरोना पॉजिटिव रायपुर की ही रहने वाली है। वह लंदन से लौटकर आई है। डॉ. नागरकर ने बताया कि अभी एम्स में चार कोरोना पॉजिटिव मरीजों का इलाज चल रहा है। जबकि एक मरीज का इलाज राजनांदगांव में चल रहा है।

डिस्चार्ज में इसलिए लगा थोड़ा ज्यादा समय

प्रदेश की पहली पेशेंट के डिस्चार्ज की उम्मीद 31 मार्च के पहले ही जगी थी। लेकिन 31 मार्च को उसकी दूसरी टेस्ट रिपोर्ट (लगातार की जाने वाली) पॉजिटिव आई थी, जिसकी वजह से डिस्चार्ज करने में समय लगा। यदि उसी दिन दूसरी रिपोर्ट निगेटिव आ जाती तो डिस्चार्ज पहले ही कर दिया जाता। विशेषज्ञों के मुताबिक, कोरोना पेशेंट को तब स्वस्थ हुआ माना जाता है जब उसकी अंतिम दो रिपोर्ट लगातार निगेटिव आए।

पहले तीन मरीज हो चुके ठीक

बता दें कि राज्य में कोरोना पॉजिटव कुल 9 मामले सामने आए थे। इनमें से तीन को पहले ही डिस्चार्ज किया जा चुका है। पहले डिस्चार्ज किए गए मरीजों में एक भिलाई, एक रायपुर व एक बिलासपुर का है। प्रदेश में सामने आए कोरोना पॉजिटिव मरीजों की एक को छोड़कर सभी की ट्रैवल हिस्ट्री रही है।

खास खबर

धार्मिक समारोह न करें, परस्पर दूरी का हो पालन: वेकैंया नायडू

नई दिल्ली, वार्ता। बैठक में उप राष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने कोरोना महामारी का फैलाव रोकने के लिए धार्मिक आयोजन बंद करने और परस्पर दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग) बनाने पर बल दिया। कहा कि सभी राज्यों को फसलों की कटाई, खरीद और भंडारण सुनिश्चित करना चाहिए। नायडू ने राज्यपालों और उपराज्यपालों को संबोधित करते हुए कहा कि धार्मिक और आध्यात्मिक नेताओं से श्रद्धालुओं की भीड़ नहीं जुटाने का आग्रह किया जाना चाहिए। उन्होंने डाक्टरों, नर्सों और सहयोगी कर्मचारियों पर हमला करने की निंदा की और ऐसी घटनाओं को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। कहा कि ऐसी घटनाओं से डाक्टरों और अन्य कर्मियों का मनोबल गिरता है।

देश में 2301 कोरोना से संक्रमित, अब तक 56 लोगों की मौत

नयी दिल्ली (वार्ता)। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 2301 हो गयी है तथा संक्रमण के कारण अब तक 56 लोगों की मौत हो गयी है।प देश के 29 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में फैल चुका है और अब तक इसके 2301 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। इनमें 55 विदेशी मरीज भी शामिल हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण से देशभर में अब तक 56 लोगों की मौत हुई है जबकि 157 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। देश में कोरोना से महाराष्ट्र में सर्वाधिक 335 लोग संक्रमित हैं तथा 16 लोगों की मौत हो गयी है, दूसरे स्थान पर तमिलनाडु है जहां 309 लोग संक्रमित हैं तथा एक व्यक्ति की मौत हुई है। केरल में 286 संक्रमित हैं और दो लोगों की मौत हुई है।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने जारी किया आदेश

डॉक्टर, पुलिस पर हमला किया तो लगेगा रासुका

लखनऊ/नवप्रदेश। उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस को साफ निर्देश दिये है कि लोगों की सुरक्षा की खातिर डाक्टरों, पुलिसकर्मियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं पर हमला करने वालों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत मामला दर्ज करें। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सरकार ने इस संबंध का आदेश जारी किया है। इसके मुताबिक लाकडाउन के दौरान अगर कोई

चिकित्सक, पुलिसकर्मी अथवा सामाजिक कार्यकर्ता पर हमला करता है तो उसके खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई की जाये।

अलीगढ़ में 3 गिरफ्तार

अलीगढ़ से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार बन्नादेवी क्षेत्र में गुरुवार को पुलिस पर पथराव करने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस क्षेत्राधिकारी पंकज श्रीवास्तव ने कहा कि ये लोग बन्नादेवी में स्थित एक मस्जिद में नमाज पढ़ रहे थे। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर उनको समझाने की कोशिश की जिस पर उन्होने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया।

■ शेष पृष्ठ 8 पर

कोरोना से निपटने भारत को विश्व बैंक देगा एक अरब डॉलर

नई दिल्ली/नवप्रदेश। कोरोना वायरस के संक्रमण के देश में तेजी से फैलने के बीच विश्व बैंक ने भारत को एक अरब डॉलर की मदद देने की घोषणा की है। विश्व बैंक के भारत में कंट्री निदेशक जुनैद अहमद ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक मंडल ने इसको अनुमोदित कर दिया है। निदेशक मंडल ने इसके लिए भारत में एक परियोजना को मंजूरी दी है, जो एक अरब डॉलर की है।

इन कामों पर खर्च होगी राशि

उन्होंने कहा कि इन राशि का कोरोना वायरस रोगियों की बेहतर जांच, संपर्क में आने वालों का पता लगाने और प्रयोगशाला निदान में उपयोग किया जा सकेगा। इसके साथ ही इससे व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों की खरीद और नए अलगाव वार्डों की स्थापना भी किया जाएगा। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कोरोना के खिलाफ फिर पीएम मोदी ने की राष्ट्र से अपील

कल रात 9 बजे लाइटें बंद कर दरवाजों पर जलाएं दीये

■ उत्साह से बढ़कर दुनिया में कोई ताकत नहीं

■ कोरोना का अंधकार मिटाने में भी ये होगा अहम

नई दिल्ली/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना संकट को लेकर एक बार फिर राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने जनता से फिर एक अपील की। उन्होंने कहा कि मैं आपसे 5 अप्रैल को 9 मिनट मांग रहा हूं। 5 अप्रैल को रात 9 बजे सभी देशवासी अपने घर की लाइटें बंद करें और सभी को अपने घरों के दरवाजे और बालकनी में खड़े होकर दीया, मोबाइल का फ्लैश लाइट, टॉर्च आदि 9 मिनट तक जलाएं। इस प्रकाश से 130 करोड़ जनता की ऊर्जा, उत्साह व आत्मविश्वास का अहसास होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया में उत्साह से बढ़कर कोई ताकत नहीं है। इससे महसूस होगा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में देश के सभी नागरिक एक दूसरे के साथ है। कोई अकेला नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि आज जब कोरोना के खिलाफ जंग में सभी लोग अपने-अपने घरों में हैं। उन्हें यह लग रहा होगा वे अकेले क्या करेंगे। लेकिन ऐसा नहीं है। देश की 130 करोड़ जनता ■ शेष पृष्ठ 8 पर

गरमा-गरम

दहशत — 12 अस्पताल, 23 मस्जिद, 22 मुख्य सड़क और 82 सड़कों को किया गया सेनिटाइज

एक लॉन्ड्रीवाले के कारण सूरत में 54000 होम क्वारंटाइन

सूरत ए.। कोरोना का संक्रमण थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस माहामारी ने गुजरात को भी अपने चपेट में लिया है। सूरत शहर में एक लॉन्ड्रीवाले के कोरोना टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उस शहर के 16,800 घरों के लगभग 54,000 लोगों को होम क्वारंटाइन कर दिया गया है।

16,785 घरों को किया सेनीटाइज

मिली जानकारी के अनुसार अधिकारियों ने पूरे इलाके के 12 अस्पताल, 23 मस्जिद, 22 मुख्य सड़क और 82 सड़कों को सेनीटाइज कर दिया है। इसके अलावा नगर निगम के द्वारा 16,785 घरों को भी सेनीटाइज किया गया है। 54,003 लोगों को होम क्वारंटाइन करवे के लिए कुल 55 टीम लगाई गई।

राज्य में 95 मामलों की पुष्टि

राज्य की स्वास्थ्य सचिव सह आयुक्त जयंती रवि ने बताया कि राज्य के अहमदाबाद में आज सात नए सात मामले सामने आने से राज्य में कुल संक्रमित मामलों की संख्या बढ़ कर 95 हो गई है। नए सात मामलों में सभी अहमदाबाद में हैं। जिनमें 17 साल का एक युवक, 60 और 30 साल की दो महिलाएं, सात साल की एक बालिका और 35 तथा 65 साल के दो पुरुष स्थानीय हैं। इसके अलावा 68 साल के एक व्यक्ति ने देश में यात्रा की है। अस्पताल में भर्ती लोगों में से 10 को ठीक होने के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि दो वेन्टिलेटर पर हैं और 75 की हालत स्थिर है।

पुष्टि होने के बाद मचा हड़कंप

लॉन्ड्री चलाने वाले 67 वर्षीय वक्ति में कोरोना वायरस के संक्रमण की पुष्टि होने के बाद उसकी पत्नी, बच्चों, साले के साथ-साथ लॉन्ड्री में काम करने वाले लोगों को भी क्वारंटाइन कर दिया गया ■ शेष पृष्ठ 8 पर

तब्लीगी जमात के 960 विदेशी कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर के आदेश

नई दिल्ली ए.। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिल्ली के पुलिस आयुक्त और राज्य के डीजीपी से कहा है कि वे 960 तब्लीगी जमात के विदेशी कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना शुरू करें क्योंकि ये लोग कोविड -19 के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल में लोगों के जीवन को खतरे में डाल हैं। गृह मंत्रालय ने गुरुवार शाम को राज्यों को 960 विदेशियों के वीजा रद्द करने और उन्हें फिर से भारतीय वीजा प्राप्त करने से रोकने के लिए कहा था। गृह मंत्रालय के अनुसार, ये विदेशी पर्यटक वीजा के बल पर देश में दाखिल हुए थे, लेकिन अपने निजामुद्दीन मुख्यालय में तब्लीगी गतिविधियों में लगे हुए थे, इस जमात ने कोरोना जैसे वायरस के फैलाने में बड़ी भूमिका निभाई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार (3 अप्रैल) को बताया कि पिछले दिनों दिल्ली स्थित निजामुद्दीन इलाके में ■ शेष पृष्ठ 8 पर

इटली और स्पेन में कोरोना से दो महीने में 24000 लोगों की मौत

नयी दिल्ली (वार्ता)। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के प्रकोप से पांच सर्वाधिक प्रभावित देशों में यह सबसे तेजी से इटली और स्पेन में फैला तथा मात्र दो माह में यहां 24 हजार से लोगों की जान ले ली है। कोरोना महामारी की शुरूआत 31 दिसंबर चीन के वुहान प्रांत से हुई और इसके एक माह बाद 31 जनवरी को यह वायरस इटली में पहुंचा। आज हालत यह है कि इस महामारी से सर्वाधिक प्रभावित पांच देशों में चीन सबसे नीचे है और इटली पहले नंबर पर। इस जानलेवा विषाणु ने मात्र 62 दिनों में स्वास्थ्य सेवाओं के लिहाज से दुनिया के दूसरे नंबर के देश पर कहर बरपा दिया है। यहां अब तक एक लाख 15 हजार 242 लोग वायरस से पीडित हो चुके हैं और 13 हजार 915 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं स्पेन में एक फरवरी को कोरोना वायरस का पहला मामला सामने आया और 61 दिनों में एक लाख 12 हजार 65 लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। यहां अब तक इस संक्रमण के कारण 10348 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

विश्व शक्ति अमेरिका में 70 दिनों में सबसे अधिक दो लाख 43 हजार 453 लोग कोराना से कोरोना से संक्रमित हुए हैं और यहां अब तक 6088 की मृत्यु हो चुकी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो कोरोना से एक से ढाई लाख लोगों के मरने की आशंका व्यक्त की है।। फ्रांस में कोरोना से 69 दिनों में 59 हजार 929 लोग संक्रमित हुए हैं और 5398 लोगों की मौतें हुई हैं। चीन जहां से यह वायरस 31 दिसंबर 2019 को फैलना शुरू हुआ, वहां 93 दिनों में इसके 82432 मामले सामने आये हैं और 3322 की मृत्यु हुई है।

अमेरिका में मरने वालों की संख्या छह हजार के पार

वाशिंगटन, (वार्ता)। अमेरिका में कोरोना वायरस महामारी से अब तक 6,088 लोगों की मौत हो गयी है और 2,45,573 लोग संक्रमित हैं। जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार न्यूयॉर्क में अब तक सर्वाधिक 1,562 लोगों की इस संक्रमण के कारण मौत हो गई है। अच्छी बात यह है कि अब तक 9,228 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। अमेरिका में वर्तमान में कोरोना संक्रमितों की संख्या दुनिया में सबसे अधिक है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के आंकड़ों के मुताबिक दुनिया भर में अब तक 10 लाख से अधिक लोग वायरस से संक्रमित हो चुके हैं और 53,000 से अधिक लोग इसके कारण अपनी जान गंवा चुके हैं।

कोरोना से दुनिया में 53179 की मौत, 1017693 संक्रमित

बीजिंग/ जेनेवा/ नई दिल्ली (वार्ता)। दुनिया के अधिकांश देशों में महामारी बन कर कहर बरपा रहे कोरोना वायरस (कोविड 19) का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है और इसके कारण विश्वभर में अब तक 53179 लोगों की मौत हो चुकी है, तथा 1017693 लोग इससे संक्रमित हुए हैं। दुनियाभर में अब तक इस महामारी से 2012072 लोग ठीक हुए हैं। ये आंकड़े अमेरिका के जॉन हॉपिंकस यूनिवर्सिटी के अनुसार हैं। भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में भी कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से फैलता जा रहा है। पिछले 24 घंटे के दौरान इस घातक विषाणु ने देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में 232 लोगों को अपनी चपेट में लिया है और अब देश में इससे संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 2301 हो गई है। इसके कारण देश भर में 56 लोगों की जान गई है। सकारात्मक बात यह है कि इससे 157 लोग ठीक भी हुए हैं।

विश्व के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका में यह बीमारी भयंकर रूप से फैल चुकी है। यहां पर अब तक 245573 लोग इससे संक्रमित हुए हैं तथा इसके कारण 6088 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। वहीं इटली इस महामारी से बुरी तरह से प्रभावित है। यहां पर इस जानलेवा विषाणु के कारण 13915 लोगों की मृत्यु हो चुकी है तथा 115242 लोग इससे संक्रमित हुए हैं। इस वैश्विक महामारी के केंद्र चीन में अब तक 82,464 लोग इससे संक्रमित हुए हैं और इसके कारण 32302 लोगों की जान गई है। इस वायरस को लेकर तैयार की गयी एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन में हुई मौत के 80 प्रतिशत मामले 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के थे।

स्पेन में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या बढ़कर 10348 हो गई है, जबकि 112065 लोग इससे संक्रमित हुए हैं। इसके अलावा फ्रांस और ईरान में भी कोरोना के कारण स्थिति गंभीर बनी हुई है। फ्रांस में अब तक 59,929 लोग इससे संक्रमित हुए हैं और 5387 लोगों की मौत हो चुकी है।

सोशल डिस्टेंस के निशानिर्देशों का पालन नहीं करना चिंताजनक : बिर्क्स

वाशिंगटन (स्पूतनिक)। *अमेरिका में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के बढ़ते मामलों के बीच व्हाइट हाउस की कोरोना वायरस चीफ डेबोराह बिर्क्स ने लोगों के सोशल डिस्टेंस के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने पर चिंता जताई है। व्हाइट हाउस कोविड-19 रेस्पॉन्स कॉर्डिनेटर सुश्री बिर्क्स ने गुरुवार को संवाददाताओं से कहा, मैं दावे से नहीं कह सकती कि अमेरिका का प्रत्येक नागरिक इसका पालन कर रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 16 दिन पहले मेल-जोल कम करने और सोशल डिस्टेंसिंग को लेकर दिशा-निर्देश जारी किया था। इसके बावजूद लोग बीमार हो रहे हैं। उन्होंने कहा, हम दूसरे सप्ताह दिशा-निर्देशों का पालन कर रहे हैं। जब राष्ट्रपति ने 16 दिन पहले दिशानिर्देश जारी किया था, तो मामला गंभीर था और आप देख सकते हैं कि लगातार क्या हो रहा है।*

अमेरिकी पोत पर 114 नाविक कोरोना पॉजिटिव

वाशिंगटन (स्पूतनिक)। अमेरिका के परमाणु ऊर्जा से लैस विमान वाहक पोत थियोडोर रूजवेल्ट पर 114 नाविक कोरोना वायरस 'कोविड-19' से संक्रमित पाये गये हैं और पीड़ितों की संख्या अभी और बढ़ने की आशंका है। कार्यवाहक नौसेना अधिकारी थॉमस मोडली ने गुरुवार को संवाददाताओं से कहा, हमारे लगभग 114 नाविक कोरोना पॉजिटिव हैं। मैं पूरी निश्चितता के साथ आपको बता सकता हूं कि इनकी संख्या बढ़ेगी। यह संभवतः सैकड़ों में होगी। उन्होंने बताया कि कोरोना पॉजिटिव नाविकों में से किसी को अस्पताल में भर्ती नहीं होना पड़ा है। संक्रमित नाविकों में केवल हल्के या मध्यम फ्लू जैसे लक्षण नजर आये हैं जबकि कुछ में कोई भी लक्षण नजर नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ नाविक पहले ही स्वस्थ हो चुके हैंश्री मोडली ने बताया कि उन्होंने रूजवेल्ट के कमांडिंग अधिकारी को ड्यूटी से हटा दिया है क्योंकि उन्होंने जहाज पर सवार कोरोना संक्रमितों के लिए सार्वजनिक तौर पर मदद मांगी थी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक रूप से मदद मांगने पर जहाज पर संक्रमण फैलने के बारे में जानकारी लीक हुई जिससे अनावश्यक दहशत पैदा हुई।

राष्ट्रपति ट्रंप की फिर से की गयी जांच, नेगेटिव आई रिपोर्ट : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन (वार्ता)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक बार फिर कोरोना वायरस 'कोविड 19' की जांच की गयी जिसमें वह कोरोना से संक्रमित नहीं पाये गये है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता स्टेफ़नी ग्रिशम ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस के चिकित्सक शॉन कॉनले ने दैनिक व्हाइट हाउस कोरोना टास्क बल के ब्रीफिंग से ठीक पहले एक ज्ञापन जारी कर कहा, आज सुबह राष्ट्रपति ट्रंप की फिर से कोरोना वायरस को लेकर जांच की गयी और वह स्वस्थ है तथा उनमें कोरोना से संबंधी कोई लक्षण नहीं पाए गए हैं।

सीएनएन के अनुसार श्री ट्रंप के गुरुवार को कोरोना वायरस ब्रीफिंग में सामने आने से पहले ही वहां मौजूद पत्रकारों ज्ञापन दे दिया गया था जिसमें कहा गया कि श्री ट्रंप की फिर से जांच की गयी थी और 15 मिनट बाद जांच में नतीजे उनके हाथ में थे। ज्ञापन में कहा गया कि श्री ट्रंप ने जांच कराई जिसके नतीजे केवल 15 मिनट में आ गए। पत्रकारों से साथ ब्रीफिंग के दौरान श्री ट्रंप ने कहा, मैंने अपनी जांच कराई और उसके नतीजे आ गए है जो व्हाइट हाउस के चिकित्स्क ने किये है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, आज सुबह मैंने कोरोना की जांच करवाई और इसकी जांच करने में केवल एक मिनट लगा। मुझे लगा था यह 15 मिनट तक की प्रक्रिया होगी लेकिन मुझे इसके लिए इंतजार नहीं करना पड़ा और केवल 14-15 मिनट के अंदर नेगेटिव रिपोर्ट के साथ जांच के नतीजे के मेरे सामने थे।

पाकिस्तान में बढ़ता जा रहा है कोरोना का प्रकोप, 2441 संक्रमित, 35 की मौत

इस्लामाबाद (वार्ता)। पाकिस्तान में कोरोना वायरस का प्रकोप बढता जा रहा और यहां पंजाब तथा सिंध प्रांत बुरी तरह से इसकी चपेट में हैं। पाकिस्तान के शुक्रवार के आंकड़ों में 2441 लोग 'कोविड -19' से संक्रमित हैं, जबकि 35 लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें से 1703 संक्रमित इन दोनों प्रांतों में हैं और यहां अब तक 22 लोगों की मृत्यु हुई है। पंजाब में सबसे ज्यादा 920 संक्रमित और 11 की मौत हो चुकी है। सिंध में 783 पीडित और 11 लोग मरे हैं। वहीं खैबर पख्तूनख्वा में 311 लोग इससे संक्रमित और नौ की मौत हुई है। बलूचिस्तान में 169 इस जानलेवा वायरस से संक्रमित हैं और एक व्यक्ति की मृत्यु हुई है। गिलगित-बाल्टिस्तान में 187 लोग इससे पीड़िता और तीन कीमौत हुई हैं। वहीं पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद और पाक के कब्जे वाले कश्मीर में कोरोना संक्रमितों की संख्या क्रमशः 62 और नौ हैं।

मुद्दों पर मौन रह कर मोदी ने किया निराश : कांग्रेस

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुबह जब राष्ट्र को संबोधित किया तो उम्मीद थी कि वह मनरेगा कार्डधारकों, किसानों, डॉक्टरों तथा स्वास्थ्यकर्मियों के हित में कोई ठोस घोषणा करेंगे लेकिन इन मुद्दों पर चुप्पी साध कर उन्होंने देश की जनता को निराश किया है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेडा ने शुक्रवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पिछले 10 दिनों मे देश में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति चरमरा गई है और लोगों को पूरी तरह से आवश्यक समान की आपूर्ति नहीं हो पा रही है।

उन्होंने कहा कि देश मे जगह जगह ज़रूरी समान की आवाजाही बाधित हो गयी है जिसके कारण कई राज्यों में आवश्यक वस्तुओं की कमी हो रही है। सभी राज्यों की सीमाएं सील है और 60 प्रतिशत ट्रक सड़कों पर नहीं हैं। देश मे करीब सवा सौ करोड़ किराना की दुकानें हैं लेकिन सामान की कमी के कारण मुश्किल से लाख या सवा लाख किराना दुकानें ही खुल पा रही है।

प्रवक्ता ने कहा कि आपूर्ति चेन बाधित होने से देश मे मंहगाई बहुत बढ़ गयी है। सब्ज़ी, दाल, आटा, चावल आदि की कीमतें आसमान छू रही है। ट्रांसपोर्ट लागत कई गुना बढ़ गयी है जिसके कारण आटा, दालें, सब्ज़ियां दोगुने दाम पर बिक रही है लेकिन उसका फायदा किसान को नहीं मिल पा रहा है।

दिल्ली में निर्माण मजदूरों के 200 आवेदनों का निपटारा

दिल्ली में दिल्ली भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड ने 200 से ज्यादा लम्बित पेंशन आवेदन पर स्वीकृति प्रदान कर दी है और सभी पेंशनधारियों के खाते में पेंशन की रकम जमा करा दी गयी है। निर्माण मजदूर अधिकार अभियान के संयोजक थानेश्वर दयाल आदिगौड़ ने शुक्रवार को इसकी जानकारी देते हुये कहा कि 31 मार्च को बोर्ड में पंजीकृत लगभग 32 हजार मजदूरों के बैंक खाते में 5000 रुपये भेज गये दिये थे। अब बोर्ड ने पेंशन के सभी लंबित आवेदनों का निपटारा भी कर दिया है। इसके साथ ही लगभग 200 मजदूरों के खाते में पांच पांच हजार रुपए भेजे गये हैं।

कोरोना के कारण भुवनेश्वर और भद्रक में 48 घंटे की पूर्ण बंदी

भुवनेश्वर (वार्ता)। ओडिशा सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के लिए राजधानी भुवनेश्वर और भद्रक शहर में आज रात आठ बजे से 24 घंटे की पूर्ण बंदी की घोषणा की है।

राज्य के मुख्य सचिव असित कुमार त्रिपाठी ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि पूर्ण बंदी आज रात आठ बजे से रविवार रात आठ बजे तक लागू रहेगी। उन्होंने बताया कि पूर्ण बंदी का फैसला इस दोनों शहरों में कोरोना पॉजिटिव संक्रमण के पांच मामले सामने आने के बाद लिया गया। उन्होंने बताया कि इन पांच मामलों में से चार मामले राजधानी भुवनेश्वर और एक मामला भद्रक का है।

ओडिशा में कोरोना से अब तक पांच लोग संक्रमित

ओडिशा में कोरोना वायरस (कोविड 19) से एक और व्यक्ति में संक्रमण की पुष्टि होने के साथ ही संक्रमितों की संख्या बढ़कर पांच हो गयी है। राज्य के स्वाथ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने यह जानकारी दी। चार संक्रमितों में से तीन भुवनेश्वर के हैं जबकि ओडिशा के भद्रक का एक 29 वर्षीय युवा चौथा संक्रमित है। विभाग के सूत्रों ने कहा कि राज्य के दूसरे कोविड-19 मरीज का इलाज एम्स भुवनेश्वर में हुआ और उसके पूरी तरह ठीक होने पर उसकी छुट्टी कर दी गयी।

कोरोना से संक्रमित राज्य के पहले मरीज का इलाज कैपिटल अस्पताल में चल रहा है और उसकी हालत स्थिर बतायी जा रही है। राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सूत्रों के मुताबिक ताजा आंकड़ों के अनुसार निजामुद्दीन के तबलीगी जमात में शामिल सात विदेशी समेत राज्य में कुल 22 लोगों के बारे में पता लगाया जा चुका है।

इन सभी को सरकारी क्वारंटीन में रखा गया है। कोरोना की जांच के लिये भेजे गये 20 नमूनों में से 15 नमूने नेगेटिव आये हैं। बाकी नमूनों की रिपोर्ट का इंतजार है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक 15 लोगों में से 12 इस्पात नगरी राउरकेला से थे और बाकी एक-एक केंद्रपाड़ा, कटक, गंजम जिले के थे।

महामारी | आश्रय गृहों, क्वारेंटाइन सेंटर और आइसोलेशन सेंटर में तब्दील करने के निर्देश देने का न्यायालय से किया था अनुरोध

कोरोना : होटल, रेस्तरां को आश्रय गृह बनाने संबंधी याचिका सुप्रीम कोर्ट ने ठुकराई

नई दिल्ली, (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने कोरोना वायरस 'कोविड 19' के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर देश के होटलों, रेस्तराओं और अतिथि गृहों को आश्रय गृहों, क्वारेंटाइन सेंटर और आइसोलेशन सेंटर में तब्दील करने संबंधी अर्जी शुक्रवार को ठुकरा दी। प्रवासी मजदूरों के पलायन को लेकर याचिका दायर करने वाले वकील अलख आलोक श्रीवास्तव ने नयी पूरक याचिका दायर करके देश के होटलों, रेस्तराओं और अतिथि गृहों को अधिगृहीत करके उन्हें आश्रय गृहों, क्वारेंटाइन सेंटर और आइसोलेशन सेंटर में तब्दील करने के निर्देश देने का न्यायालय से अनुरोध किया था।

न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता की विशेष खंडपीठ ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये हुई सुनवाई के दौरान यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी कि लोग तरह-तरह के विचार लेकर आ रहे हैं और हर किसी की सलाह नहीं सुनी जा सकती।

इससे पहले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि सरकार ने पहले ही यह प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि संक्रमण के संभावित मरीजों या प्रवासी मजदूरों को उन सरकारी इमारतों में ठहराया जा रहा है, जहां उन्हें उचित मेडिकल सुविधाएँ उपलब्ध है, साथ ही राज्य सरकारें भी उनका ध्यान रख रही हैं।

प्रवासी मजदूरों को वेतन सम्बन्धी याचिका पर केंद्र से जवाब तलब, सात अप्रैल को सुनवाई

नई दिल्ली, (वार्ता)। *उच्चतम न्यायालय ने कोरोना वायरस (कोविड-19) के बढ़ते प्रकोप को रोकने के लिए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा के मद्देनज़र पलायन करने वाले असंगठित क्षेत्र के सभी प्रवासी मजदूरों को लॉकडाउन की अवधि में उनका वेतन या न्यूनतम वेतन दिए जाने की मांग वाली याचिका पर केन्द्र सरकार को शुक्रवार को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता की विशेष खंडपीठ ने सामाजिक कार्यकर्ता हर्ष मंदर और अंजलि भारद्वाज की याचिका की वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिये सुनवाई के दौरान सरकार को नोटिस जारी किया तथा मामले की सुनवाई के लिए सात अप्रैल की तारीख मुकर्रर की। याचिकाकर्ताओं की ओर से जाने-माने वकील प्रशांत भूषण ने मामले की पैरवी की और कहा कि असंगठित क्षेत्र के प्रवासी मजदूरों के समक्ष बड़ी समस्या है। उनके नियोक्ता उन्हें बीच मझधार में छोड़ चुके हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केंद्र सरकार का पक्ष रखते हुए कहा की कोरोना के मद्देनजर जनहित याचिकाओं की दुकानें खुल चुकी हैं और इसे रोका जाना बहुत जरूरी है।*

मजदूरों की स्थिति को लेकर चिंतित

जो लोग मानव सेवा करना चाहते हैं, वे इस पुनीत कार्य में लगे हुए हैं। केवल एयरकंडीशनर कमरे में बैठकर जनहित याचिकाएं दायर कर देने से ऐसे मजदूरों की मदद नहीं हो सकती। न्यायमूर्ति राव ने कहा कि वह असंगठित क्षेत्र के प्रवासी मजदूरों की स्थिति को लेकर बहुत ही चिंतित हैं, इसके बाद उन्होंने केंद्र सरकार को नोटिस जारी करते हुए उससे मामले की अगली सुनवाई की तारीख (सात अप्रैल) तक जवाब देने को कहा। याचिकाकर्ताओं ने याचिका में केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों से इन लोगों को वेतन दिलवाने की माँग की है।

■ न्यूज गैलरी

मुख्यमंत्री सहायता कोष में आरण्यक ब्राह्ममण समाज ने दी 51 हजार का सहयोग

रायपुर। कोरोना बीमारी की रोकथाम में सहयोग के लिए आरण्यक ब्राह्ममण समाज जगदलपुर ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में 51 हजार रूपए की सहयोग राशि दी है। समाज के अध्यक्ष श्री हेमंत पाण्डे ने सहायोग राशि का चेक कलेक्टर डॉ. अय्याज तंबोली को सौपा। कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण की रोकथाम के लिए लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए यह राशि मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा कराई गई है।

कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए मोहन मरकाम ने नगर निगम को सौंपा 1 ट्रक सब्जी

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने आज कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए रायपुर नगर निगम को एक मिनी ट्रक सब्जी सौप कर जरूरत मन्दों में बाटने का निर्देश दिया।

कांग्रेस के द्वारा प्रदेश भर में कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस के द्वारा जिलों और ब्लाको में बचाव और राहत दल बनाया गया है जो संगठन स्तर पर मदद के साथ बचाव कार्य मे प्रशासन के सहयोग भी कर रहे है। आज के कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के साथ सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अरुण ताम्रकार, दुर्ग किसान कांग्रेस के कृष्ण देवांगन,कांग्रेस नेता पुष्पेंद्र परिहार उपस्थित थे।

आपदा प्रबंधन कार्यो में संलग्न अधिकरियों को वाहन उपलब्ध कराने के निर्देश

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रायपुर डॉ. एस. भारतीदासन ने रायपुर जिले के सभी कार्यालय प्रमुखों को पत्र लिखकर निर्देशित किया है कि वे कोरोना वायरस की रोकथाम एवं आवश्यक वस्तुओ की उपलब्धता आम नागरिकों तक सुनिश्चित करने के लिए ऐसे अधिकारी जिन्हें चिन्हांकित कर विशिष्ट दायित्व सौपे गए हं, उन्हें शासकीय वाहन उपलब्ध कराये। कलेक्टर ने बताया है कि भारत सरकार द्वारा आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत रायपुर को आपदा असूचित किया गया है। उन्होने कार्यालय प्रमुखों से कहा है कि कार्यालय के वाहन का अगर अधिग्रहण नहीं किया गया है तो उन्हें कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए डूयूटी लगाए गए अधिकारियों को वाहन प्रदान करे।

मंथन कर रही सरकार, कोई स्प्रिट पी रहा तो कोई चोरी करने दीवार तोड़ रहा

पीने, बेचने और मना करने के बीच पशोपेश में सब

नशे का डोज स्प्रिट पीने वाले तीसरे साथी ने भी तोड़ा दम, शराब दुकान खोलने बनी समिति के फैसले से पहले सियासत

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोरोना संक्रमण के खतरे और मियादी लॉकडाउन के बीच गैर जरुरी चीजों में शुमार शराब पर अच्छी-खासी बहस छिड़ गई है। शराब के शौकीनों व्दारा राजधानी रायपुर में एक दुकान में सेंधमारी कर दीवार तोड़कर 40 पेटी शराब ले उड़े। इसके चंद घंटों में ही रायपुर के बांसटाल में तीन नशे के आदी दोस्तों ने शराब का विकल्प समझ नशे के डोज की तरह स्प्रिट पीकर मौत को गले लगा लिए। स्प्रिट पीने के चंद घंटे बाद ही दो दोस्तों की मौत हो गई थी और तीसरे ने आज दम तोड़ दिया। बता दें कि लॉकडाउन की मियाद पहले 31 मार्च थी जिसे बाद में 7 अप्रेल कर दिया गया। कयास तो यह भी है कि संक्रमण थमा नहीं तो मियाद लॉकडाउन की बढ़ाई जा सकती है। फिलहाल यह प्रदेश में नियंत्रण में है इसलिए सरकार ने शराब दुकान खोलने को लेकर एक चार सदस्यीय समिति बनाकर विचार कर रही है। संभवतया एक-दो दिन में समिति फैसला देगी। ऐसे में कोरोना संक्रमण को लेकर लॉकडाउन के बीच शराब दुकान को खोलने के फैसले व समिति गठित करने को लेकर विपक्षी दलों के बीच सियासी बयान तेज हो गया है। इधर शराब को लेकर लोग स्प्रिट पीकर मौत को गले लगा रहे हैं तो नशेड़ी मिलकर दुकान में सेंधमारी तक पर उतर आए हैं ऐसे में कोई बड़ा फैसला जल्द ही लिया जा सकता है। राज्य सरकार इसके लिए मंथन भी कर रही है।

शराब नहीं मिली तो पी थी तीन दोस्तों ने स्प्रिट

राजधानी में शराब नहीं मिलने पर स्प्रिट पीने वाले तीसरे युवक की बीती रात मौत हो गयी है। युवक का नाम अजय कुंजाम है जो गोलबाजार बासटाल का रहने वाला था। बता दें कि कुछ दिनों पहले ही तीन दोस्तों ने शराब नहीं मिलने पर एक साथ बैठकर स्प्रिट पी ली थी, जिसके बाद एक युवक की अस्पताल लेजाने के दौरान मौत हो गयी थी तो वहीं दूसरे की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई थी। गोलबाजार पुलिस इस मामले में पता लगा रही थी कि आखिर इन युवकों को स्प्रिट कहां से उपलब्ध हुई थी। फिलहाल जांच जारी हैं और जांच के बाद ही पता चल पायेगा कि आखिर इन्हें स्प्रिट किसने दिया था, पुलिस अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर कार्रवाई में जुट गयी है।

बिक्री, सुरक्षित दूरी, खोलने के वक्त पर मंथन

प्रदेश में लॉकडाउन के बीच शराब दुकान खोलने की तैयारी की जा रही है। शराब दुकानों के संचालन के लिए बनी चार सदस्यीय समिति ये समिति निर्देश देगी किस तरह दुकानें खोली जाए। आबकारी विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। संपूर्ण देश में लॉकडाउन के चलते राज्य सरकार ने प्रदेशभर के शराब दुकानों को बंद करने का ऐलान किया है। कोरोना वायरस के मद्देनजर प्रदेश में 7 अप्रैल तक शराब दुकानें बंद करने का निर्णय लिया गया था। इसके साथ ही राज्य सरकार ने सभी होटल, क्लब और बार को बंद करने के निर्देश दिए थे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां संपूर्ण देश में 21 दिनों तक लॉकडाउन की घोषणा की है। ऐसे में अभी लॉकडाउन को ध्यान में रखते हुए सरकार ने 7 अप्रैल तक शराब दुकान को बंद करने के आदेश दिए थे। यदि 7 अप्रैल के बाद शराब दुकानें खुलती हैं तो ज्यादा आश्चर्य की भी बात नहीं होगी फिर हमेशा की तरह वही भीड़-भाड़ दिखेगी। ऐसे में सोशल डिस्टेंस के मायने क्या रह जायेंगे ये देखने वाली बात होगी ।

दारु दुकानें नहीं नशामुक्ति केंद्र खोलें भूपेश सरकार-अमित जोगी

जनता कांग्रेस छत्तीसग(जे)के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने शासन व्दारा शराब दुकानें खोलने को लेकर गठित की गई चार सदस्यीय समिति पर एक के बाद एक ट्वीट कर सरकार को निशाने में लिया है। पूर्व विधायक अमित जोगी ने अपने ट्वीट में लिखा है कि भूपेश बघेल जी मदिरा प्रेमियों की सेहत सुधारने के लिए प्रदेश में नशामुक्ति केंद्र खोले दारु दुकानें नहीं। सरकारी समिति की प्रति को भी ट्वीट में शेयर किया है। अमित जोगी ने कहा है कि यह सरकार की मंशा साबित करने वाला फैसला होगा। उन्होंने तंज सकते हुए कहा कि एक तरफ सत्ता हासिल करने कांग्रेस ने चुनावी घोषणा पत्र में पूर्ण शराबबंदी का वादा किया था। वो तो अब तक किया नहीं गया बल्कि संक्रमणकाल के खतरे में देश-प्रदेश को अब सोशल डिस्टेंसिंग की आवश्यकता को नजरअंदाज करते हुए नशामुक्ति केंद्र की बजाए नशेड़ियों के लिए शराब दुकान लॉकडाउन के दौरान खोलने का जो मन बना रही है वह गलत है, शर्मनाक है।

अवैध रूप से होटल में शराब बेचते मालिक और कर्मचारी गिरफ्तार

रायपुर। शहर के रिंग रोड नंबर-2 होटल मास्को गोंडवारा में होटल के मालिक और कर्मचारियों द्वारा अवैध रूप से शराब बेचने की मुखबिरी पर पुलिस ने हमराह स्टाफके पास घेराबंदी कर दबिश देकर 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। होटल कर्मचारी द्वारा अपने लेबर के कमरे में अवैध रूप से शराब और बीयर रखकर आने-जाने वाले लोगों को बिक्री करते रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे में पाई गई अवैध शराब की बोतलों में एक बोतल ब्लेंडर प्राइड, 3 बाटल रॉयल स्टेज , 8 बोतल किंगफिशर बियर, 13 बोतल कार्ल्सबर्ग बियर,जिसकी कुल मात्रा 18750 लीटर इसकी कुल कीमत 7670 रुपए और बिक्री रकम शिवकुमार जायसवाल से 30,300 ,सुनील कुमार से 39,700 रूपए कुल 77670 रूपए जब्त कर पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफधारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई किया गया है।

ठेका खुला तो घर के गहने-बर्तन बिक जाएंगे, हम विरोध करेंगे

पूर्व सीएम रमन ने शराब दुकान के खोलने को लेकर गठित समिति व दुकान खुलने पर बोले, लॉकडाउन में शराब दुकान खोलना उचित नहीं, लोगों के पास इस वक्त काम नहीं, गरीबों के घर गहने-बर्तन बिकेंगे, महिलाएं प्रताड़ित होंगी, हम इसका करेंगे विरोध, कोर्ट भी जाएंगे। डाक्टर रमन सिंह ने कहा है कि राष्ट्रीयआपदा से निपटने हम सबकी बराबरी की भागीदारी हैं। मुख्यमंत्री के रूप में भूपेश बघेल ने यदि अच्छा काम किया है तो मैने उनकी तारीफ भी की है। छत्तीसगढ़ ने अच्छे कदम उठाए हैं। यदि आज उसकी सराहना हो रही है तो ऐसे कदम अब ना उठाएं जिससे राष्ट्रव्यापी आलोचना प्रदेश की हो। पूर्व सीएम ने कहा अगर दुकानें खुलीं तो हम तीखा विरोध दर्ज कराएंगे, प्रदेश को केरल नहीं बनने देंगे। हम कोर्ट भी जाएंगे अगर राज्य सरकार ने यह प्रयास भी किया तो।

लॉक डाउन: गाड़ी खराब या इमरजेंसी में घर से निकलना हुआ मुश्किल

■ **पेट्रोल पम्पों में अस्थायी रूप से वाहन रिपेरिंग की दुकानें खुलनी चाहिए**

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। 21 दिनों का जारी लॉकडाउन के दौरान इमरजेंसी पर घर से बाहर निकलने के लिए शासन-प्रशासन द्वारा छूट देकर लोगों को राहत देने का काम तो किया है लेकिन इमरजेंसी में घर से निकलने वाले लोगों के वाहनों के बिगड़ने या पंचर होने की स्थिति में उसे सुधारने के लिए कोई व्यवस्था नहीं किए जाने से उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

राजधानी रायपुर में लॉकडाउन के दौरान पेट्रोल पम्प, मेडिकल , राशन दुकान सहित कई इमरजेंसी दुकानों को खोले जाने के लिए निर्धारित समय तक के लिए छूट तो दी गई है। इस छूट के साथ-साथ लोगों को भी इमजरेंसी स्थिति पर घर से निकलने के लिए छूट दी गई है, लेकिन इस छूट के दौरान ऐसे लोगों को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिन्हें अस्पताल, मेडिकल दुकान या अन्य किसी इमजरेंसी काम से घर से बाहर निकलने के लिए वाहनों की जरूरत पड़ती है। ऐसी स्थिति में अगर वाहन बिगड़ जाए या पंचर हो जाए तो उसे ठीक कराने के लिए शहर में लॉकडाउन के दौरान कोई व्यवस्था नहीं है, क्योंकि अन्य दुकानों की तरह वाहन रिपेरिंग की दुकानें भी पूरी तरह बंद है। ऐसी स्थिति में इमरजेंसी में फंसे व्यक्ति को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस तरह की परेशानी से शहर में कई लोग जूझ रहे है। इस तरह की परेशानी से जूझ रहे कुछ लोगों का कहना है कि जिला प्रशासन को इसके लिए कोई विकल्प व्यवस्था करनी चाहिए। लोगों ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान पेट्रोल पंप खुले हुए है। शहर में सभी वाहन रिपेरिंग दुकानें बंद है तो कम से कम शहर के सभी पेट्रोल पंपो में अस्थायी रूप से वाहनों के रिपेरिंग की सुविधा देनी चाहिए थी। क्योंकि इस तरह की परेशानी का सामना सिर्फ आम लोग ही नहीं बल्कि अस्पताल व पुलिस कर्मी भी हो सकते है।

महापौर ढेबर ने शुरू कराई थी मास्क बनाकर महिलाओं को रोज़गार से जोड़ने की पहल

शहर को कोरोना के कहर से सुरक्षित रखने में निभा रहीं यह बड़ी भूमिका

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। महापौर एजाज ढेबर ने स्व सहायता समूह की महिलाओं को जोड़कर उन्हें रोजगार परख कार्यो के द्वारा आत्मनिर्भर बनाने की जो पहल की थी वह आज रायपुर शहर को कोरोना के संक्रमण से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

रायपुर नगर निगम में शहरी आजीविका मिशन से जुड़ी 100 से अधिक महिलाएं दिन रात कड़ी मेहनत कर मॉस्क बनाने में जुटी हुई हैं और मात्र 9 दिनों में ही सवा लाख मॉस्क तैयार की हैं। कोरोना से निपटने में जुटी नगर निगम की पूरी टीम के साथ ही शहर के हर जरूरत मंद के लिए यह मॉस्क उपयोगी है। जब देश के दूसरे शहर मॉस्क की कमी महसूस कर रहे थे, रायपुर की इन परिश्रमी महिलाओं के हाथों से बने मॉस्क बड़ी आसानी से लोगों के बीच उपलब्ध थे।

इस काम में क्षेत्र स्तरीय संगठन नवा अंजोर, क्षेत्र स्तरीय संगठन समृद्धि, हिमालय की चोटी व शहर स्तरीय संगठन नवा अंजोर की महिलाएं जुटी हुई हैं।

मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान | हितग्राहियों ने शासन की घर-घर जाकर राशन व्यवस्था की प्रशंसा की

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कर रहीं सूखा राशन का वितरण

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। जिले में मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के तहत 15 दिन के लिए मीनू के अनुसार घर-घर जाकर सूखा राशन वितरण का कार्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा आज किया गया। रायपुर जिला में 8535 एनिमिक महिलाओं और 11346 कुपोषित बच्चों को सूखा राशन का वितरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को कहा है कि इस संकट की घड़ी में आप लोगों से गंभीर जिम्मेदारी निभाने की जरूरत है। आपकी जिम्मेदारी है कि आप खुद के स्वास्थ्य के साथ-साथ बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखें और उनको पोषण आहार उपलब्ध कराएं। इस अभियान के अंतर्गत चिन्हांकित हितग्राहियों को सूखा राशन (चावल, गेहूं, दाल), स्थानीय रूचि एवं उपलब्धता के अनुसार अन्य पौष्टिक आहार का पैकेट बनाकर प्रदान किया जा रहा है। कुपोषित बच्चे 3 वर्षीय मानवी और 2 वर्ष की गीतांजलि के पालक ने कहा कि शासन द्वारा बच्चो के कुपोषण को दूर करने के लिए ऐसी विपरीत परिस्थितियों में सूखा राशन की ब्यवस्था करना सराहनीय है। धरसींवा विकासखंड के ग्राम बकतरा की एनिमिक महिलाएं श्रीमती मोहनी,श्रीमती हितेश्वरी,श्रीमती रानू,श्रीमती उपासना ,श्रीमती मीना ने कहा कि शासन द्वारा घर-घर सूखा राशन के वितरण से महिलाओ के स्वास्थ्य में सुधार होगा। इसके लिए हम सभी सरकार का धन्यवाद करते है।

जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा रहा है भोजन व अनाज

गुढ़ियारी व श्रीनगर की महिलाओं द्वारा 24 तारीख से लगातार घर की बनी रोटियां दाल चावल सब्जी पूरी सब्जी घर-घर से एकत्रित करके जरूरतमंद तक पहुंचाया जा रहा है बालाजी अस्पताल में जहां घर से बने भोजन की आवश्यकता है वहां 10 लोगों को दोनों समय का भोजन दिया जा रहा है जिस भी महिला को यह जानकारी मिल रही है वह अपनी तरफसे पका हुआ भोजन और कच्चा अनाज जो जिसकी श्रद्धा है वह हमे सूचित कर रहे हैं औरहम उनसे एकत्रित कर रहे है इसमें हमें विशेष रूप से छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन और मंगल भवन व घरेलू महिलाओं का बहुत बड़ा सहयोग मिल रहा है इस सभी सेवा में सेवादार लगे हुए हैं जिनमें श्रीमती गंगा अग्रवाल संगीता हरलालका प्रियंका राठी सुनीता पोद्दार ललित हरलालका दीपक अग्रवाल कुलदीप साहू वितरण व एकत्र करने में लगे हुए बाकी दूसरे मोहल्लों से भी हमें सेवा प्राप्त हो रही है टीआई सर रमाकांत साहू जो कि हमें पूर्ण रुप से सहयोग कर रहे हैं उनका हृदय से धन्यवाद

कलेक्टर डॉ एस. भारतीदासन ने निर्देशित किया है कि वर्तमान में कोरोना वायरस कोविड-19 के रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए भारत सरकार द्वारा लॉकडाउन किया गया है। जिसके मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान अंतर्गत हितग्राहियों को गर्म भोजन के स्थान पर यह व्यवस्था गई है। मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर पर विपरीत प्रभाव न पड़े जिसके लिए सूखा राशन (चावल, गेहूं, दाल), स्थानीय रूचि एवं उपलब्धता के अनुसार अन्य पौष्टिक आहार का पैकेट बनाकर उपलब्ध कराने कहा है। सूखा राशन वितरित करते समय स्वच्छता एवं सामाजिक दूरी बनाए रखने के निर्देश दिए है।

ज्ञातव्य हो कि 6 माह से 6 वर्ष के कुपोषित एवं एनीमिक बच्चे तथा 15 से 49 वर्ष आयु वर्ग की एनीमिक महिलाओं को कुपोषण एवं एनीमिया से मुक्ति दिलाने के लिए मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान आरंभ किया गया है।

गरीबों का जिम्मा बखूबी निभा रहे श्रम विभाग के सचिव सोनमणी बोरा

लभांडी राहत शिविर और इंडोर स्टेडियम में जाकर खुद परोसा भोजन

0 नियंत्रण केंद्र से लगातार अपडेट लेकर सरप्राईज चेकिंग भी करते हैं रोज

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। श्रम विभाग के सचिव एवं राज्य नोडल अधिकारी सोनमणि बोरा ने आज लॉकडाउन से प्रभावितों के लिए बनाए गए राजधानी के लाभाण्डी स्थित राहत शिविर का निरीक्षण किया। श्री बोरा वहां पर रूके हुए लोगों से रूबरू हुए और उनसे व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्वयं हितग्राहियों को अपने हाथों से भोजन परोसा। उन्होंने वहां पर रूके प्रवासियों के बच्चों के लिए दुध के इंतजाम करने के भी निर्देश दिए। श्री बोरा ने वहां बताया कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देश पर पूरे प्रदेश में विभिन्न स्थानों में राहत शिविरों का संचालन किया जा रहा है और प्रवासी श्रमिकों के लिए भोजन और रहवास का इंतजाम किए गए हैं। मुख्यमंत्री स्वयं इन व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रहे हैं और उनके द्वारा उचित इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं।

श्री बोरा ने वहां पर सामाजिक संस्था द्वारा किए जा रहे भोजन वितरण कार्य की सराहना की। राजधानी स्थित लाभाण्डी शिविर में 214 प्रवासी लोगों को रखा गया है, जिसमें से 128 छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से हैं और बाकी मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल सहित अन्य प्रदेशों के लोग शामिल हैं। इसके अलावा प्रदेश में 355 राहत शिविर संचालित हैं, जिसमें करीब 10 हजार प्रवासी हितग्राही रूके हुए हैं। श्री बोरा ने कहा कि इस संकट की घड़ी में सभी जरूरतमंदों की सहायता के लिए शासन प्रतिबद्ध है। कुली, हाथ ठेला चलाने वाले, ईंट भट्ठा में काम तथा अन्य श्रमिक जो अपनी आजीविका के लिए प्रतिदिन की मजदूरी पर ही निर्भर रहते हैं, उनका ध्यान रखा जाए ताकि उन्हें भोजन के लिए तकलीफ न हो।

श्री बोरा ने इंडोर स्टेडियम स्थित भोजन-राशन और राहत सामग्री के वितरण के लिए बनाए गए नियंत्रण केन्द्र का भी निरीक्षण किया।

संपादकीय

लॉकडाउन का पालन करें लोग

देश में जानलेना कोरोना वायरस का कहर टूटने लगा है। भारत में कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या 2300 से ज्यादा हो चूंकि है और 56 लोगों की मौत हो गई है। भारत में लागू लॉकडाउन के बाद भी कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या में हो रही वृद्धि चिंता का विषय है। प्रधानमंत्री और संबंधित राज्यों के मुख्यत्रियों की बार-बार अपिल के बावजूद लोग लॉकडाउन का पालन नहीं कर रहे हैं। यह बेहद खतरनाक स्थिति है। यद्यपि केन्द्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि 14 अप्रैल को लॉकडाउन खतम कर दिया जाएगा। लेकिन कुछ प्रतिबंध फिर भी जारी रहेंगे। यदि लोगों ने इसी तरह लॉकडाउन का मजाक बनाए रखा तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाएगी। जब से जमातियों ने देश के कोने-कोने में फैलकर कोरोना वायरस को फैलाना शुरू किया है तब से प्रतिदिन कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में भारी वृद्धि हो रही है। जिन जमायतियों की पहचान हो चूंकि और उन्हें अस्पताल में रखा गया है। वे भी अपने चिकित्सीय परिक्षण में डॉक्टरों का सहयोग नहीं कर रहे हैं। डॉक्टरों के निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। यहां तक कि गाजियाबद में तो इन जाहिल जमातियों ने जहालत की सारी सीमाएं लांघ डाली। जो नर्से अपना घर बार छोड़कर और अपनी जान हथेली में रखकर इनकी सेवा में लगी हुई है। उनके साथ ये जमायती अश्लील हरकते कर रहे हैं। ऐसे वाहियात लोगों को अलग अस्पताल में ले जाने की नौबत आ गई है। देश के विभिन्न राज्यों में जाकर छूप गए संदिग्ध कोरोना संक्रमित जमायतियों की पता साजी करने के लिए जाने वाली पुलिस पर और चिकित्सा कर्मियों पर हमले किए जा रहे है। उन पर पत्थर बरसाये जा रहे है। ऐसी स्थिति में चिकित्सा कर्मियों और पुलिस कर्मियों के लिए अपने कत्वर्य का निरवहन करना मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे जाहिलों के खिलाफ मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की बात कही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी ऐलान किया है कि यदि कोरोना योध्याओं के खिलाफ पत्थरबाजी की गई या उन्हें उनके काम से रोका गया तो ऐसे लोगों के खिालाफ रासुका के तहत कार्रवाई की जाएगी। कायदे से केन्द्र सरकार को ही सभी राज्य सरकारों को यह निर्देश देना चाहिए कि जो भी व्यक्ति पुलिस कर्मियों और चिकित्सा कर्मियों के साथ गुंडा गर्दी करे उसके खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई की जाए और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। अन्यथा इन जाहिलों के कारण पुलिस कर्मियों और चिकित्साकर्मियों का जीवन भी संकट में पड़ जाएगा। कोरोना पीड़ितों की ममद में लगे 50 से अधिक डाक्टरों और नर्सों को कोरोना वारयस ने संक्रमित कर दिया है। इन जाहिलों को यह बात समझनी चाहिए कि जो लोग अपने जीवन को खतरे में डालकर इनकी सेवा कर रहे हैं। उनके साथ ये सहयोग करें। भारत में अब तक कोरोना स्टेज तीन में नहीं पहुंचा है तो इसकी मुख्य वजह यही है कि यहां समय रहते लॉकडाउन कर दिया गया। अब यह प्रत्येक देशवासी का कर्तव्य बनता है कि वह लॉकडाउन का पुरी इमानदारी से पालन करें। अन्यथा लॉकडाउन के बाद और कड़े एहतियाती कदम उठाने के लिए सरकार को बाध्य होना पड़ जाएगा।

विचार

धर्म के प्रचारक या मौत के प्रचारक ?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

मैं पिछले 10-15 दिनों से अखबारों में लिखता रहा और टीवी चैनलों पर बोलता रहा कि कोरोना से डरो ना। कोरोना भारत में उसी तरह फैल नहीं सकता, जिस तरह वह अन्य देशों में फैला है लेकिन मुझे अब अपनी राय उलटनी पड़ रही है, क्योंकि अब सैकड़ों लोग रोज़ाना कोरोना के जाल में फंस रहे हैं। यह क्यों हो रहा है ? क्योंकि एक मौलाना ने निहायत आपराधिक लापरवाही की है, जो कई मौतों का कारण बन गई है। जमाते-तबलीगी के अधिवेशन में दिल्ली आए हजारों लोग अपने साथ कोरोना लेकर सारे देश में फैल गए हैं। इनमें लगभग 300 विदेशी लोग भी थे। ये सब लोग धर्म-प्रचार (तबलीग) के नाम पर इकट्ठे हुए थे लेकिन ये मौत के प्रचारक बन गए हैं। केरल से कश्मीर और अंडमान-निकोबार से गुजरात तक लोग थोक में कोरोना के शिकार हो रहे हैं। ये शिकार होनेवाले लोग कौन हैं ? इनमें से ज्यादातर मुसलमान हैं और वे गैर-मुसलमान भी हैं, जो इनके संपर्क में आए हैं। इन तीन हजार तबलीगियों ने मरकज से निकलने के बाद अपने-अपने गांवों और शहरों तक पहुंचने के पहले और बाद में क्या लाखों लोगों से संपर्क नहीं किया होगा ? तबलीगी जमात के मुखिया मौलाना साद ने अपनी तकरीरों में कोरोना-प्रतिबंधों की जो मजाक उड़ाई है, वह उन्हें इन सब मौतों के लिए जिम्मेदार बना देता है। उन्होंने अपने अपराध के लिए माफी भी नहीं मांगी और वे फरार भी हो गए हैं। उनका यह कायराना बर्ताव बताता है कि वे कितने धार्मिक हैं ? उनके इस बर्ताव ने यह सिद्ध किया है कि वे जिसे धर्म-प्रचार कहते हैं, वह उनका पारिवारिक धंधा है। अपने परदारा द्वारा शुरु किए गए इस धंधे को वे मुसलमानों की जान से भी ज्यादा कीमती समझते हैं। कई देशों की तरह भारत सरकार को भी इस धंधे पर प्रतिबंध लगाने का विचार करना चाहिए। इस तरह के अंधविश्वासी अभियान किसी भी धर्म, मजहब, संप्रदाय और जाति के नाम पर चल रहे हों, उन पर सरकार को बहुत सख्ती बरतनी चाहिए। उसे यह सोचकर डरना नहीं चाहिए कि वह इन पाखंडियों के खिलाफ सख्ती करेगी तो उस पर सांप्रदायिकता या हिंदूवादिता का बिल्ला चिपका दिया जाएगा।

कोरोना की आंधी में सब कुछ स्वाहा

कुमार रमेश
अपराधशास्त्री, विदेशी मामलों के जानकार एवं वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर

ऐसे माहौल में जब विश्व के अनेकों नेता कोरोनावायरस को महामारी बताकर अपने यहां होने वाले विरोध प्रदर्शनों और प्रतिद्वंदियों को दबाकर राजनीतिक रोटियां भी सेंक रहे हैं, तब इतने बड़े नुकसान और मंदी के लिए चीन को कौन सज़ा देगा जिसने संक्रमण दुनियाभर में फैला दिया, क्योंकि अभी ही तो असली खेल बाकी है, जब संक्रमितों के मौत का तांडव दुनिया देखेगी। हम यह भी देखेंगे कि क्या ट्रंप दुबारा राष्ट्रपति बन पाएंगे जिससे वो चीन को सबक सिखा सकें, या असीमित कार्यकाल पाने वाले चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को वहां की कम्यूनिस्ट पार्टी क्या दुबारा राष्ट्रपति बनाएगी जिनकी नीति ने चीन को विश्वभर में बदनाम कर दिया, और क्या चीन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से बाहर निकाला जा सकेगा, या विश्व के देश अब ताइवान से कैसे रिश्ते बनाएंगे। इन सबके बीच इंतजार रहेगा कि दुनियाभर लोग खुद को आइसोलेट रखकर सबको सुरक्षित रख सकें।

इसे आप शुरुआत से समझिए अर्थव्यवस्था से लेकर राजनीति तक और कूटनीति से लेकर अफ्वाह तक ऐसा कुछ भी नहीं बचा, जो इसमें तबाह न हुआ हो। दो महीनों में ही इस महामारी ने 7.7 अरब जनसंख्या की जिंदगी में भूचाल ला दिया है। हालांकि यह कोई नया वायरस नहीं है जिसने 60000 जानें लेकर कोई उपलब्धि हासिल की हो, इससे पहले सदियों से चले आ रहे चेचक, पोलियो, हैजा, डायरिया, इबोला, जीका, स्वाइन फ्लू जैसी अनेकों महामारियां करोड़ों जाने ले चुकी है। इनमें सबसे ज्यादा तबाही मचाने वाला वायरस 1918 का स्पेनिश फ्लू था, इसने दुनियाभर में लगभग 5 करोड जानें ली थी। यह इनफ्लुएंजा वायरस एच1एन1 था लेकिन इसे स्पेनिश फ्लू का नाम इसलिए दिया गया क्योंकि उस समय प्रथम विश्व युद्ध चल रहा था और ज्यादातर यूरोपीय देश मीडिया के द्वारा अपना अपना नैरेटिव सेट करने में लगे थे और इसे छुपा रहे थे, उसी वक्त स्पेन के राजा खुद इससे ग्रसित हो गए और उन्होंने ही इस महामारी के बारे में दुनिया को बताया इसलिए इसका नाम स्पेनिश फ्लू रख दिया गया। कहा जाता है कि यह वायरस अमेरिका के मध्य प्रांत से निकला और जब 1917 में अमेरिकी सैनिकों ने युद्ध में भाग लिया, तब उनके द्वारा यह पूरे यूरोप में फैल गया। इसी बीच महान उपन्यासकार डीन कुंट्ज द्वारा 1981 में लिखित द आइज ऑफ डार्कनेस किताब की चर्चा हो रही है जिसके पेज 353 पर कहा गया है कि आने वाले समय में चीन वुहान-400 नामक बायोलॉजिकल हथियार बनाएगा जिससे वह अपने गरीब जनता को मार कर दुनिया में विकसित अर्थव्यवस्था बन सके। हम आगे बढ़ें उससे पहले ये बताना चाहूंगा कि डीन कुंट्स एक अमेरिकी लेखक हैं जो अपने रोमांच, रूहानी, डरावनी व काल्पनिक कहानियों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध हैं, और जिस वक्त उन्होंने ये उपन्यास लिखा तब चीन भुखमरी में जी रहा था। रही बात जैविक हथियार से गरीबों को मारने की, तो ये 2003 में ही किया का सकता था। क्योंकि कोरोनावायरस कोई नया वायरस नहीं है, यह सार्स यानी सिवीयर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम का नया रूप है जो 2002-03 में फैला था। उस वक्त भी हजारों लोग मारे गए, लेकिन जैसे ही तापमान बढ़ा ये खत्म हो गया, महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि उस वक्त भी इसका कोई टीका मौजूद नहीं था। हां यह सच है कि हुबेई प्रांत के वुहान शहर में चाइनीज इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी मौजूद है जहां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वायरस पर रिसर्च होते हैं लेकिन यह अफ्वाह गलत है कि इसे चीन की पीपल लिबरेशन आर्मी ने लैब में विकसित किया है।

हालांकि मैं इस बात से इत्तेफाक रखता हूं कि सभी देश अपने हित साधने के लिए ऐसे हथियारों को विकसित करने में लगे रहते हैं, ऐसे में सिर्फ चीन ही नहीं, अमेरिका, रूस, उत्तर कोरिया, ईरान, पाकिस्तान एवं भारत के पास भी ऐसे गुप्त हथियार होंगे। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बयान जारी करके कहा है कि यह प्राकृतिक अवस्था से निकला वायरस है जो डाइल्यूट एवं म्यूटेट होकर और ज़्यादा प्रभावी हो गया है। डब्लयूएचओ ने इसे आधिकारिक रूप से सार्स-कोव-2 यानी नॉवेल कोविड2019 नाम दिया है। हाल ही में जारी ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के अनुसार इस कोरोना से वैश्विक अर्थव्यवस्था को 2.7 ट्रिलियन एवं यूनाइटेड नेशंस के अनुसार 2 ट्रिलियन का प्रत्यक्ष नुकसान होने की संभावना है। इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि सिर्फ भारत को ही लॉकडाउन करने से 9 लाख करोड़ ना प्रत्यक्ष नुकसान होगा, जबकि अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय शेयर मार्केट को एक ही महीने में 54 लाख करोड़ का नुकसान हो चुका है। सबसे बड़ा नुकसान तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था को हुआ है जो अब 4 साल पीछे चला गया है जहां से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे अमेरिका फर्स्ट का नारा देकर बढ़ाने कि कोशिश की थी।

आज दुनियाभर में 10 लाख लोग

चीन दुनियाभर में अपने मीडिया के द्वारा प्रोपेगंडा फैला रहा है कि यह वायरस चीन से जरूर फैला है लेकिन फैलाया अमेरिकी सेना ने है। हालांकि इसमें चीन की चाल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट न्यूज़पेपर के अनुसार 7 नवंबर को ही वुहान के झिंइशान अस्पताल में कोरोनावायरस का कन्फर्म केस मिल गया था, लेकिन उसने 8 जनवरी तक जानबूझकर दुनियां से इसे छिपाया और भ्रामक जानकारी दी, अन्यथा जो वायरस पूरी दुनियां तक पहुंच गया, वो चीन राजधानी बीजिंग और शंघाई, शेनजियांग, ग्वांगझू जैसे महानगरों तक क्यूं नहीं पहुंचा, इसमें चीन ने डब्लयूएचओ में भी अपने प्रभाव का पूरा प्रयोग किया, जिसके कारण डब्लयूएचओ ने इसे चाइनीज या वुहान वायरस की जगह सार्स-कोव-2 नाम दिया और दुनियां को चीन के फ्लाइट्स बंद ना करने की अपील की ताकि चीन की छवि खराब हो, इसलिए डब्लयूएचओ की कार्यशैली भी फिलहाल संदिग्ध बन गई है।

इससे संक्रमित हो चुके हैं जिसमें सिर्फ चीन के गरीब ही नहीं, जैसा कि डीन कूंट्स ने कहा था, बल्कि इसमें ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो, ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन, ब्रिटिश प्रिंस चार्ल्स, स्पेन की इक्वालिटी मिनिस्टर, ब्रिटेन की स्वास्थ्य मंत्री, ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री, कनाडा के प्रधानमंत्री की पत्नी, ईरान के उपराष्ट्रपति सहित 27 ईरानी कैबिनेट मंत्री इसमें शामिल हैं। इसी दौरान अमेरिका और चीन के मध्य मीडिया वॉर जारी है, राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है और उनकी पूरी कैबिनेट इसे चाइनीज वायरस कहकर बुलाते हैं लेकिन जवाब में चीन ने जो रणनीति बनाई उसने दुनिया भर में विश्लेषकों को विचलित कर दिया है। चीन ने कहा कि जब अमेरिकी सैनिक खेलों में भाग लेने के लिए वुहान आए थे तो उन्होंने इसे यहां फैला दिया।

चीन दुनियाभर में अपने मीडिया के द्वारा प्रोपेगंडा फैला रहा है कि यह वायरस चीन से जरूर फैला है लेकिन फैलाया अमेरिकी सेना ने है। हालांकि इसमें चीन की चाल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट न्यूज़पेपर के अनुसार 7 नवंबर को ही वुहान के झिंइशान अस्पताल में कोरोनावायरस का कन्फर्म केस मिल गया था, लेकिन उसने 8 जनवरी तक जानबूझकर दुनियां से इसे छिपाया और भ्रामक जानकारी दी, अन्यथा जो वायरस पूरी दुनियां तक पहुंच गया, वो चीन राजधानी बीजिंग और शंघाई, शेनजियांग, ग्वांगझू जैसे महानगरों तक क्यूं नहीं पहुंचा, इसमें चीन ने डब्लयूएचओ में भी अपने प्रभाव का पूरा प्रयोग किया, जिसके कारण डब्लयूएचओ ने इसे चाइनीज या वुहान वायरस की जगह सार्स-कोव-2 नाम दिया और दुनियां को चीन के फ्लाइट्स बंद ना करने की अपील की ताकि चीन की छवि खराब हो, इसलिए डब्लयूएचओ की कार्यशैली भी फिलहाल संदिग्ध बन गई है। इसी बात को आधार बनाकर अमेरिका के वकील लैरी क्लेमेन ने चीन पर भ्रामक जानकारी देने एवं छुपाने के एवज में टेक्सास के फेडरल कोर्ट में 20 ट्रिलियन का केस फाइल किया है, सोचिए इतनी रकम की तो चीनी की पूरी जीडीपी भी नहीं है। दूसरी ओर इटली के लोग भी चीन से युद्ध मुआवजा कि मांग कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि हम बीमारी से नहीं बल्कि युद्ध से लड़ाई लड़ रहे हैं।

यहां पर पूरे प्रकरण के हीरो रहे डॉ. ली वेंलियांग को भी नहीं भुलाया जा सकता, जिन्होंने 30 दिसंबर 2019 को ही अपने वुहान यूनिवर्सिटी क्लीनिकल मेडिसिन 2004 नामक वीचैट ग्रुप में ये मेसेज डालकर पूरे चीन में सनसनी फैला दी कि सार्स वायरस के 7 कन्फर्म मरीज़ मिल चुके हैं। बस इतना पता लगते ही 3 जनवरी को चीनी आर्मी उन्हें उठाकर ले गई और क्रूरता से टॉर्चर किया, अन्ततः ली अब हमारे बीच नहीं रहे। दुनियाभर के देश और रिसर्चर चीन को कोस रहे हैं कि अपनी अर्थव्यवस्था और छवि बचाने के लिए उसने पूरी मानव जाति को दावं पर लगा दिया।

इसमें वो वाइल्डलाइफ और वेट मीट प्रजातियां भी शामिल हैं जिसे चीन ने खाने का कल्चर बना लिया, उसे वो जिनबू कहते हैं इसमें किसी जानवर को तत्काल मारकर उसका ताज़ा मांस खाने और गर्म खून पीने का चलन है। 1980 में जब चीन भुखमरी में जी रहा था तब चीनी सरकार ने सांप, पेंगोलिन, चमगादड़, कुत्ते, चूहे, गधों को खाने की कानूनी मंजूरी दी थी ताकि चीनी पुरुषों में पुरूषार्थ और महिलाओं में लालिमा बढ़े, जिससे उनकी इम्यूनिटी और स्टेमिना बनी रहे। इतने साल हो जाने के बाद भी चीन ने इसे खत्म नहीं किया, जबकि 2002 में सार्स आने बाद से लेकर सार्स-2 आने के बीच दो अन्य वायरस एच5एन7 और एच7एन9 एवलिन फ्लू भी चीन में आ चुका है। आपको सबसे ज़्यादा आश्चर्य मेरी ये बात जानकर होगी, कि वन चाइना पॉलिसी के दौरान जो महिलाएं दुबारा गर्भवती हो जाती थीं, उन्हें सज़ा से बचाने के लिए उनके भ्रूणों का सूप बनाकर वहां के मर्दों को सेक्स पॉवर बढ़ाने के लिए पिलाया जाता था।

भारत ने फिलहाल 35 दिनों तक पूरी दुनिया से अपने आप को काट लिया है और 21 दिनों के लिए एक दूसरे से। ये पहली बार है जब भारत सरकार ने राष्ट्रीय आपदा अधिनियम 2005 को लागू कर पूरे देश में लॉकडाउन कर दिया है। दुनियां कोरोना का रोना तो भोग ही रही है लेकिन 2500 भारतीय भी इससे पीड़ित हो चुके हैं। ये देखते हुए भारत सरकार ने एपिडेमिक डिसीज़ेस एक्ट 1897 को भी लागू कर दिया है, जिसके तहत राज्य सरकारों को यह अधिकार होगा कि वह नागरिकों कि सुरक्षा के लिए कोई भी कदम उठा सकते हैं, चाहे वो कर्फ्यू हो या आपातकाल। फिलहाल देशों में इटली और शहरों में न्यूयॉर्क कोरोनावायरस के केंद्र बने हुए हैं। इसके पीछे का कारण यह रहा कि इन दोनों देशों ने इस वायरस के संदर्भ में लापरवाही बरती, इटली में सबसे ज़्यादा मरने वालों की संख्या इसलिए है क्योंकि वहां की लाइफ एक्सपेक्टेंसी 82.5 वर्ष है और वहां बुजुर्गों कि संख्या ज़्यादा थी। अमेरिकी रिसर्चरों को यह आशंका है कि इसका टीका बनने तक लगभग 22 लाख लोगों की मौत हो सकती है। फिलहाल इस संक्रमण से मरने की दर 5 और स्वस्थ होने की दर 22 प्रतिशत है और कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि वे मृत्यु के आंकड़े को 22 लाख से घटाकर 1 लाख तक लाने की कोशिश करेंगे, इसके लिए अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग, भारत की इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के साथ दुनियां भर के संस्थान बहुत तेज़ी से टीका बनाने की कोशिश में लगे हुए हैं। उभरी समस्याओं के बीच भारतीय प्रधानमंत्री की पहल पर दुनियां में दो प्रमुख वर्चुअल सम्मेलन हुए, पहली सार्क और दूसरी जी20 समूह की, जहां पर सभी देशों ने 5 ट्रिलियन यानी लगभग 370 लाख करोड़ रुपए वायरस से लडने और अर्थव्यस्था में डालने का संकल्प लिया।

इन सबके बीच वैश्विक मंदी का आगमन हो चुका है और इस घटना से आने वाले समय में बहुत कुछ बदल जाएगा, जिसमें सबसे ज़्यादा खतरा भावनाओं को होगा, संयुक्त राष्ट्र को अब अपने लक्ष्य भी परिवर्तित करने पड़ेंगे, लोग अब ज़्यादा शाकाहारी होने लगेंगे, हाथ मिलाने और गले लगने की जगह नमस्ते का चलन बढ़ेगा। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर वैक्सीन आने में अभी कम से कम 18 महीनों का वक्त लगेगा, तब तक इस महामारी से यह दुनियां कैसे सुरक्षित होगी। ऐसे माहौल में जब विश्व के अनेकों नेता कोरोनावायरस को महामारी बताकर अपने यहां होने वाले विरोध प्रदर्शनों और प्रतिद्वंद्वियों को दबाकर राजनीतिक रोटियां भी सेंक रहे हैं, तब इतने बड़े नुकसान और मंदी के लिए चीन को कौन सज़ा देगा जिसने संक्रमण दुनियाभर में फैला दिया, क्योंकि अभी ही तो असली खेल बाकी है, जब संक्रमितों के मौत का तांडव दुनियां देखेगी। हम यह भी देखेंगे कि क्या ट्रंप दुबारा राष्ट्रपति बन पाएंगे जिससे वो चीन को सबक सिखा सकें, या असीमित कार्यकाल पाने वाले चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को वहां की कम्यूनिस्ट पार्टी क्या दुबारा राष्ट्रपति बनाएगी जिनकी नीति ने चीन को विश्वभर में बदनाम कर दिया, और क्या चीन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से बाहर निकाला जा सकेगा, या विश्व के देश अब ताइवान से कैसे रिश्ते बनाएंगे। इन सबके बीच इंतजार रहेगा कि दुनियाभर लोग खुद को आइसोलेट रखकर सबको सुरक्षित रख सकें।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

हे कान्हा तुमने बांसुरी को पकड़ा है

हे कान्हा तुमने बांसुरी को पकड़ा है,और हमने तुम्हें पकड़ा है। तुम उसे छोड़ नहीं सकते, और हम तुम्हें छिड़ नहीं सकते। बात तो बंधन की है कंन्हैया निभाना तुम्हें भी है, और निभाना हमें भी है। **श्री मंजू**

ख़ास पाती | तन्हाई कितनी भाती थी जब तक

रचनाकार

तन्हाई कितनी भाती थी जब तक बंदिश न थी घर पर रहना कितना भाता था बहुत जब थ यूँ नज़रबंद न थे कितने कितने दिन हो जाते थे किसे से मिले बात किये सारा वक्त घर पर ही यूँ रम जाता था अब जब से हुआ बंधन कुलबुलाता है मन निकलने को घर से बाहर मिलने मिलने को बात करने को तन्हाई पसंद मन भी घबरा उठा है हो यूँ कैद और समझा दिया इस नज़रबंदी ने कभी कभी मुलाकात भी ज़रूरी है आसपड़ोस और अपनों से नहीं कटता जीवन यूँ रह तन्हा लिपटा तन्हाई में।। **मीनाक्षी सुकुमारन**

मयस्सर हैं नहीं सबको सुबह औ शाम की

मयस्सर हैं नहीं सबको सुबह औ शाम की रोटी। ग़रीबों के मुक़द्दर में कहाँ आराम की रोटी । वो इस इक आस पर दिन रात करते हैं कड़ी मेहनत, खुदा सबको खिलाता है सभी के काम की रोटी । मगर धन्धा सियासत का हुआ है आजकल ऐसा, यहाँ कुछ लोग खा जाते किसी के नाम की रोटी। **अंकित विशेष विशेष**

मंदिर मस्जिद गुरूद्वारे सबने बन्द

मंदिर मस्जिद गुरूद्वारे सबने बन्द कर लिए द्वारे संकट में है दुनियाँ सारी कोरोना से सभी हैं हारे सैर सपाटे भूलकर अब घर में ही तुम डोलो प्यारे जाओगे गर सड़क नापने बजेंगे डंडे बहुत तुम्हारे बहुत नेपकिन यूज किए थोड़े हाथ भी धो लो सारे धैर्य रखो ये हिन्दोस्तां है हम जंग से कब हैं हारे..!! **नीरू श्रीवास्तव**

तू मेरा साया है माना,पर ये सहना

तू मेरा साया है माना,पर ये सहना होगा। वक्त की मार है अभी, दूर रहना होगा। मिलेंगे फिर कभी, साथ बैठेंगे बात होगी। कुदरती कहर है अभी, दूर रहना होगा। शहर भर वीरानगी है,सन्नाटा है नज़रे तलक। मौत का मंजर है अभी, दूर रहना होगा। ख्वाहिशें मत जता,जप्त किये रख दिल में। यहीं फरमान है अभी, दूर रहना होगा। दरे दीवारें खिड़कियां, सब बंद कर ले। शहर कातिले बसर अभी, दूर रहना होगा। (हेमराज सिंह कोटा)। **एच. आर. सिंह**

आज सवाल किसी क़ौम से नहीं

आज सवाल किसी क़ौम से नहीं है सरकार से है डॉक्टर्स पर हमले हो रहे हैं ये वही डॉक्टर्स हैं जिनके लिए आपके कहने पर पूरे देश ने उनके सम्मान में ताली बजाई थी। लेकिन आज बात उनकी जान की है, उनकी सुरक्षा की है। क्या सरकार को अब भी कोई सखूत क़दम नहीं उठाना चाहिए ? कब तक कुछ ज़ाहिल लोगों की वजह से पूरा देश भुगतता रहेगा? **ममता लड़ीवाल**

उस अंधड़ में, उस फ्तझड़ में आकर

उस अंधड़ में, उस फ्तझड़ में आकर! नेह लुटाने वाले! पथिकों की धुंधली राहों में ढ़ेरों जुगनू, जलाने वाले! दुनियां को दर्द भरे मौसम, तड़पाते रहते, जब पल -पल, जीवन के उन मुश्किल छण में-ओ अमृत बरसाने वाले। तूफां की तेज भंवर में, पीड़ाओं के से पहर में, जीवन की नई उम्मीद लिए- सहिल -साहिल गाने वाले! **अजय सिंह भदौरिया**

कोरोना है बड़ा भयंकर, नही निकलिए

कोरोना है बड़ा भयंकर, नही निकलिए घर से आप-! निकलेंगे तो होगा खतरा,भूल से न करिए यह पाप!! हाथ जोड़कर करे नमस्ते,नही मिलाए कोई हाथ! बार-बार धोएँ हाथों को,रहें प्रशासन के हम साथ!! रखिए सादा खान-पान को,मानव होकर बनो न काग! जबसे पशुता को अपनाया,जग में लगी तभी से आग!! कोई भूखा हो पड़ोस में,उनकी क्षुधा करें हम शांत! मजदूरों की भी हो चिंता,फँसे हुए जो दूजे प्रांत!! जो विदेश से होकर आए,नही छुपाए कोई बात! रहे पृथक खुद को जो घर में,फैल न पाएगा यह भ्रात!! दुनिया ने है टेके घुटने, पर हम न खाएंगे मात! जीतेगा भारत निश्चित ही,बीतेगी यह काली रात!! **कवि सुनिल शर्मा नील**

QUIZ TIME

1) महापाषाण संस्कृति (500 ई0 पू0 - 100 ई0 पू0) हमें दक्षिण भारत के उस ऐतिहासिक युग से परिचित कराती है, जब महापाषाण काल में उपयोग में लाये जाते थे: (पत्थर से बने अस्त्र / बड़े पत्थरों से घेरी गई समाधियाँ)

2) बिना दुर्ग के एक मात्र सिन्धु नगर कौन-सा था?
(क) कालीबंगा (ख) हड़प्पा
(ग) मोहनजोदड़ो (घ) चन्हुदड़ो

3) किस स्थान पर 'उच्च ज्वार-भाटाओं' में कितना अंतराल होता है?

4) राष्ट्रीय जलमार्ग पर उपलब्ध गहराई पर वास्तविक समय के आँकड़ों के लिए लॉन्च किए गए पोर्टल का नाम बताइए?

5) श्री हरिमंदिर साहिब के पूर्व हजूरी रागी का नाम बताए?

Ramaquiz

उत्तरमाला-(1) बड़े पत्थरों से घेरी गई समाधियाँ (2) चन्हुदड़ो (3) 12 घंटे 26 मिनट (4) लेडिस (5) भाई निर्मल सिंह खालसा

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय एवं विश्व इतिहास में 04 अप्रैल की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं: 1716 - रूस और प्रशिया की सेनाओं ने उत्तरी जर्मनी के विस्मार पर कब्जा किया। 1818 - अमेरिकी संसद में राष्ट्रीय ध्वज में लाल रंग की 13 पट्टियां और 20 सितारे रखने का फैसला किया गया। 1858 - ह्यूज रोज के नेतृत्व में ब्रिटिश सेना के साथ युद्ध करने के बाद झांसी की रानी लक्ष्मीबाई झांसी से निकलकर काल्पी पहुंची और बाद में ग्वालियर की ओर चली गई। 1889 - मशहूर हिन्दी कवि एवं पत्रकार माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म मध्य प्रदेश में हुआ। 1904 - प्रसिद्ध गायक कुंदन लाल सहगल का जन्म। 1905 - हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में भूकंप से करीब बीस हजार लोगों की मौत।

■ न्यूज गैलरी

कोरोना बीमारी झूठी खबर पर एफआईआर दर्ज

पिथौरा। कोरोना वायरस को लेकर भ्रमित जानकारी साझा करने के आरोप में नगर के एक युवक के खिलाफएफआईआर दर्ज की गई मामला कुछ दिन पूर्व का है जिसमें प्रतिष्ठित फर्नीचर व्यवसायी के सुपुत्र निखिल पांडेय के द्वारा एक वीडियो सोशल मीडिया में अपलोड किया और उसमें अपने आप को कोरोना पीड़ित बताते हुए लोगों को घरों में रहने और सोशल डिस्टेंट बना रखने की अपील करते नजर आए जिसे लेकर नगर में दहशत का माहौल बन गया था लोगों ने तरह तरह की बात तेजी से फैल रही थी प्रशासन की जानकारी मे आने के बाद इसकी पडताल की गई और ये झूठी साबित हुई पिथौरा पुलिस अधिकारी ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले में एफआईआर कर 188 आई पी सी व अधिनियम 1897 की धारा के तहत दर्ज कर लिया है।

सिंधी समाज ने राहत कोष में जमा कराए 15 लाख रुपए

बिलासपुर । आज सिंधी समाज ने वैश्विक संक्रमण कोरोनावायरस कोविड-19 से मुकाबले के लिए अपना योगदान अर्पित किया। बिलासपुर सिंधी समाज द्वारा कुल 15 लाख रुपए इस मकसद से प्रदान किए गए ।सिंधी समाज के प्रतिनिधियों ने कलेक्टर मंथन सभाकक्ष पहुंचकर बिलासपुर कलेक्टर डॉक्टर संजय अलंग को चेक प्रदान किया। सिंधी समाज द्वारा प्रधानमंत्री राहत कोष के लिए 5 लाख रुपये, मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 5 लाख रुपये और बिलासपुर रेड क्रॉस सोसाइटी लिए 5 लाख रुपये प्रदान किए गए। जिससे कि कोरोनावायरस संक्रमित मरीजों के बेहतर इलाज के साथ इस दौरान संकट में फंसे लोगों की सहायता की जा सके। बिलासपुर का अधिकांश सिंधी समाज व्यापारी वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है ।

प्याज़ 55 रुपये किलो, विधायक शैलेश के पास पहुँची शिकायत, खाद्य विभाग ने की कार्यवाही, दुकान हुई सील

बिलासपुर। 21 दिन के लाक डाउन के दौरान राज्य में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं,साथ ही कलेक्टरों को कालाबाजारी पर कड़ाई से रोक लगाने के निर्देश दिए गए थे,इसके बावजूद शहर में जमकर कालाबाज़ारी हो रही हैं। मिली जानकारी के मुताबिक नगर निगम ने शहर में कुछ दुकानदारों को शासन द्वारा निर्धारित से माल बेचने व होम डिलीवरी के लिए तय किया था,पर विधायक शैलेश पांडेय व नगर निगम आयुक्त प्रभाकर पांडेय को शासन द्वारा निर्धारित दर से ज्यादा में सरकंडा सीपत रोड विजयापुरम के पास स्थित महालक्ष्मी प्रोविजन व मेडिकल द्वारा तय दर से ज्यादा रेट पर माल बेचने की शिकायत मिली थी,शहरवासियों की समस्या सुनते ही विधायक द्वारा तुरंत उक्त दुकान पर कार्यवाही के निर्देश दिए गए। दुकान पहुँचकर खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा आम जनता की तरह सामान के रेट की जानकारी दुकानदार से ली गयी। दुकानदार द्वारा तय मूल्य से अधिक में सामान बेचने की शिकायत सही मिलने पर दुकान को सील कर दिया गया। इस कार्यवाही के दौरान तहसीलदार तुलाराम भारद्वाज,फूड इंस्पेक्टर,व निगम की संयुक्त टीम उपस्थित रही।

ग्रामीण क्षेत्र के लिए अनाज बैंक की व्यवस्था

गरियाबंद। लाकडाउन के दौरान कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे इसे ध्यान में रखकर शासन प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रो के लिए अनाज बैंक की व्यवस्था की गई है ताकि ग्रामीण क्षेत्रो में कोई भी कार्डविहिन या निर्धन व्यक्ति भुखा ना सोए। परंतु शहरी और नगरीय क्षेत्र के लिए निर्धनो और कार्डविहिनो के लिए अनाज बैंकी व्यवस्था के लिए शासन से किसी प्रकार का कोई आदेश जा रही नही हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रो में शासन द्वारा ऐसे लोगो के लिए सभी ग्राम पंचायतो में अनाज बैंक स्थापित कर दो दो क्विंटल चांवल की व्यवस्था की गई है इसके अलावा गांव के जिम्मेदार नागरिको, ग्रामीण दानदाताओं, सामाजिक संस्थाओं व समाज सेवको के माध्यम से भी चावंल सहित दाल, गेहू, चना, सब्जी सहित अन्य खाद्य सामाग्री व नगद राशि की दान स्वरूप व्यवस्था की जा रही है। लेकिन इसके उलट शहरी क्षेत्रो और नगरीय क्षेत्रो के लिए शासन प्रशासन ने ऐसी कोई व्यवस्था लागु नही की है। जिससे इन क्षेत्रो मे रहने वाले कार्डविहिनो और अति निर्धन लोगो के बीच लाकडाउन के बीच खाने पीने के लाले पड़ सकते है। शासन की इस योजना से जिले चार नगरीय निकाय वंचित रहेंगे। जानकारी के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्रो में है या शहरी क्षेत्रो में कुल कितने ऐसे जरूररतमंद है इसकी अधिकृत जानकारी या सुची प्रशासन के पास उपलब्ध नही है। जिसके चलते तय किया गया है कि पंचायत प्रतिनिधियो के बीच ही निर्धन व्यक्तियो की पहचान उन्हे अनाज बैंक से सहयोग दिया जाएगा और पंचायत में पंजी बनाकर उनका रिकार्ड रखा जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रो में सभी ग्राम पंचायतो में अनाब बैंक स्थापित करने के आदेश मिले है। शहरी क्षेत्र के लिए कोई आदेश नही आया है।

– **हुल्लास कुमार डड़सेना,** जिला खाद्य अधिकारी

अनाज बैंक व्यवस्था संबंधित शासन से कोई आदेश नही मिला है, कलेक्टर के निर्देश पर निर्धन व्यक्तियो के लिए सामाजिक संगठनो के सहयोग से भोजन की व्यवस्था की जा रही है।

– **सुश्री संध्या वर्मा,** मुख्य नगर पालिका अधिकारी गरियाबंद

रविवार को करे रात 9 बजे 9 मिनट के लिए बिजली लॉकडाउन

■ **घर के आंगन में जलाएं दिये और कोरोना जैसे बिमारी को मात देने दृढ़ हो संकल्प**

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अपने संबोधन मे कहा कि 05 अप्रैल दिन रविवार को सभी बिजली में 09 मिनट के लिए रात्रि 09 बजे लॉकडाउन करे। और अपने घर पर छत, आंगन व द्वार पर दिया जलाएं वहीं मोमबत्ती या फिर मोबाइल टॉर्च का भी उपयोग करे। पूर्व मे जहां प्रधानमंत्री ने लोगो को शाम 05 बजे घर के अंदर से ही थाली, ताली बजाने का अवहान किया था। वहीं आमजन में भी भरपुर समर्थन भी दिया है। उस दिन घरो से ताली, थाली सहित शंख और घडी घंट की आवाज से पुरा शहर गुंजमान हो गया था। और निश्चित तौर पर यह अंदाजा भी लगाया जा रहा है कि आने वाली 05 तारिख दिन रविवार को छोटी दिवाली की तरह ही आमजन जहां महसूस करेंगे वहीं इस कोरोना जैसे महामारी बिमारी को मात देने लोगो को शक्ति भी मिलेगी कहा जाता है कि अगर उत्साह से किसी भी कार्य को किया जाए तो बडे से बडे समस्याओ को भी असानी से मात दिया जा सकता है। आप सभी को याद होगा कि इस महामारी से लडने हर वर्ग एक दुसरे की मद्द भी कर रहे है। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के चलते देश और छत्तीसगढ़ को 14 अप्रैल तक लॉकडाउन कर दिया गया है। वही प्रदेश के मुख्यमंत्री ने लोगो को बेवजह घरो से नहीं निकलने की हिदायत दी है साथ ही कोरोना वायरस से बचाव के लिए सभी को मास्क एवं दस्ताना पहनने की अपील की है वही इस आपदा से निपटने के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष में ज्यादा से ज्यादा मदद करने की अपील की है। इसी बीच प्रदेश भर से लोग बड़ी संख्या में आर्थिक मदद करने शुरू कर दिए है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व छत्तीसगढ राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा कोरोना महामारी जैसे बिमारी से बचाव को लेकर जो भी निर्देश दिए जा रहे है जनता उनका पालन करते भी नजर आ रही है। लेकिन इन सब के बावजूद जिले में कुछ ऐसे भी लोग है जो इस महामारी जैसे बिमारी को नजरअंदाज कर बेवजह सडको पर घूम रहे हैं। जबकि यह महामारी बहुत ही भयवाहक है। आज की स्थिति में आने वाले 15 तारिख को लॉकडाउन भी खत्म किया जा रहा हैं। लेकिन ऐसा न हो कि लोग कोरोना जैसे महामारी बिमारी से बचने जो राज्य सरकार और केन्द्र सरकार ने अपील की है। उसे कही नजरअंदाज न करे। हाथो को साबुन से 20 सेकेंड तक अच्छे से धोंए, घर से निकलने पर मास्क का उपयोग करे, लोगो से कम से कम 01 मीटर की दूरी बनाकर रहे व किसी भी खरीददारी के समय में भी इसका विशेश ध्यान रखे। वहीं हाथो को धोते रहे। लॉकडाउन खत्म होने के बाद अब एक चुनौती यह भी बन सकती हैं कि आखिर कितने लोग इस नियम का पालन करते है। और आम लोगो को जागरूक करने क्या उपाय अपनांए जाऐंगे यह एक महत्वपूर्ण विशय है। लोगो को इस बिमारी से बचाने हर किराना दुकान, सब्जी बाजार, जनरल स्टोर्स, मोबाइल दुकान, सरकारी कार्यालय सहित सभी जगह बचाव को लेकर दिए गए संदेश चस्पा किया जाना महत्वपूर्ण हो सकता है क्योकि कुछ लोगो के मन में कही ऐसा न आ जाए के लॉकडाउन खत्म होने के साथ ही यह खतरा टल गया।

बारूका प्रधान पाठक की ओछी और गैर जिम्मेदाराना हरकत

सोशल मीडिया में धार्मिक भावना को आहत करने वाले आपत्ति जनक पोस्ट डाली

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। कोरोना वायरस संकट के दौरान जहां पूरा देश एकजुट होकर संक्रमण से बचाव के लिए लड़ाई लड़ रहा है वही एक शासकीय कर्मचारी अपने ओछी और गैरजिम्मेदाराना हरकत से समाज में धार्मिक भावना को आहत पहुचाने का कार्य कर रहा है। कोपरा निवासी बारूका प्रधान पाठक जगतबंधु चक्रबर्ती द्वारा लाकडाउन के दौरान बिते 23 मार्च से लगातार सोशल मीडिया में आपत्ति जनक और भड़काऊ पोस्ट डाली जा रही है। उसके द्वारा फेसबुक और वाट्सअप के माध्यम से लोगो के बीच अशांति फैलाने का संभावना है। इसकी शिकायत गुरूवार को गरियाबंद के बसंत मिश्रा ने सीटी कोतवाली थाना गरियाबंद में दर्ज कराई बकायदा सोशल मीडिया में डाले गए पोस्ट के स्क्रीन शाट्स भी उपलब्ध कराए है। शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी आर एस साहू ने बताया शिकातय दर्ज कर जांच कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। उचित और विधिसंगत कार्यवाही की जाएगी। सुत्रो से पता चला है कि आपत्तिजनक पोस्ट डालने वाले उक्त सरकारी कर्मचारी ने बुधवार शाम के बाद से आपत्तिजनक सारी पोस्ट हटा ली है।

इस संबंध में शिकायर्ता ने बताया कि उक्त कर्मचारी द्वारा 26 मार्च को फेसबुक में हिन्दूओ के आराध्य भगवान कृष्ण के टिप्पणी की है। इसके पूर्व 25 मार्च को भी आराध्यक देवी शैलपुत्री व भगवान बजरंग बली के उपर टिप्पणी की गई। इसके पहले 24 मार्च को भी प्रधानमंत्री के उपर औछी टिप्पणी गई। इसके अलावा गत 23 मार्च को तथा 18 मार्च को ब्राम्हण समाज पर भी टिप्पणी की गई है। इसके अलावा 26 और 30 मार्च को मुस्लिम समुदाय के बारे में भी आपत्तिजनक टिप्पणी की है। इस प्रकार की टिप्पणी से समाज में द्वेष फैलने की संभावना है तथा सभी वर्ग दुखी व क्षुब्द है। उक्त सरकारी कर्मचारी के विरूध्द उचित और कड़ी कार्यवाही की जाए।

ज्ञात हो कि उक्त कर्मचारी का यह कृत्य भी छ0ग0 सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 10 के सर्वथा विपरीत हैं। नियम-10 के अनुसार कोई भी शासकीय सेवक किसी रेडियो प्रसारण में अपने स्वयं के नाम से या गुमनाम तौर पर या कल्पित किसी नाम से, या किसी अन्य व्यक्ति के नाम से प्रकाशित किसी दस्तावेज में या समाचार पत्र को दी गई किसी संसूचना में या सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त किसी उद्गार में कोई ऐसा तथ्य या राय प्रकट नहीं करेगा (एक) जिसका परिणाम केन्द्रीय सरकार या राज्य शासन की किसी प्रचलित या तात्कालिन नीति या कार्य के प्रतिकूल आलोचना करना हो। (दो) जिससे कि राज्य तथा केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य शासन के आपसी संबंधो में उलझन पड़ जाये। या कोई बात भारत की प्रभूता और अखण्डता को प्रभावित करती हो।

आगामी आदेश तक प्राइवेट स्कूल पालकों से नहीं करेगा फीस वसूली

कवर्धा। कबीरधाम प्राइवेट स्कूल संघ के अन्तर्गत आने वाले समस्त स्कूलों दिनांक 13 मार्च से आगामी आदेश तक शासन के निर्देशानुसार जिला के समस्त प्राइवेट विद्यालयो को बंद रखा गया तथा शासन का सहयोग किया है साथ ही साथ इस लाकडाउन पर तथा देश में आये विकट संकट के अवसर पर यह निर्णय लिया गया है, कि संकट की इस घडी में पालको को बड़ी राहत देते हुए किसी स्कूलों द्वारा कोई भी पालको से फीस वसुली का दबाव नहीं बनाया जा रहा है, ना ही लाकडाउन के दौरान किसी भी प्रकार की फीस वसुली की जायेगी साथ ही साथ अनेक प्रकार से शासन को सहयोग करने हेतु जिला के ये निजी विद्यालय तत्पर है जैसे सरस्वती शिशु मंदिर भागुटोला द्वारा पूर्ण विद्यालय को इस घड़ी में उचित उपयोग करने प्रस्ताव दिया गया है,साथ ही जिले के विभिन्न क्षेत्रों के निजी विद्यालयों द्वारा शासन के मंशानुरूप भवन व वाहन उपलब्ध कराया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने सहायक उप निरीक्षकों को स्टार लगाकर उप निरीक्षक पद पर पदोन्नत किया

कवर्धा। पुलिस महानिदेशक, छत्तीसगढ़ के आदेशानुसार पदोन्नति हेतु जारी योग्यता सूची वर्ष 2020 जिला पुलिस कबीरधाम के दो सहायक उप निरीक्षक का उप निरीक्षक के पद पर पदोन्नति हुई है। थाना कोतवाली में पदस्थ सउनि संतोष कुमार ठाकुर एवं विजेन्द्र तिवारी को पुलिस अधीक्षक के.एल.ध्रुव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार सोनी के द्वारा स्टार लगाकर उप निरीक्षक के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई। साथ ही दोनो पदोन्नत अधिकारियों को पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पदोन्नति के साथ उनके जिम्मेदारी एवं कार्यो में भी वृद्धि हो रही है। जिसे बखूबी से निभाने के निर्देश दिये गये तथा दोनों पदोन्नत अधिकारियों को पदोन्नति की शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुये उप पुलिस अधीक्षक बी.आर. मण्डावी, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पंडरिया नरेन्द्र बेंताल, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बोड़ला अजीत ओगरे, प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक निमितेश सिंह, प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक नेहा पवार, रक्षित निरीक्षक ख्रिष्ट नरगिस तिग्गा बघेल, मुख्य लिपिक विरेन्द्र सिंह तारन, उप निरीक्षक बी.आर. गजेन्द्र, स्टेनो युवराज आसटकर एवं समस्त कार्यालयीन अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

5 अप्रैल की रात 9 बजे करे घरों की लाइट बंद: शिवानी शर्मा

भाटापारा। प्रधानमन्त्री के आह्वान पर देश की जनता को अमल करते हुए 5 अप्रैल को रात 9 बजे मात्र 9 मिनट के लिए अपने घरो की लाइट बंद कर कुछ देर अंधेरे में दिया,टार्च की रौशनी में रहना चाहिये ताकि देश की इस महामारी को भगाने में जल्दी सफलता हाथ लगे। मारवाड़ी युवा मंच छत्तीसगढ़ नारी चेतना की प्रदेश संयोजिका शिवानी शर्मा ने प्रधानमन्त्री के आह्वान पर कहा की अँधेरे से उजाले की और बढ़ना ही हम सब का लक्ष्य है और हमारे देश में आई इस संक्रमक लड़ाई में हम सब का नेतिक दायित्व भी बनता है की देश के प्रधान सेवक के आह्वान पर हम सभी 5 अप्रैल को रात्रि 9 बजे मात्र 9 मिनट के अपने अपने घरो की ना केवल लाइट बन्द करे बल्कि इस अमूल्य 9 मिनट में देश के 130 करोड़ लोगो की खुशहाली की अंतर्मन से कामना करे।

शराब बेचने और शराब पिलाने वाले 2 गिरफ्तार

भाटापारा। संतमाता कर्मा वार्ड में पुलिस ने एक घर में दबिश देकर शहर पुलिस ने एक युवक को पकड़कर उसके पास से 12 पाव शराब जब्त की है वही उसी मोहल्ले में एक अधेड़ को शराब की खाली बोतल,डिस्पोजल व अन्य सामान के साथ पकड़ा है दोनों के खिलाफ आबकारी एक्ट की अलग अलग धाराओ के तहत कार्यवाही की है।

उपरोक्त सम्बन्ध में शहर थानेदार महेश कुमार धुव ने बताया की पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर ने लाकडाउन को ध्यान में रखते हुए थानो क्षेत्रों लगातार भ्रमण कर सूचना तंत्र मजबूत कर संक्रमण फैलने से रोकने व किसी भी प्रकार के अपराध रोकथाम के लिए सख्त निर्देश दिए थे जिसके प्रतिपालन में कानून व्यवस्था हेत चौक चौराह पर बल तैनात कर सतत निगाह रखी गई। इस बीच संतमाताकर्मा वार्ड क्षेत्र में अवैध रूप से शराब बिक्री की सूचना पर महिला पुलिस स्टाफसहित दल बल के साथ क्षेत्र में दबिश दिया गया। जहा आरोपी संतोष डहरिया पिता हीरा डहरिया उम्र 32 साल पता संतमाताकर्मा वार्ड भाटापारा के द्वारा अपने घर में एक प्लास्टीक बोरी के अंदर 12 पौवा सीजी फाइन विस्की शराब रखा हुआ मिला संतोष डहरिया के कब्जा से 200 रू बिक्री रकम व 12 पौवा सीजी फाइन विस्की शराब कुल कीमती 1160 रू को जप्त कर धारा 34 (ए) आबकारी एक्ट के तहत कार्यावाही किया गया ।

रतनपुर मनी कंचन केंद्र में लगी आग दमकल ने पाया आग पर काबू

बिलासपुर । रतनपुर मेला परिसर स्थित मैदान में मौजूद मनी कंचन केंद्र में आग लग गई। यहां नगर के अलग-अलग वार्डो से कचरा कलेक्ट कर उसका पृथक्करण और संग्रहण डीसी किया जाता है ।कचरा से कबाड़ और अन्य चीजों को यहां अलग कर रखा जाता है। यहां देखभाल की जिम्मेदारी चौकीदार मनोहर सूर्यवंशी पर है। रोज की तरह मनोहर सूर्यवंशी कचरा पहुंचने के बाद सुबह करीब 10:30 बजे मनी कंचन केंद्र को बंद कर बाजार सब्जी लेने चला गया था। जब वह घर में भोजन कर रहा था उसी दौरान उसे सूचना मिली कि मणिकांचन केंद्र में आग लग गई है। जिसके बाद वह भागा भागा वहां पहुंचा। आग लगने के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है।

लॉक डाउन के दौरान पुलिस परिवारों को पहुंचाई जाएगी सहायता : एसपी पटेल

गरियाबंद। लाकडाउन के दौरान पुलिस परिवार को किसी प्रकार की समस्याओ का सामना ना करना पड़े इसे देखते हुए पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने सुघर समाधान योजना के तहत पुलिस परिवारो को किराना राशन सहित अन्य सहायता उपलब्ध कराने की अभिनव पहल की है। इस योजना के तहत पुलिस लाइन के दोनो फेस में रहने वाले परिवारो के लिए दो दो वाहनो की व्यवस्था की जाएगी जिसमें पुलिस के जवान भी मौजुद रहेंगे। जिन परिवारो को बाजार से कुछ सामान मंगाना होगा वे इसके माध्यम से ही मंगवायेगें। उन्हे बाजार जाने की जरूरत नही पड़ेगी। इस योजना की जानकारी देने बुधवार को पुलिस अधीक्षक भोजराज पटेल ने स्वयं पुलिस लाइन के दोनो फेस में जाके पुलिस परिवारो से रूबरू चर्चा की। सोशल डिस्टेंश का पालन करते हुए एसपी ने उन्हे बताया कि संकट के समय में पुलिस, चिकित्सक और मीडियाकर्मियो की भूमिका काफी अहम है।

लॉक डाउन अवधि में निजी शालाओं द्वारा स्कूल फीस वसूली स्थगित

गरियाबंद। शासन के निर्देश के परिपालन में जिला शिक्षा अधिकारी गरियाबंद ने जिले के सभी अशासकीय निजी शालाओं के संस्था प्रमुखों को लॉकडाउन अवधि में स्कूल फीस वसूली स्थगित रखने कहा है। उन्होंने कहा है कि लॉकडाउन अवधि में निजी शालाओं द्वारा स्कूल फीस जमा करने संबंधी संदेश, पालकों को लगातार भेजनें तथा स्कूल फीस भुगतान के लिये दबाव डालना उचित नहीं है। जिला शिक्षा अधिकारी ने संस्था प्रमुखों को यह भी अवगत कराया है कि किसी भी विद्यालय द्वारा निर्देशों की अवहेलना की दशा में छत्तीसगढ़ निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2010 के भाग-पाँच, नियम 16 के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।

कालाबाजारी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी: शैलेश

बिलासपुर । देश एक तरफ जहां इस विपदा से गुजर रहा है,वही छत्तीसगढ़ भी इससे अब पिछड़ा नही रहा है,कुछ दिनों पूर्व प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आम जनता के नाम अपने संदेश में कहा था कि इस विपदा से बचाव और फैलाव को रोकने के लिए 21 दिन के लाक डाउन के दौरान राज्य में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं,साथ ही कलेक्टरों को कालाबाजारी पर कड़ाई से रोक लगाने के निर्देश दिए गए थे,

मिली जानकारी के मुताबिक नगर निगम ने शहर में कुछ दुकानदारों को शासन द्वारा निर्धारित से माल बेचने व होम डिलीवरी के लिए तय किया था, पर नगर विधायक शैलेश पांडेय व नगर निगम आयुक्त प्रभाकर पांडेय को शासन द्वारा निर्धारित दर से ज्यादा में सरकंडा सीपत रोड विजयापुरम के पास स्थित महालक्ष्मी प्रोविजन व मेडिकल द्वारा तय दर से ज्यादा रेट पर माल बेचने की शिकायत मिली थी,मालूम हो कि इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया भी था, वही आज इस खबर का असर भी देखने को मिला आज तहसीलदार तुलाराम भारद्वाज,फूड इंस्पेक्टर,व निगम की संयुक्त टीम ने शासन द्वारा निर्धारित दर से अधिक पर बिक्री करने पर महालक्ष्मी प्रोविजन मेडिकल व किराना स्टोर को सील कर दिया है,

मिली जानकारी के मुताबिक महालक्ष्मी प्रोविजन द्वारा बिक्री किये गए माल व होम डिलवरी के दौरान मिले एक बिल के आधार पर कुछ सामानों के मूल्य तो आसमान छू रहे है,प्याज का रेट जहां 30 रुपये तय किया गया है,बिल में 55 रुपये किलो तक जोड़कर घर मे सामान भेजवाया जा रहा है,तो वही रिफाइन तेल जो 115 रुपये तय है उसका मूल्य 125 तक जोड़ा जा रहा है,इसके साथ ही राहर दाल की कीमत 125 रुपये तक ली जा रही थी,बहरहाल दुकान को आज सील कर दिया गया है

कालाबजारी बिल्कुल बर्दास्त नही की जाएगी – शैलेशः वही इस विपदा पे दिन रात एक कर गरीब मजदूरों को खाना व राशन पहचाने वाले नगर विधायक शैलेश पांडेय ने कहा कि कालाबाजारी बिल्कुल बर्दास्त नही की जाएगी,सभी दुकानदार आम जनता के साथ सहानुभूति व न्याय के साथ कार्य करे,सरकंडा स्थित महालक्ष्मी प्रोविजन,किराना व मेंडिकल की शिकायत मिली थी जिसको आज संयुक्त टीम ने सील कर दिया है,आगे भी शिकायत मिलेगी तो तत्काल कार्यवाही होगी,साथ ही जिन भी दुकानदारों का नाम निगम की लिस्ट में है उन्हें अपनी दुकान में सम्पूर्ण सामान भी उपलब्ध रखे ताकि आम जनता को दिक्क्त न हो,,

सेवा भाव से कार्य करे मेवा की लालसा न करे – महेशः प्रदेश कांग्रेस के सचिव महेश दुबे ने कहा कि संकट के समय मे जरूरत सेवा की है इसके बदले व्यापारी मेवा न खाये,कालाबजारी करने वाला दुकानदार चाहे जो भी हो उसपर कार्यवाही होनी ही चाहिए,साथ ही दुकानदार जिनके पास रोजमर्रा के सामान नही मिलने की शिकायत मिल रही है उन्हें निगम द्वारा तत्काल लिस्ट से हटा देना चाहिए या तो उन्हें कड़ी चेतावनी दी जाए कि उनके पास सम्पूर्ण सामान का स्टॉक उपलब्ध रहे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग बिलासपुर (छ.ग.)

नगर निगम टाऊन हाल के पीछे पिन-495001 फोन-07752 236310 फैक्स नं. 07752 413523

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 735/736/NIT-11 & NIT-12/2019-2020/व.ले.लि. दिनांक 25.03.2020

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 25.04.2020 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत निविदाएँ प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 29.04.2020 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 30.04.2020 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक
निविदा प्रपत्र की कीमत (रु.में) :- A 750.00
निविदाकारों की श्रेणी :- ई-पंजीयन श्रेणी 'द' से 'अ' तक
कार्य की अवधि :- 02 माह वर्षाऋतु सहित

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम/ No of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रु.में) बैंक साल्वेंसी (रु.में)
1	2	3
11 T0016	हावड़ा-मुंबई रेल लाईन के कि.मी. 717/18-20 पर चुचुहियापारा फाटक पर निर्मित आर.ओ.बी. में एक्सपॉन्सन ज्वॉइंट बदलने हेतु विशेष मरम्मत कार्य।	9.99 7500.00 149900.00
12 T0016	शिवनाथ नदी में जोन्धरा-परसाडीह मार्ग पर एवं लीलागर नदी में बोहारडीह-कोसिर मार्ग पर निर्मित उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग में साधारण मरम्मत कार्य।	4.04 4100.00 60600.00

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg./nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

(मनोज थोरात)
कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग
बिलासपुर (छ.ग.)
मो. नं. 9179298899

जी-78208/2

सरपंच पति और सचिव की फर्जी करामात को चपरासी ने प्रस्ताव पंजी में उतारा, उपसरपंच ने पकड़ा

- ग्राम पंचायत रानी तालाब का मामला
- कोरा प्रस्ताव पंजी में बिना सोचे सचिव करता है हस्ताक्षर
- सरपंच पति ने रात को पंचायत भवन खोलकर फर्जी प्रस्ताव करवाया तैयार

नवप्रदेश संवाददाता

छुरिया। पूरा देश जहां कोरोना महामारी से लड़ रहा है, जनता अपने घरों में बंद है, लॉकडाउन में नहीं खुल रहे हैं। पंचायत भवन जिसे आधी रात को खोल कर फर्जी प्रस्ताव तैयार कर 14वें वित्त की राशि हड़पने के चक्कर में है। सरपंच पति ऐसा ही मामला छुरिया विकासखंड के ग्राम पंचायत रानीतलाब में आया है, जहां पर बिना पंचों की जानकारी के सरपंच पति मोतीलाल बांधे ने पंचायत चपरासी रवि कुमार खुटे को लेकर रात 8 बजे पंचायत भवन को खोलकर चपरासी से ग्राम पंचायत के प्रस्ताव पंजी को भरकर राशि की दुरुपयोग करने के फिराक में थे, जिसे ग्राम पंचायत रानीतलाब के उपसरपंच राम कुमार नेताम ने पकड़ा है। बहुत ही ताज्जुब की बात है कि सचिव सिन्हा ने पंचायत के कोरा पंचायत प्रस्ताव में हस्ताक्षर कर छोड़ा था, वह भी तीन प्रस्ताव में। उपसरपंच ने बताया कि सचिव को फोन कर पुछा तो गोल-मटोल जवाब दिया। वहीं कोरा पंचायत प्रस्ताव में चपरासी भी बिना डर भय के

निसंकोच सचिव की तरह तीनों प्रस्ताव को भर दिया गया। ग्राम पंचायत के 14वें वित्त की राशि का उपयोग नाली निर्माण ग्राम पंचायत रानीतलाब के आश्रित ग्राम कुबराडीह और सड़क बंजारी के लिए एवं रानीतालाब में बने नाली को ढकने के नाम पर करने के फिराक में थे। जिससे आप अंदाजा लगा सकते हो कि इस तरह मिलीभगत से और क्या-क्या कर सकते होंगे। इससे पहले भी पिछले पंचवर्षीय के 2017 में जमीन मामला में बिना पंचों की जानकारी के सरपंच, सचिव ने फर्जी प्रस्ताव दिया था, जिसमें जांच उपरांत सचिव को निलंबित किया गया था जिस समय महिला सरपंच कौशिल्या बांधे ही रही। अभी ग्राम पंचायत में ग्रामसभा है ना ही कोई मुख्यालय खुला है फिर भी सचिव, सरपंच पति मिलकर बिना पंचों की जानकारी के फर्जी प्रस्ताव तैयार कर रात के अंधेरे में, जबकि नियमतः सरपंच पति सरपंच को लेकर दिन में पंचायत भवन में आकर ग्रामसभा लेकर प्रस्ताव तैयार करवाना चाहिए था। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि सरपंच ने पंचायत चुनाव के दौरान चुनावी घोषणा पत्र में ग्राम पंचायत रानीतलाब में बने नाली को जीत के बाद ढक्कन लगाने की घोषणा किया था, तो क्या स्वयं के किये घोषणा को पूरा करने शासन के राशि का दुरुपयोग उचित है। फिलहाल सभी शासकीय मुख्यालय कोरोना महामारी के चलते बंद है, उपसरपंच ने छुरिया जनपद सीईओ को फोन के माध्यम से अवगत कराने की बात कही है, देखना है इस तरह की लापरवाही पर पंचायत विभाग क्या कठोर कार्यवाही करता है।

> रात में खाना खाकर पंचायत भवन की तरफटहल रहा था, तो देखा कि पंचायत भवन का दरवाजा खुला है, लाईट जल रहा है। अंदर जाकर देखा तो सचिव के कुर्सी पर सरपंच पति मोती बांधे बैठा था और चपरासी रवि खुटेल सचिव के द्वारा कोरा प्रस्ताव पंजी में हस्ताक्षर कर छोड़ा था, जिसमें चपरासी के द्वारा फर्जी तरीके से लिखा जा रहा था, जिसकी फोन पर छुरिया जनपद सीईओ सर को अवगत कराया हूं। इस प्रकार की फर्जी कार्य करने वालों के ऊपर उचित कठोर कार्यवाही होना चाहिए।
>
> **राम कुमार नेताम,** उपसरपंच-रानीतलाब

> मुझे सचिव ने फोनकर कहा कि तीन पंचायत प्रस्ताव में हस्ताक्षर कर दिया हूं, जो सरपंच पति कहे उसके हिसाब से लिखकर दे देना, जिस पर मैं हस्ताक्षर हुए कोरा पंचायत प्रस्ताव में सचिव के कहने पर लिखा हूं।
>
> **रवि कुमार खुटेल,** चपरासी-ग्राम पंचायत रानीतलाब

न्यूज गैलरी

महिला जन-धन खातों में आज से जमा होगी राशि

महासमुंद। लीड बैंक अधिकारी अरूण मिश्रा से प्राप्त जानकारी के अनुसार कोरोना वायरस के विश्वव्यापी आपदा से उत्पन्न संकट में राहत के लिए भारत सरकार के घोषणा के अनुरूप राज्य की महिलाओं के प्रधानमंत्री जन धन योजनान्तर्गत खोले गए समस्त खातो में तीन माह तक प्रति माह 500 रुपए जमा होना प्रारंभ हो जाएगा। इसकी प्रथम किस्त कल 03 अप्रैल को जमा की जायेगी खातों में राशि जमा होने का क्रम खाता संख्या के अंतिम अंक के हिसाब से होगा। जिसमें राशि जमा होने की तारीख 03 अप्रैल खाता की अंतिम अंक 0 और 1, राशि जमा होने की तारीख 04 अप्रैल खाता की अंतिम अंक 2 और 3, राशि जमा होने की तारीख 07 अप्रैल खाता की अंतिम अंक 4 और 5, राशि जमा होने की तारीख 08 अप्रैल खाता की अंतिम अंक 6 और 7, और राशि जमा होने की तारीख 09 अप्रैल खाता की अंतिम अंक 8 और 9 हैं। महिला पीएमजेडीवाई खाते से रुपए निकालने के लिए महिलाओं को अलग-अलग दिनों में खाता संख्या में अंतिम अंक के हिसाब से बैंक, एटीएम, बी सी केन्द्रों जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि खातों से राशि ग्राहक सेवा केंद्र (बीसी) अथवा एटीएम से, रुपेकार्ड द्वारा भी निकाली जा सकती है। बी सी केंद्र प्रातः 7 बजे से सायं 7 बजे तक खुले रहेंगे एवं बैक की शाखाएं अपने नियमित समय पर कार्यरत रहेंगी। यह राशि निर्धारित तारीख के बाद कभी भी निकाली जा सकती है। अन्य समस्त योजनाओं के लाभार्थी 09 अप्रैल के बाद कभी भी बैंक / एटीम / बी सी के माध्यम से राशि निकाल सकते हैं।

प्रधानमंत्री राहत कोष में दी एक लाख की सहायता राशि

महासमुंद। चोपड़ा ट्रांसपोर्ट के संचालक किशोर चोपड़ा ने कोरोना वायरस को लेकर देशभर में चल रही अफरा-तफरी एवं संकट को देखते हुए प्रधानमंत्री राहत कोष में एक लाख रुपए सहयोग किया है। चोपड़ा ने बताया कि लाकडाउन के कारण देश में संकट के बादल छाए हुए हैं। हालांकि लाकडाउन जरूरी है। लेकिन, देशभर के गरीब मजदूरों की स्थिति दयनीय है। सरकार लगातार उन्हें सहयोग कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विभिन्न माध्यमों से लोगों से सहयोग की अपील कर रहे हैं उसे देखकर अपने शहर में प्रत्यक्ष एवं देश के कोष में सहयोग का विचार चोपड़ा परिवार के मन में आया। इसके लिए एक लाख की सामग्री शहर के गरीबों में बांटी जाएगी एवं एक लाख रुपए किशोर चोपड़ा एवं दस हजार आदित्य पींचा द्वारा प्रधानमंत्री राहत कोष में दिया गया। चोपड़ा ने बताया कि आवश्यकता पडने़ पर अधिक राशि का भी इंतजाम किया जा सकता है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन द्वारा मास्क वितरित

महासमुंद। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन द्वारा नगर में पांच हजार से अधिक मास्क का मुफ्त वितरण किया गया। वार्डो के पार्षदों के अलावा गणमान्य नागरिकों के सहयोग से नगर के घरों में मास्क वितरण किया गया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्ताधिकारी संगठन के पदाधिकारी नारायण नामदेव, शेष नारायण नामदेव ने बताया कि वे स्वयं तथा अपने कारीगरों के माध्यम से घरों में मास्क तैयार करा रहे हैं। जिन्हें मास्क की जरूरत हो वे उनसे संपर्क कर सकते हैं। नामदेव ने कहा कि वे यथासंभव मास्क वितरण करेंगे।

शराब के साथ ससुर-दामाद और एक अन्य गिरफ्तार

महासमुंद। पिथौरा पुलिस ने ग्राम सुखीपाली में महुआ शराब बेचने के आरोप में ससुर, दामाद व एक अन्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम सुखीपाली में रोहित बुड़ेक तथा उनका दामाद अशोक भोई और एक अन्य युवक दुतो बरिहा तीनों मिलकर गांव के नहरपारा में महुआ शराब बेचने ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। सूचना मिलते ही टीम ने गांव पहुंचकर तीन व्यक्ति से 20 लीटर महुआ शराब जब्त कर आरोपियों को पकड़ा।

उज्ज्वला ग्राहकों को अप्रैल, मई और जून में मुफ्त गैस सिलेंडर

महासमुंद। कोरोना संकट और लॉकडाउन के बीच प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के उपभोक्ताओं को अप्रैल-मई और जून में मुफ्त सिलेंडर दिया जाएगा। जिला नोडल अधिकारी सुशील कुमार मुराठीया ने बताया कि महासमुंद जिले में उज्जवला योजना के 177829 ग्राहक हैं। उन्होंने बताया कि उज्ज्वला लाभार्थियों के लिंक किए गए बैंक खाते में अप्रैल 2020 की रिफिल लागत का पूर्ण मूल्य अग्रिम रूप से हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया है।

बेलोरा के कमार डेरा जंगल में मिला 10 क्विंटल महुआ पास

- शराब बनाने के बर्तन भी मिले
- मगरलोड पुलिस, महिला कमांडो व महिलाओं ने की छापेमारी कार्यवाही

मगरलोड(धमतरी)। लॉक डाउन की बजह से सभी शराब दुकाने बंद है। जिसके चलते ग्रामीण अंचल के आदिवासी कमार डेरा में महुआ शराब की खूब बिक्री की शिकायत मिल रही थी। महुआ शराब प्रेमियों की भीड़ सुबह से ही कमार डेरा में रहती है। गुरूवार को मगरलोड पुलिस टीम ने पुलिस अधीक्षक बीपी राजभानू ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा

ठाकुर रावटे एवं एसडीपीओ कुरूद के निर्देशन में व ग्राम बेलोरा के 20 सदस्य महिला कमांडो की महिलाओं के साथ मिलकर जंगल मे छापेमारी कार्यवाही की। जिसमें कमार डेरा के जंगल की नहर के पास 10 क्विंटल महुआ पास तथा महुआ शराब बनाने की बर्तन जिमसें 8 नग टीन, 7 नग बड़े ड्रम, 10 नग छोटे ड्रम को लावारिस स्थिति में मिला। पुलिस ने महुआ पास को नष्ट किया और बर्तनों को थाना में लाया गया।छापेमारी कार्यवाही में एसआई सुभाष लाल, प्रधान आरक्षक जामवंत देशमुख, आरक्षक गांधी राम सोनकर, परमानंद साहू, सूर्यकांत भारती, अमरलता लाकड़ा आदि शामिल रहे।

विदेश से आए 12 कोरोना संदिग्धों में सभी के आसपास 50 परिवारों का हुआ सर्वे

नवप्रदेश संवाददाता

महासमुंद। शासन स्तर से मिली सूची के अनुसार जिले के बारह ऐसे व्यक्तियों को चिन्हांकित किया गया है, जिनके अद्यतन परिवहन मार्ग के तार कहीं न कहीं देश के बाहर हुई यात्राओं से जुड़े हैं। कोरोना वायरस संक्रमण के फैलाव को नियंत्रित रखने के लिए सभी को संदेहास्पद परिस्थितियों में होम आइसोलेशन पर रखा गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एसपी वारे ने बताया कि जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से मिले इन सभी संदिग्ध प्रकरणों की निगरानी सहित इनके आपसपास के रहवासियों की सुध भी ली जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 अप्रैल को संदिग्ध व्यक्तियों के निवास स्थान के इर्द-गिर्द के 50-50 परिवारों से भी पूछताछ की गई। बताया जा रहा है कि अब तक इनमें संक्रमण संबंधी लक्षण नहीं मिले हैं। बहरहाल, विभाग को विदेश एवं अन्य राज्यों की यात्रा कर लौटे लोगों की सूचनाएं लगातार मिल रही हैं। जिनके लिए तैनात अमला निगरानी और पूछ-परख के साथ-साथ संक्रमण से बचने के उपाय बतलाकर जागरूकता लाने का प्रयास भी कर रहा है।

स्वास्थ्यकर्मियों की समस्याओं का निराकरण

इस दौरान वस्तुस्थिति का जायजा लेने के लिए निकले जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार ने तत्संबंध में क्रमशः नयापारा के हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर एवं जीएनएम नर्सिंग इन्स्टीट्यूट में बनाए गए क्वारंटीन केंद्र में मौजूद स्वास्थ्य विभाग के अमले व मौके पर जानकारी अंकन करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों से जनकारी ली। कुछ कार्यकर्ताओं ने परामर्श प्रदाय करने के दौरान मौके पर जन-सामान्य से अपेक्षित सहयोग न मिलने की समस्या बताई। जिस पर उन्हें विभागीय समन्वय बना कर चलने की सलाह दी गई। साथ ही आवश्यकता पडने़ पर विधिवत शासकीय वाहन की उपलब्धता सुनिश्चित कर निराकरण की व्यवस्था की गई।

स्व-सहायता समूह की महिलाएं कर रही मास्क वितरण

कवर्धा। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के चलते देश और छत्तीसगढ़ को 14 अप्रैल तक लॉकडाउन कर दिया गया है. प्रदेश के मुख्यमंत्री घर से नहीं निकलने की हिदायत दी है साथ ही कोरोना वायरस से बचाव के लिए सभी को मास्क एवं दस्ताना पहनने की अपील की है वही इस आपदा से निपटने के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष में ज्यादा से ज्यादा मदद करने की अपील की है। इसी बीच प्रदेश भर से लोग बड़ी संख्या में आर्थिक मदद करने शुरू कर दिए है। वही सोना महिला स्व - सहायता समूह खैलटुकरी कुंडा सेक्टर की महिला टीम ने खुद के

लागत से कुंडा क्षेत्र के गांवों में गरीब रोजी मजदूरी करने वाले को राशन सामग्री एवं मास्क वितरण कर लोगो को कोरोना वायरस से लड़ने के लिए जागरूक कर रही है। इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का ख्याल भी रखा गया महिला समूह की टीम कूड़ा क्षेत्र में वरदान साबित हो रही है। कोरोना से बचने के लिए यहाँ के मेडिकलो में मास्क और सेनिटाइजर की मांग बढ़ गई है और ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्र के मेडिकलो में मास्क और सेनिटाइजर नही मिल रहे है जिसके कारण से लोगो को चिंता सता रही है। वही मास्क नही मिलने से सोना महिला स्व-सहायता समूह खैलटुकरी कुंडा क्षेत्र के महिलाओं की टीम ने हर बार की तरह इस बार भी खुद के पैसे से हर दिन हजारों की संख्या में मास्क वितरण कर रहे है साथ ही सभी लोगो को अपने अपने घरों में सुरक्षित रहने की अपील कर रहे है।

महिला समूह के अध्यक्ष प्रीति सिंह ने बताया कि कुंडा क्षेत्र ग्रामीण इलाका है ऐसे में गिनती के ही मेडिकल है और मेडिकलो में कोरोना से बचाव के लिए मास्क नही मिल रहे है।

सीएमएचओ से अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने वाले के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

धमतरी। कोविद-19 कोरोना वायरस के संभावित संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए देश भर में गत 25 मार्च से तालाबंदी प्रभावी है, साथ ही प्रशासनिक नियंत्रण के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री रजत बंसल ने जिले में धारा 144 लागू कर दी है। उनके द्वारा जिलावासियों से सतत् सहयोग की अपील की जा रही है। उल्लेखनीय है कि प्रवास कर बाहर से आए लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए क्वारंटाइन सेंटर में रखा जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मनीषा ठाकुर ने बताया कि इसी दौरान धमतरी निवासी श्री देशांत लोढ़ा के द्वारा जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री डीके तुर्रे से क्वॉरंटाइन में रखे गए अपने परिजन को छोड़ने की बात करते हुए अमर्यादित भाषा का प्रयोग गया। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रशासन से सहयोग करने के अनुरोध के बाद भी श्री लोढ़ा ने प्रोटोकॉल के आदेशों की अवहेलना की, जिनके विरूद्ध थाना सिटी कोतवाली धमतरी में लिखित शिकायत की गई।

जिले के महापौर और कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने दवा आवश्यक छिड़काव को लेकर दिया सुझाव

धमतरी। आज दिनांक 03/04/2020 को महापौर विजय देवांगन, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शरद लोहाना, पूर्व जिला अध्यक्ष मोहन लालवानी द्वारा शहर में सैनिटाइजर दवाई का छिड़काव का निरीक्षण किया गया कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिया गया। साथ ही शहर के नागरिकों से अपील की जाती है कि किसी-किसी वार्ड में कुछ जगह पर यदि सैनिटाइजर होना शेष रह गया है सेनीटाइजर दवाई का छिड़काव नहीं हुआ है कृपया वे अपने अपने वार्डों के पार्षद को जरूर इस संबंध में जानकारी देने का कष्ट करेंगे ताकि शेष जगह पर भी छिड़काव किया जा सके।

दिलराज प्रभाकर ने की मुख्यमंत्री सहायता कोष में 1 माह की सैलरी देने की घोषणा

कवर्धा नवप्रदेश। पूरा देष आज कोरोना जैसे महामारी बिमारी से जुझ रहा है। इस महामारी से आमजन को बचाने भारत में लॉकडाउन भी किया जा चुका है। वहीं राज्य सरकार सहित समाजसेवी सस्थांन व आमजन भी ऐसी स्थिति में एक दूसरे की मद्द भी कर रहे है। कोई गरीबो को राषन दे रहा है तो कोई मास्क का वितरण कर रहा है। सुरक्षा को लेकर लगे पुलिस जवान भी आमजनो का सहयोग करते हुए पषुओ का भी ध्यान रख रहे है राज्य सरकार और जिला प्रषासन ने जहां कोरोना पीडितो के लिए जहां मुख्यमंत्री सहायता कोष व कवर्धा जिले से जिला प्रषासन की ओर से कोविड-19 मेटिगेषन फंड बनाया गया है। जिसमें लोग आज आर्थिक सहयोग कर सके। इसके साथ ही लोग अब सहयोग भी करने लगे है। सभी ने अपनी क्षमता के अनुसार इस मद में राषि भी जमा की है। कवर्धा वन विभाग के द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष व कोविड-19 मेटिगेषन फंड में भी सभी कर्मचारियो के 1 दिन की राषि जमा कराई जाएगी।

मनोरोग उपचार संस्थान बिलासपुर में दो विक्षिप्त महिलाओं को किया गया दाखिल

नगरी। वर्तमान में कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण की रोकथाम के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक महोदय बीपी राजभानु के निर्देशन में वयापक पेट्रोलिंग कार्य जारी है ऐसे समय मे ग्राम साकरा से सूचना मिली कि दो विक्षिप्त महिलाएं गांव में घूम कर गली गलौच करते हुए आस पास के लोगों से मारपीट कर रही है! सूचना मिलते ही संवेदनशीलता का परिचय देते हुए राजभानु पुलिस अधीक्षक ने आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा ठाकुर रावटे उप पुलिस अधीक्षक अजाक सारिका वैद्य एवं उषा ठाकुर के मार्गदर्शन में दिनांक 01/04/2020 को थाना सिहावा के थाना प्रभारी संतोष

मिश्रा ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सहायक उप निरीक्षक गेंद लाल साहू के साथ आरक्षक अलीमुद्दीन खान, महिला आरक्षक माहेश्वरी सिदार, सांकरा ग्राम के 2 वार्ड पंच देवबती साहू, राम बाई साहू और सखी सेन्टर से हीना कौशर के साथ सांकरा क्षेत्र में भटकती हुई।

दो विक्षिप्त महिलाएं- 1श्रीमती डिगेश्वरी शांडिल्य पति लकेश्वर शांडिल्य निवासी भीतरास एवं 2.चमेली साहू पति छोटे लाल साहू निवासी मैनपुर को जिला चिकित्सालय धमतरी ले जाकर प्राथमिक इलाज करवाया गया एवं माननीय न्यायालय से अनुमति प्राप्त कर उक्त दोनों महिलाओं को समुचित इलाज हेतु सुरक्षित तरीके से उच्च संस्थान राज्य मनोरोग चिकित्सालय बिलासपुर ले जाकर भर्ती कराया गया है।

विधायक चंद्राकर ने दिखाई दरियादिली, 30 लाख का राशन सामग्री वितरण के लिए भेजा

धमतरी। देश से कोरोना महामारी को हराने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगो से मदद का आव्हान किया है.वही लॉक डाउन से गरीब और मजदूर वर्ग के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हुए है.जिसके चलते कुरुद क्षेत्र के विधायक अजय चंद्राकर अपने जनता के दुःख दर्द को समझते हुए लगभग 2000 गरीब असहाय परिवारों को खाद्य/राशन सामाग्री जिसमें 20 दिन के लिये 5 सदस्यों के लिए आटा 5 किलो, दाल 4 किलो, तेल 1किलो, नमक 1 किलो, शक्कर 1किलो, हल्दी पाउडर 200ग्राम, धनिया पाउडर, मिर्च पाउडर, 200 ग्राम, एक मसाला पैकेट, हेंडवास साबुन 2 नग, कपड़े धोने का साबुन 5 नग, नहाने का साबुन 5 नग, सोयाबीन बड़ी 2 किलो, चना 1किलो का पैकेट बनाकर प्रत्येक परिवार को देने आज विधानसभा के चारों मंडलों में ट्रक भरकर भाजपा के वरिष्ठजनों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा दिखाकर रवाना किया गया।

सहयोग | बेजुबान मवेशियों की मदद हेतु आगे आने की अपील

विधायक ने मवेशियों के लिए की चारे की व्यवस्था

महासमुंद। एक तरफ जहां कोरोना के संक्रमण के खतरे से लॉकडाउन है और लोग घरों में कैद हैं। ऐसे में विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर समाजसेवा की अपनी जिम्मेदारी को निभाते हुए न केवल जरूरतमंदों तक राशन सामान व भोजन सामग्री मुहैया करा रहे हैं बल्कि बेजुबान मवेशियों की भी सुध ले रहे हैं। गुरुवार को विधायक श्री चंद्राकर ने तपती दोपहरी में शहर के कई स्थानों में बेजुबानों के लिए चारे की व्यवस्था की।

जरूरतमंदों की सहायता के लिए विधायक श्री चंद्राकर द्वारा मुहिम चलाया जा रहा है। इस मुहिम के तहत जरूरतमंदों को राशन सामान व भोजन के पैकेट वितरित किए जा रहे हैं। इसके अलावा बेजुबान मवेशियों के लिए अतिरिक्त भोजन की व्यवस्था भी कर रहे हैं। गुरूवार को विधायक श्री चंद्राकर ने पशु चिकित्सा विभाग के उपसंचालक श्री झारिया व पशु चिकित्सक श्री चंद्राकर के साथ शहर के दादाबाड़ा से बीटीआई तक कई स्थानों पर मवेशियों के लिए चारे की व्यवस्था की। इस दौरान कुछ युवाओं ने विधायक श्री चंद्राकर को बताया कि उनके द्वारा भी कुछ स्थानों पर मवेशियों के चारे की व्यवस्था की जा रही है। जिस पर विधायक ने युवाओं की तारीफकरते हुए कहा कि बेजुबान जानवरों पर लॉकडाउन में टूटी आफत में उनका सहारा बनने के लिए लोगों को आगे आना चाहिए। उन्होंने शहरवासियों से अपने आसपास घूमने वाले इन बेजुबानों को खाना खिलाकर पुण्य कमाने की बात कही।

सब्जी बाजार में किया मास्क वितरण

विधायक श्री चंद्राकर ने बीटीआई रोड स्थित जिला शिक्षा कार्यालय के मैदान में सब्जी बाजार लगाने वाले लोगों को मास्क वितरण किया। यहां विधायक श्री चंद्राकर मवेशियों के लिए चारा की व्यवस्था करने पहुंचे थे। तभी उनकी नजर सब्जी पसरा लगाने वालों पर पड़ी। कई लोग बिना मास्क लगाए ही सब्जी बेच रहे थे। जिस पर उन्होंने यहां लोगों को मास्क वितरण कर कोरोना के संक्रमण से बचने सलाह देते हुए सुरक्षित रहने की अपील की।

कोरोना संक्रमित छात्र के संपर्क में आने वाले 28 लोगों की पहचान

- **25 लोगों के सेम्पल जांच के लिए भेजे गये, 24 की जांच रिपोर्ट निगेटिव**
- **छात्र का ईलाज एम्स में जारी, स्वास्थ्य में सुधार की रिपोर्ट**

कोरबा। रामसागर पारा में रहने वाले लंदन रिटर्न छात्र के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की रिपोर्ट आने के बाद से ही जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर है। छात्र को दो दिन पहले ही ईलाज के लिए रायपुर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में दाखिल कराया जा चुका है। कलेक्टर श्रीमती किरण कौशल ने संक्रमित छात्र के सम्पर्क में आने वाले लोगों की जल्द से जल्द पहचान के लिए स्वयं मोर्चा संभाल लिया है। कलेक्टर द्वारा बनाई गई टीमों ने पिछले दो दिनों में ही संक्रमित छात्र के संपर्क में आने वाले 28 लोगों की पहचान कर ली है। इसमें छात्र के चार पारिवारिक सदस्य और घर में काम करने वाले सात कामगार भी शामिल हैं। इसके साथ ही छात्र के तीन दोस्तों को भी ट्रेस किया गया है। अकलतरा से लेकर कोरबा तक आने वाले ड्राईवर के साथ-साथ छात्र के रायपुर स्थित रिश्तेदारों और रायपुर के आफिस में काम करने वाले 14 लोगों की पहचान भी कर ली गई है। इन सभी को एतिहातन तत्काल आइसोलेशन में रखा गया है। इनमें से अब तक 25 लोगों के गले और नाक के स्वाब के सेम्पल लेकर एम्स रायपुर जांच के लिए भेजे गये हैं और 24 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव प्राप्त हुई है। अकलतरा से कोरबा तक संक्रमित छात्र को लेकर आने वाले वाहन चालक की जांच रिपोर्ट अभी नहीं मिली है।

चौबीस लोगों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद भी सभी अगले 14 दिनों तक होम आईसोलेशन में रखने के निर्देश दिए गये हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार इनके स्वास्थ्य की जांच कर रही है। सभी लोगों को सर्दी, खांसी, बुखार, श्वास लेने में तकलीफ जैसी परेशानी होने पर तत्काल सूचित करने के लिए भी कहा गया है। संक्रमित छात्र के संपर्क में आने वाले उसके तीन दोस्तों को भी कोरबा में होम आईसोलेशन में रखा गया है। इन सभी को घर से किसी भी स्थिति में बाहर नहीं निकलने की हिदायत दी गई है। स्वास्थ्य विभाग के दिशा निर्देशों के आधार पर यह तीनों दोस्त अभी सबसे लो रिस्क पर हैं। तीनों दोस्तों को कोरोना संक्रमण से संबंधित किसी भी प्रारंभिक लक्षण के उभरने पर तत्काल स्वास्थ्य विभाग को सूचित करने कहा गया है।

न्यूज गैलरी

मासूम ने किया मुख्यमंत्री सहायता कोष में 741 रूपये दान

कांकेर। नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं, इसके लिए जिले मे धारा-144(1) लागू की गई है, साथ ही लॉकडाउन भी किया गया है। ऐसे आपात स्थिति में जरूरतमंद लोगों के लिए मदद करने छोटे-बड़े सभी लोग सामने आ रहें हैं। शहर के भण्डारीपारा निवासी तोषण पटेल की चार वर्षीय पुत्री कुमारी खिंजल पटेल ने भी अपने माता-पिता द्वारा दिये गये पैसे को गुल्लक में डालकर 741 रूपये जमा किया था, जिसे उन्होंने मुख्यमंत्री सहायता कोष के लिए कलेक्टर श्री के.एल. चौहान को आज सौंपा। इस दौरान विधायक श्री शिशुपाल शोरी, बस्तर विकास प्राधिकरण के सदस्य बिरेश ठाकुर एवं चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष दिलीप खटवानी एवं कांकेर शहर के विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के संचालक व प्रतिनिधिगण भी मौजूद थे।

कलेक्टर ने ली समाज सेवी एवं स्वयंसेवी संगठनों की बैठक

कांकेर। नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं नियंत्रण तथा जरूरतमंदों की मदद के लिए जिला प्रशासन एवं स्वयंसेवी संगठनों द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं, इस संबंध में जिला कार्यालय में आज कलेक्टर श्री के.एल. चौहान की अध्यक्षता एवं विधायक श्री शिशुपाल शोरी की विशेष उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओं एवं नगर के समाजसेवियों से अनुरोध करते हुए कहा कि जिला प्रशासन के माध्यम से ही जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए दान किया जावे, जिससे दुहराव नहीं होगा और जरूरतमंद लोगों को ही खाद्य समग्री का वितरण सुनिश्चित होगा। खाद्य समग्री वितरण के समय प्रशासन के अधिकारी कर्मचारियों के साथ स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रह सकते हैं और वे अपने करकमलों से समग्री का वितरण कर सकते है। कलेक्टर श्री चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद्य समग्री उपलब्ध है तथा जरूरतमंद लोगों को लगातार सहायता उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केन्दों के बच्चो, गर्भवती व शिशुवती माताओं, कुपोषित बच्चों एवं एनिमिक महिलाओं को सूखा खाद्य सामग्री घर-घर जा कर पहुंचाया जा रहा है। इसी प्रकार स्कूली बच्चों को भी मध्यान्ह भोजन का सूखा राशन 03 एवं 04 अप्रैल को वितरित की जाएगी। जिले के सभी ग्राम पंचायतों में 02 क्विंटल चांवल और 50 किलो दाल की सतत व्यवस्था की गई है ताकि कोई भी व्यक्ति भूखा न रहें।

कोरोना पीड़ितों के लिए पूर्व मछुवा बोर्ड अध्यक्ष ने पीएम फंड में दिए 21 हजार

काँकेर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य और पूर्व मछुवा कल्याण बोर्ड अध्यक्ष भरत मटियारा ने 02 अप्रैल को कोरोना वायरस से बचाव एवं राहत के लिए देश के प्रधानमंत्री की अपील किया के बाद पीएम केयर्स खाता खोला है। जिसमे लोगों से सहायता की अपील की है।उस सहायता कोष मे भरत मटियारा ने जिला केन्द्रीय बैंक के माध्यम से इक्कीस हजार (21000/-) रूपये जमा कर कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए दिया है।

जरूरतमंदों की खोज खबर लेने बस्तियों में पहुंच रहे महापौर, आयुक्त

कोरबा । महापौर राजकिशोर प्रसाद एवं आयुक्त राहुल देव, अपर आयुक्त अशोक शर्मा के साथ जरूरतमंदों का हाल जानने बस्तियों का भ्रमण कर रहे हैं, स्लम बस्तियों में पहुंचकर लोगों से वास्तविक जरूरतमंदों की जानकारी ले रहे हैं तथा ऐसे व्यक्ति जिनके पास राशन कार्ड नहीं है, राशन नहीं है व राशन के लिए पैसे नहीं हैं, उन्हें तत्काल निःशुल्क राशन सामग्री मुहैया कराने अधिकारियों को निर्देश दे रहे हैं। इसके साथ ही भिक्षुक, अशक्त, बेसहारा या ऐसा व्यक्ति जो असहाय है तथा भोजन नहीं बना सकता, उसे बना हुआ भोजन देने हेतु निर्देशित कर रहे हैं। नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव व नियंत्रण हेतु लागू किए गए लाकडाउन के दौरान कोरबा क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे, इस पर जिला प्रशासन व निगम प्रशासन की संवेदनशीलता काबिले तारीफहै।

प्रत्येक महिला जन-धन खातों में तीन माह तक 500-500 रुपये होंगे जमा

- **बैंक शाखाओं, एटीएम एवं ग्राहक सेवा केंद्र से हितग्राही प्राप्त कर सकेंगे भुगतान**
- **खाते के अंतिम नंबर के अनुसार जमा कराई जावेगी राशि**

नवप्रदेश संवाददाता

कोण्डागांव। कोरोना वायरस के संक्रमण के विश्वव्यापी विस्तार के कारण उत्पन्न आपात स्थिति में केंद्र सरकार ने आम जन को राहत पहुंचाने के लिए राज्य के प्रत्येक महिला जन-धन खातों में आगामी 3 महीनों तक प्रत्येक माह 5 सौ रुपये जमा कराया जावेगा। विदित हो कि विगत दिनों देशव्यापी लॉक डाउन के निर्णय के उपरांत केंद्र सरकार ने गरीब जरूरतमन्द परिवारों को राहत दिलाने के लिए विभिन्न राहत कार्यों की घोषणा की थी। जिस पर अमलीजामा पहनाते हुए केंद्र सरकार ने जनधन खातों में राशि वितरण का निर्णय लिया। इसकी पहली किस्त 3 अप्रैल को जमा होनी है। खातों में राशि उनके खातों के अंकों के अंतिम अंकों के क्रम के अनुसारजमा की जाएगी।

जिसके अनुसार जनधन खाता धारक महिला हितग्राही जिनके खाता के अंतिम नंबर 0 से 1 है वे 3 अप्रैल को, अंत में जिनके 2 से 3 तक है 4 अप्रैल को, 4 से 5 तक 7 अप्रैल को, 6 से 7 तक 8 अप्रैल को और 8 से 9 अंको वाले खातों में 9 अप्रैल को राशि जमा होगी तथा हितग्राहियों से अपील की गई है कि हितग्राही अपनी खाता संख्या के अनुसार उपरोक्त तिथियों पर आहरण करें ताकि बैंकों एवं एटीएम पर अतिरिक्त भीड़ जमा ना हो।उल्लेखनीय है कि हितग्राही खातों से आहरण ग्राहक सेवा केंद्र, व्यावसायिक करस्पोंडेंट, एटीएम एवं बैंक शाखा द्वारा कर सकेंगे। इस हेतु समस्त व्यवसायिक कोरोस्पोंडेंट प्रातः 7 से सायं 7 बजे तक खुले रहेंगे और बैंक शाखाएँ अपने नियमित समय पर संचालित होंगी साथ ही ग्राहकों से अपील करते हुए कहा गया है कि ग्राहक अधिक से अधिक आहरण एटीएम मशीन से रु-पे कार्ड की मदद से करें एवं सोशल डिस्टेंसिग का पालन एटीएम , बैंक शाखाओं, बी सी केंद्रों में करें। यह राशि जमा किये जाने के उपरांत 09 अप्रैल के पश्चात भी हितग्राही द्वारा कभी भी आहरित की जा सकती है।

विदेशों एवं अन्य राज्यों से आये लोग प्रशासन को दें सूचना : कलेक्टर

- **आमजन समीपस्थ स्वास्थ्य केन्द्र या थाने पर दे सकते हैं सूचना**

कोण्डागांव। कोरोना वायरस के संक्रमण से रोकथाम एवं बचाव हेतु निरन्तर शासन एवं प्रशासन कार्यरत है। जिसके लिए कोर कमेटी की बैठक आज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोण्डागांव में कलेक्टर नीलकण्ठ टीकाम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होंने जिले में विदेशों एवं विभिन्न राज्यों से आये लोगो को होम आइसोलेशन में रखने को कहा साथ ही अन्य ऐसे लोग जो 01 मार्च के पश्चात विदेशों या अन्य प्रदेशों से आए हैं उन्हें जल्द से जल्द अपनी सूचना प्रशासन को देने की अपील की और कहा

कि निर्देश के उल्लंघन कर यदि कोई व्यक्ति बिना प्रशासन को सूचना दिए घर पर रह रहें हैं ।ऐसे लोगो पर सख्त कार्यवाही प्रशासन द्वारा की जावेगी। उक्त सूचना समीपस्थ स्वास्थ्य केन्द्र या थाने में अथवा जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष (नंबर 9479191290) पर भी जानकारी दी जा सकती है। मौके पर कलेक्टर ने आम जन से भी अपील किया किया है कि वे ऐसे किसी भी व्यक्ति के बारे में यदि ज्ञात हो तो कंट्रोल रूम (नंबर 9479191290) या है कोरोना हेल्प डेस्क नंबर (07786-242180) पर सूचित करें।

इस दौरान उन्होंने जिले के सभी 1350 होम आइसोलेशन में रखे हुए लोगों के विषय मे मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी वीरेन्द्र ठाकुर से जानकारी ली साथ ही जिले के बीपीएल परिवारों को की जा रही राशन वितरण के संबंध में जायजा लिया।

सहअस्तित्व मानव सेवा संस्थान ने जरूरतमंदों के लिए निगम को दिया राशन किट

कोरबा। कोरोना वायरस के कारण देश मे जो आपदा आई हैं उससे निपटने के लिए सब अपने अपने स्तर पर अपने क्षेत्र के लोगो के लिये सेवाभावी कार्य करने में जुटे हुये हैं वही एनकेएच ग्रूप हॉस्पिटल द्वारा संचालित संस्था सह अस्तित्व मानव सेवा संस्थान जिसने खुले दिल से लोगो को राहत पहुंचाने का संकल्प लेते हुये आज संस्थान के अध्यक्ष मनोहर लाल गंगवानी ने लॉक डाउन से प्रभावित जरूरतमंद परिवारो के लिये राशन किट नगर पालिक निगम कोरबा के आयुक्त राहुल देव को सौपा. इस अवसर पर अपर आयुक्त अशोक शर्मा सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे. निगम द्वारा इन राशन किट का वितरण जरूरत के मुताबिक निगम के विभिन्न वार्डो में किया जाएगा.

सह अस्तित्व मानव सेवा संस्थान के अध्यक्ष मनोहर गंगवानी ने बताया लॉक डाउन के कारण रोजी-मजदूरी कर जीवन-यापन करने वाले परिवारों सहित गरीब तबके के लोगों की मदद के लिए अब सह अस्तित्व मानव सेवा संस्थान अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करने कटिबद्ध है। संस्था के अध्यक्ष गंगवानी ने बताया कि बांटे जा रहे राशन किट में खाद्यान्न सामग्रियां हैं। आगे भी संस्था अपनी सेवा सतत रूप से जारी रखेगी। साथ ही उन्होंने कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव को लेकर आमजनों से अपील करते हुए कहा कि सभी लॉक डाउन का पालन करें। राशन किट नगर पालिक निगम को सौंपा गया हैं वही आवश्यकता पड़ने पर हर संभव मदद देने की बात कही है।

डीएवी प्रिंसिपल और कुआकोंडा टीआई ने घर-घर दी दस्तक, कोविड-19 के संक्रमण से बचाव का व्यापक अभियान चलाया

दन्तेवाड़ा। कोरोना संक्रमण से बचाव को लेकर लॉक डाउन की भीष्म परिस्थिति के बीच भी पुलिस युद्ध स्तर पर डटी हुई है. कुआकोंडा टीआई सलीम खाखा और डीएवी स्कूल के प्राचार्य शर्मा ने मिलकर एक संयुक्त टीम बनाई है. जो स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों से लेकर ग्रामीणों के बीच घर-घर पहुँचकर इस महामारी से जागरूकता के उपाय लोगो को

समझाने में लगी हुई है. कोरोना संक्रमण के लक्षण उनके बचाव, सामाजिक दूरी की जानकारी ग्रामीणों को दी गयी। साथ ही ऐसे ग्रामीणों के हालचाल जानकर जिन्हें भोजन व्यवस्था में कमी या दिक्कत आ रही है ऐसे लोगो की सूची भी बनाई गई।

इतना ही नही हितावर में इस टीम ने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए सार्वजनिक रूप से मोबाइल नम्बर स्वास्थ्य विभाग और पुलिस थाने के ग्रामीणों को नोट कराये गये, ताकि दीगर प्रदेश या किसी पर ऐसे आंशिक लक्षण दिखते है तो तत्काल सूचना दी जा सके। डीएवी पब्लिक स्कूल की तरफ से सूखा राशन भी वितरण किया गया।

पंचायतों के खातों में 87 लाख 23 हजार से अधिक की राशि जारी

मुंगेली। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के मार्गदर्शन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमति नुपूर राशि पन्ना ने मूलभूत योजना के द्वितीय किशत के रूप में जिले के 350 ग्राम पंचायतों के खातो में 87 लाख 23 हजार से अधिक की राशि जारी की है। इनमे जनपद पंचायत मुंगेली के 124 पंचायतों के लिए 30 लाख 50 हजार, जनपद पंचायत लोरमी के 133 पंचायतों के लिए 34 लाख 3 हजार और जनपद पंचायत पथरिया के 93 पंचायतों के लिए 22 लाख 65 हजार से अधिक की रूपये के राशि शामिल है।

लॉकडाउन के दौरान जिले मे 11 हजार 437 गरीब, मजदूरों और निराश्रितों को मिल रहा है नि :शुल्क दो वक्त का भोजन

मुंगेली। राज्य शासन के निर्देश पर कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के मार्गदर्शन में लॉकडाउन के दौरान जिले के 11 हजार 437 गरीब, मजदूरों और निराश्रितों को निःशुल्क दो वक्त का भोजन मिल रहा है। इन लोगों को निःशुल्क भोजन जिला प्रशासन के सहयोग से सामाजिक संस्थाओं, समाज सेविओ और स्व सहायता समूह द्वारा दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि नोवेल कोरोना वायरस की संक्रमण से उत्पन्न लॉकडाउन की वजह से जरूरतमंद

गरीबों, मजदूरों, निराश्रितों और असहाय व्यक्तियों के समक्ष रोजी-रोटी की समस्या आ गई थी । इसे देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करते हुए निःशुल्क भोजन एवं राशन उपलब्ध कराये जाने की व्यवस्था की गई है। इस कार्य में स्थानीय स्वयं सेवी संस्थाओ और अन्य दाताओं द्वारा अपनी ओर से हर संभव सहयोग किया जा रहा है। इसी तरह अब तक 1265 श्रमिकों को निःशुल्क राशन, 210 मीटर सेनिटाइजर एवं 8563 लोगों को मास्क का निःशुल्क वितरण किया गया।

जिले में अवैध शराब का चलन जोरों पर

मुंगेली। जिले में अवैध शराब का चलन दिन दिनों जोरो पर है,, एक तरफजहां कोरोना वायरस के चलते पूरे प्रदेश में लाईसेंस शराब की दुकानें बंद रखा गया है ,, वही आज भी गाँव गाँव मे शराब का चलन बदस्तूर जारी है,, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार तीनो अनुभागो में धडल्ले से शराब की बिक्री बढ़ गई है।लॉक डाउन एवम जिले धारा 144 लागू होने के बाद भी मदिरा प्रेमी अधिक दर पर भी खरीदने को मजबूर हो रहे है, और शराब पीने गांव तक बड़ी संख्या में पहुच रहे है। लगा तार 10 दिनो तक जहां शराब दुकानो के बंद होने से देशी और अंग्रेजी नही मिल पाने के कारण मदिरा प्रेमी अब महुआ की तलाश में गांवो की तरफ रूख करने लगे है जिसके चलते महुआ शराब की बिक्री बडने लगी है, जिस पर आबकारी विभाग का कोई जोर अब तक नजर नही आया है, एक तरफ जहां शासन के द्वारा अवैध शराब की बिक्री पर लगाम कसने के निर्देश दिये गये है वही दिनो दिन शराब दुकाने बंद होने के बावजूद भी गांव गांव में शराब का चलन बदस्तुर जारी है,

ऐसे ही एक मामले में लालपुर थान क्षेत्र के अंर्तगत आने वाले ग्राम कंतेली के शराब दुकान में काम करने वाले कर्मचारी द्वारा शासकीय कागजात निकालने के बहाने शराब निकाला जा रहा था , जिसको गांव वालो ने पकडा, जिसके चलते ग्रामिणो में रोष व्याप्त था, ग्रामिणो द्वारा उक्त कर्मचारी को लगभग 10 बोतल देशी शराब के साथ लालपुर पुलिस के हवाले कर दिया गया , जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुए उनके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर गिरफ्तार कर लिया गया हैं ।

कटघोरा की दो मस्जिदों में 25 फरवरी और दो मार्च को आए 30 अन्य जमाती भी प्रशासन की निगरानी में

कोरबा। कटघोरा के पूछापारा की मक्का मस्जिद और पुरानी बस्ती की जामा मस्जिद में भी 30 मुस्लिम धर्मावलंबियों की पहचान प्रशासन ने की है। इनमें से मक्का मस्जिद पूछापारा में 14 लोग रूके हैं जोकि पिछली 25 फरवरी को कटघोरा पहुंचें हैं। इसी तरह कामठी महाराष्ट्र से 16 लोग दो मार्च को पुरानी बस्ती की जामा मस्जिद कटघोरा पहुंचें हैं। मक्का मस्जिद में रूके 14 लोगों में से 13 मुस्तफाबाद दिल्ली के रहवासी हैं जबकि एक झारखंड के गढ़वा जिले के मखातू का निवासी है। लगभग एक माह से अधिक समय पहले आये इन लोगों को भी प्रशासन ने एतिहातन मस्जिदों में ही आइसोलेशन में रखा है। जिला प्रशासन की मेडिकल टीम ने 29 मार्च को इनका स्वास्थ्य परीक्षण किया है और यह सभी लोग पूरी तरह से स्वस्थ्य हैं। इसी तरह कटघोरा की जामा मस्जिद में कामठी महाराष्ट्र के 16 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण दो बार 24 एवं 26 मार्च को मेडिकल टीम द्वारा किया जा चुका है। जिला प्रशासन द्वारा इन सभी लोगों पर कड़ी निगाह रखी जा रही है।

कई संगठन एवं बुद्धजीवियों द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष में दिया जा रहा दान

मुंगेली। नोवेल कोराना (कोविड-19) के वैश्विक संक्रमण को देखते हुए जिले के कई सामाजिक संगठनों,समाज सेविओं, स्व सहायता समूहों और बुद्धजीवियों द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष एवं जिला सहायता कोष के लिए मुक्त हस्त से सहायता दी जा रही है । अब जिले के किसानों द्वारा भी अपने दान शीलता का परिचय देते हुए लॉकडाउन के दौरान राशन, सब्जी, तेल, मसाला, से वंचित असहाय, निर्धन, भिखारी, निःशक्त, बेसहारा लोगों को राशन,

सब्जी, तेल, मसाला आदि मुक्त हस्त से दान दिये जा रहा है। इसी कड़ी में आज 67 किसानों द्वारा अपनी मेहनत से उपजाई गई 2176 किलो सब्जी प्रजाति के टमाटर, मिंच, धानिया, बरबट्टी, लौकी, आलू, प्याज, बैगन आदि को जिले के असहाय, निर्धन, भिखारी, निःशक्त, बेसहारा लोगों के लिए कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे को भेंट की गई ।

नोवेल कोराना (कोविड-19) के वैश्विक संक्रमण के चलते पुरे देश में लॉकडाउन की स्थिति बनी हुई है, प्रशासन द्वारा लोगो से बारा बार अपिल की जा रही है कि वो अतिआवश्यक होने पर ही घरों से निकले, ऐसे मे एक समाज का एक वर्ग जो रोज कमा कर अपना जीवन यापन करता आ रहा था, उनके लिए विकट परिस्थियां उत्पन्न होने लगी है, जिसके चलते उनकी विकट परिस्थियों पर विचार करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश जारी किया है कि प्रदेश में कोई भी परिवार भूखा न रहे।

बचेली उड़ीसा के तबलिगी जमात से आए हुए 12 लोगों को अपोलो अस्पताल में किया गया आइसोलेट

■ **नगर में अफ़्वाह फैल गयी थी कि 12 लोग दिल्ली तब्लीगी मरकज से आकर बचेली स्थित मस्जिद में रह रहे है।**

नवप्रदेश संवाददाता

बचेली । लौहनगरी में उस वक्त अचानक अफ्वाहों का बाजार गर्म हो गया जब लोगों पता चला की वार्ड क्रमांक 1 में मस्जिद में कुछ लोगो मौजूद होने खबर लगी। लोगो के मुताबिक बचेली वार्ड क्रमांक 1 में स्थित मस्जिद में वार्ड वासियों ने कुछ लोगों की होने की शिकायत की जिसके बाद स्थानीय पत्रकार पुलिस प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग मस्जिद का मुआयना करने गए।

जिसमें पाया गया कि उड़ीसा के (ब्रम्हबदरा) तबलिगी जमात के कुल 12 पुरुष सदस्य उस मरकज में रह रहे थे जिसके बाद उनके द्वारा 01 अप्रैल प्रशासन जानकारी दिए जाने वाले आवेदन को दिखाया गया। अपोलो अस्पताल डाक्टर एस एम हक द्वारा जांच कर उन्हें मस्जिद में आगामी तारीख तक रहने की सलाह दी गयी। परंतु इसके अगले दिन 2 अप्रैल को सोशल मीडिया में लोगो के बीच अफ्वाह फैल गयी कि शायद यह लोग दिल्ली से वर्तमान में तबलीकी मरकज जमात के आयोजन से आए हुए है। जिसके बाद प्रशासन द्वारा इस मामले की पूरी जांच की गई। जिसके बाद तहसीलदार पीआर

पात्र द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी करनी पड़ी।

तहसीलदार के मुताबिक इनके यहां होने की सूचना 01,04,2020 को दे दी गई थी सूचना बचेली जमात के सदस्य द्वारा वार्ड नंबर 1 में गोंडवाना भवन के पास रह रहे मोहम्मद यूनुस पिता मोहम्मद अब्दुल रहीम,अकबर द्वारा लिखित सूचना प्रशासन एवं अपोलो प्रबंधन को दे दी गई थी एवं इनका पुलिस वेरिफिक्रेशन 01 अप्रैल को करवाया गया एवं इन्हें होम कोरनटाइन में रहने की सलाह दी गई थी प्रशासन के मुताबिक यह लोग 6 मार्च को किरंदुल धार्मिक प्रचार हेतु आए थे। जिसके बाद 19 मार्च को यह लोग किरंदुल से बचेली आए क्योंकि इन्हें 22 मार्च को वापस उड़ीसा जाना था परंतु लॉक डाउन होने की वजह से ट्रेन सेवा बस सेवा बंद हो जाने से इन लोगों को यहीं पर रुकना पड़ा हीराखंड एक्सप्रेस की टिकट भी इनके पास से प्राप्त हुई जिसमें पता चलता है कि 6 मार्च को ये लोगों को हीराखंड एक्सप्रेस से किरंदुल के लिए आए थे। अफ्वाह फैलने के बाद वार्ड वासियो के विरोध के चलते आज इन लोगो को अपोलो अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में शिफ्ट किया गया है। वर्तमान में सभी की स्वास्थ्य जांच हो चुकी है सभी स्वस्थ है एवं सभी के पास संपूर्ण पता एवं आधार कार्ड उपलब्ध है एवं दिल्ली से तबलिकी मरकज से आने जैसी जो चीजें सोशल मीडिया में चल रही थी वह सिर्फ अफ्वाह है ऐसा कुछ भी नही है। तहसीलदार पीआर पात्र ने नगरवासियो से अपील की है कि कृपया अफ्वाह को ध्यान ना दें और अफ्वाहों को फैलने से रोके।

जरूरतमंदों के लिए विधायक ने स्वीकृत किये 11 लाख रूपये

कांकेर। नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं नियंत्रण तथा जरूरतमंदों की मदद के लिए कांकेर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री शिशुपाल शोरी ने 11 लाख रूपये स्वीकृत किये हैं, इससे संबंधित पत्र उन्होंने आज कलेक्टर श्री के.एल. चौहान को सौपते हुए कहा कि उक्त राशि से नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं नियंत्रण के लिए तथा जरूरतमंद लोगों के लिए आवश्यक सामग्री क्रय की जा सकती है। स्वीकृति पत्र सौंपते समय बस्तर विकास प्राधिकरण के सदस्य बिरेश ठाकुर एवं चेंबर ऑफकॉमर्स के अध्यक्ष दिलीप खटवानी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एल. उईके भी मौजूद थे।

बांस काटने पहाड़ पर गया था,भालू के हमले से घायल

■ **जिले से 21 किलोमीटर दूर पेद्दाकोरमा के मुनगा निवासी मुच्छाकी मासा भालू के हमले से घायल**

नवप्रदेश संवाददाता

बीजापुर। जिला मुख्यालय के 19 किलो मीटर दूर पेद्दाकोरमा से 2 कि.मी.दूर के मूनगा गांव की घटना बताई जा रही है। एक व्यक्ति सुबह बांस काटने पहाड़ पर जाने के दौरान भालू के हमले से दाहिने पैर पर चोट आने से घायल हुआ उक्त व्यक्ति का नाम मुच्छाकी मासा पिता नन्दा उम्र 35 साल बताया जा रहा है या घटना आज सुबह के 9:30 बजे लगभग हुआ है । मुनगा गांव से घायल अवस्था में व्यक्ति को चारपाई में लेटा कर किसी तरह 6 मीटर दूर पदेडा तक किसी तरह लाया गया

घटना की सूचना घरवालों को मिला था पर गाड़ी की सुविधा ना होने पर सुबह इलाज के लिए ला नही पाये वे जैसे तैसे पदेडा पहंचे तो सरपंच गुड्डू कोरसा द्वारा गंगालूर की हॉस्पिटल से संपर्क किया जहां से 102 एंबुलेंस के माध्यम से बीजापुर जिला चिकित्सालय उचित इलाज के लिए भेजा गया या जानकारी फोन कर हमें सरपंच ने बताया मरीज की स्थिति खतरे से बाहर है इलाज के लिए मरीज के साथ ओया गुड्डी और बुर्का आने की बात भी बताइए।

> ''इस संबंध में जब हमने बीजापुर डीएफओ से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि घायल युवक को इलाज हेतु मुआवजा राशि दी जाएगी
>
> **- डी. के साहू,** डीएफओ बीजापुर

आइसोलेशन उल्लंघन तीन लोगों के खिलाफ दर्ज हुआ अपराध

■ **नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक ने जुआड़ियों के विरुद्ध की कार्यवाही**

काँकेर । इस समय पूरा देश कोरोना की त्रासदी से जूझकर लाकडाउन हो चुका है। यह समय बेहद गम्भीर सत्क्रमण से बचने जिला प्रशासन लगातार सतर्कता बरतने की बात कह रही है।इसके बावजूद कुछ लोग बेपरवाह आइसोलेशन होने के बाद शहर व अपने अपने वार्डों में घूमते नज़र आ रहे है। सुरक्षा के दृष्टिकोण को देखते हमने 2 अप्रैल को आइसोलेशन के बावजूद जुआ खेलते पकड़ाए 4 जुआड़ियों की खबर को बड़ी ही प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। खबर को गंभीरता पूर्वक लेते हुए जिले के नवपदस्थ पुलिस कप्तान ने आइसोलेशन की अवधि में जुआ खेलने व बाहर घूमने को लेकर जुआ खेलने वाले तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश जारी किया है।बता दे की नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक एम.आर.अहिरे के मार्गदर्शन में दिनांक 30/03/2020 को मुखबिर सूचना पर थाना पुलिस कांकेर के द्वारा एम.आर. कंस्ट्रक्शन ऑफिस में जुआ रेड कार्यवाही किया गया था जिसमे 1,मोहम्मद आसिफ 2.मोहम्मद अकरम 3. मोहम्मद रहीम 4. मुनीर अहमद खान को जुआ खेलते पकड़े जाने पर उक्त आरोपियों के विरुद्ध थाना में धारा 3,4 जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था।उक्त चार आरोपियों में से 1. मोहम्मद आसिफको मुम्बई से कांकेर आने पर 2. मोहम्मद अकरम को मुम्बई से कांकेर आने पर 3. मोहम्मद रहीम को अजमेर, दिल्ली,मुम्बई से कांकेर आने पर होम आइसोलेशन में रहने जिला प्रशासन ने आदेशित किया गया था। परन्तु दिनांक 30/03/2020 को होम आइसोलेशन में न रह कर आदेशों का उल्लंघन कर जुआ खेलते हुए पाए जाने पर पुलिस अधीक्षक, कांकेर श्री एम. आर.अहिरे के निर्देशन में उक्त तीनों व्यक्तियों के विरुद्ध धारा 188-269-270-271 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। उक्त प्रकरण में थाना प्रभारी, कांकेर श्री नरेश चंद दीवान को पूर्व में आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध करने हेतु आदेशित करने के बावजूद अपराध पंजीबद्ध न करने पर थाना प्रभारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

सुरक्षा में तैनात जवानों को एडिशनल एसपी ने मास्क एवं सैनिटाइजर का किया वितरण

काँकेर। वर्तमान समय मे जब पूरा देश कोरोना वायरस की त्रासदी से जूझ रहा है।और इस आपदा में आमजनो की सुरक्षा के लिए सजग प्रहरी का काम करने वाले काँकेर पुलिस के जवानों व महिला कांस्टेबल जो उमस भरी गर्मी में लोगो की सुरक्षा करते दिखाई देते है।कोरोना आपदा की सुरक्षा में लगे जवानों को पुलिस अधीक्षक एम आर अहीरे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर द्वारा कोरोना संक्रमण रोकथाम के लिए सभी चौक चौराहों में लगे पॉइंट ड्यूटी एवं पेट्रोलिंग पार्टियों को लगातार पेट्रोलिंग करने एवं बाहरी जिलों एवं अन्य राज्यों से आने वाले लोगों को काँकेर में आने से रोकने हेतु निर्देशित किया गया ।एवं कांकेर शहर के निर्धारित 11 मुख्य स्थानों में बढ़ते गर्मी को देखते हुए पुलिस जवानों के लिए टेंट की व्यवस्था की गई है। साथ ही स्वंय की सुरक्षा का भी ध्यान रखते हुये कोरोना संक्रमण से बचने हेतु ड्यूटी में लगे जवानों को मास्क एवं सैनिटाइजर दिया गया।

कांकेर में पदस्थ 2 सहायक उप निरीक्षकों को उप निरीक्षक के पद पर मिली पदोन्नती

काँकेर। पुलिस महानिर्देशक छत्तीसगढ़ के आदेश क्रमांक पुमु/राय./3/ नामां/एम-159/2020 30 मार्च के परिपालन मे 2 अप्रैल को जिला उत्तर बस्तर कांकेर में पदस्थ श्री विष्णु राम कोमरा सहायक उप निरीक्षक एवं महिला सहायक उप निरीक्षक श्रीमति ज्योत्सना प्रेम को सहायक उप निरीक्षक से उप निरीक्षक के पद पर पदोन्नत होने पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय कांकेर में श्री एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) पुलिस अधीक्षक कांकेर, श्री कीर्तन राठौर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कांकेर द्वारा श्री विष्णु राम कोमरा एवं श्रीमति ज्योत्सना प्रेम को स्टार लगाकर उप निरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया तथा दोनो उप निरीक्षको को अच्छे कार्य एवं बेहतर कर्तव्य निर्वहन हेतु प्रोत्साहित किया गया।

मानवता की मिसाल पेश कर रही कोंडागांव पुलिस

लॉक डाउन को पालन करवाने के साथ ही बांट रही अनाज

कोंडागांव। कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुए पूरे देश में लॉक डाउन जारी है। वहीं लॉक डाउन को सफ्ल बनाने में जुटी पुलिस को कही विवादों का सामना करना पड़ रहा है,तो कही उनकी दरियादिली व कार्यप्रणाली के चलते देश मे वाहवाही भी हो रही है।

वहीं पुलिस के सख्ती व समझाईस के चलते जिले में लॉकडाउन की सफ्लता साफनजर आ रही है। इन सबके बीच जिले के पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी के साथ मानवता की मिसाल भी पेश कर रहे हैं। ये लोग शहर में फुटपाथ पर रहने वाले परिवार और मजदूरों को दो वक्त का राशन उपलब्ध कराने के साथ ही

जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आ रहे हैं। यही नही दूसरे प्रदेशों से वापस पैदल आ रहे मजदूरों के लिए भी हर संभव मदद करते नजर आ रहे है।

वही कोंडागॉव पुलिस भी अपने विभागीय दायित्वों के साथ सामाजिक दायित्व भी निभाते नजर आ रही है। एएसपी अनंत साहू व एसडीओपी कपिल चंद्रा के मार्गदर्शन में कोतवाली कोंडागॉव टीआई नरेन्द्र पुजारी, एसआई मनोज नायक,विवेक सेंगर,जितेन्द्र साहू यातायात प्रभारी कोंडागांव रवि शंकर पांडे, एएसआई सुनील जांगडे, राजेश मनहर प्रधान आरक्षक संतोष कोडोपी ,मालती मरकाम आरक्षक लोगो को कोरोना वायरस व लॉक डाउन की गम्भीरता को समझाते मजदूरों व जरूरत मंदो को खाद्यान्न भी उपलब्ध करवा रहे हैं।

राहत शिविरों में निःशुल्क भोजन, आवास की व्यवस्था

कांकेर। कोरोना वायरस संक्रमण के नियंत्रण एवं बचाव के लिए जिला प्रषासन द्वारा लॉकडाउन में फंसे लोगों के लिए राहत षिविर के माध्यम से रहने-खाने, दवाई इत्यादि की व्यवस्था किए जाने के निर्देष कलेक्टर श्री के.एल. चौहान ने अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने प्रतिदिन जिला अस्पताल में कोर कमेटी की बैठक लेकर डॉक्टर्स, अधिकारी एवं कमेटी से संबंधित अधिकारियों को आवष्यक दिषा निर्देष दे रहे हैं। जिला प्रषासन द्वारा 650 लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है और 04 हजार 140 निराश्रित, गरीब एवं जरूरतमंदों को राषन उपलब्ध कराया गया है। इसी प्रकार जिले के स्वयंसेवी संस्था द्वारा संकट की इस घड़ी में 996 लोगों को प्रतिदिन भोजन कराया जा रहा है साथ ही 28 हजार 843 लोगों को मास्क एवं सेनेटाईजर निःषुल्क वितरण किया गया है।

जिला प्रषासन द्वारा जिले में 26 राहत षिविर के माध्यम से 650 लोगों को प्रतिदिन रहने-खाने, दवाई, पंखा, प्रसाधन इत्यादि उपलब्ध कराया जा रहा है। राहत षिविर कांकेर ईमलीपारा के प्रयास छात्रावास में 70, सहित 55 लोगों के लिए दैनिक उपयोग की सामाग्री उपलब्ध कराया जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सीएम बघेल ने पीएम...

विगत 10 दिवस से कोरोना वायरस के संक्रमण में बरती जाने वाली सावधानियों के कारण श्रमिकों की संख्या बहुत कम हो गई है।

राष्ट्रपति ने की सराहना...

छत्तीसगढ़ के निदेशक से बात की और वहां पर भर्ती कोरोना से प्रभावित प्रत्येक मरीज की जानकारी ली और अन्य सभी मरीजों की जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की। मैंने एम्स के समस्त चिकित्सक और अन्य कर्मचारियों को उनके कार्य के लिए धन्यवाद भी दिया। इसके लिए राष्ट्रपति ने सराहना की और उपराष्ट्रपति ने कहा-वेरी गुड। उन्होंने रेडक्रास सोसायटी द्वारा किये जा रहे कार्य और फसल कटाई, उनके रखरखाव और खाद बीज की उपलब्धता की जानकारी भी ली।

दूसरे राज्यों में फंसे...

उनके द्वारा और शासन द्वारा भी उनसे संपर्क किया गया और संबंधित राज्य द्वारा समन्वय बनाकर उनके लिए भोजन तथा रहने की व्यवस्था कराई गई।

डॉक्टर पुलिस पर हमला...

गाजियबाद से प्राप्त रिपोर्ट मे कहा गया है कि एमएमजी अस्पताल में डाक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ से बदसलूकी करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गयी है। बाद में सभी को राजकुमार गोयल तकनीकी संस्थान क्वारंटीन में भेज दिया गया। इससे पहले बुधवार को मुजफ्फरनगर जिले के मोरना में लाकडाउन का उल्लघंन कर रही भीड़ को रोकने पर हुये पथराव में एक उपनिरीक्षक और कांस्टेबल घायल हो गये थे। रामपुर,बरेली,बिजनौर समेत कुछ अन्य शहरों से भी धार्मिक स्थलो में छिपे लोगों द्वारा पुलिस पर हमला करने की रिपोर्ट मिली हैं।

कोरोना से निपटने...

इमरजेंसी फंडिंग विश्व बैंक द्वारा कोरोना वायरस प्रकोप से जूझ रहे दुनिया भर के विकासशील देशों के लिए सहायता अभियानों के पहले चरण का हिस्सा है।

कल रात 9 बजे...

का साथ उनके साथ हैं। कोरोना महामारी से फैले अंधकार के बीच प्रकाश की ओर जाना है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि जो इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित है- गरीब भाई बहन। उन्हें निराशा से आसा की ओर ले जाना। अंधकार से निश्चितता की ओर बढ़ना है। इस अंधकार को पराजीत करने हमें प्रकाश के तेज को चारों दिशाओं में फैलाना है। इसलिए हमें इस संडे 5 अप्रैल को कोरोना के अंधकार को प्रकाश की ताकत का परिचय कराना है। इस दिन हमें 130 करोड़ की महाशक्ति का जागरण करना है। 5 अप्रैल को रात 9 बजे । चारो तरफ जब हर व्यक्ति एक-एक दीया जलाएगा। तब प्रकाश की महाशक्ति का परिचय होगा। तब अहसास होगा कि सभी लोग इस अंधकार से लड़ रहे हैं। मोदी ने कहा कि ये अहसास करें कि कोई भी अकेला नहीं है। इस आयोजन के समय किसी को भी कहीं पर भी इकट्ठा नहीं होना है। रास्तों-गलियों मोहल्लों में नहीं जाना है। सोशल डिस्टिंसिंग की लक्ष्मण रेखा को लांघना नहीं है। किसी भी हालत में इसे नहीं तोड़ना है। कोरोना की चेन तोड़ने का यही रामबाण इलाज है। 5 अप्रैल को कुछ पल अकेले में मां भारती का स्मरण करिए। 130 करोड़ लोगों के चेहरे का अहसास करें। ये जीतने का आत्मविश्वास देगा। हमारे उत्साह व स्पिरिट से बढ़कर कोई फोर्स नहीं है। दुनिया में ऐसा कुछ नहीं जो इससे हासिल नहीं होगा। आइए सब मिलकर इस कोरोना के अंधकार को हराए।

कृषि कार्य सुचारू रूप से रहें जारी

उन्होंने हाल की कुछ घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यह चेतावनी दी है और किसी भी धार्मिक आयोजन की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उप राष्ट्रपति ने राज्यों में कृषि कार्य सुचारू रूप से जारी रखने पर बल देते हुए कहा कि फसलों की कटाई, खरीद और भंडारण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। किसानों को कृषि कार्य में किसी परेशानी का सामना नहीं करना चाहिए। फसलों की शत प्रतिशत खरीद सुनिश्चित की जानी चाहिए।

एक लॉड्रीवाले के कारण...

है। लॉन्ड्री एक किलोमीटर की परिधि में बैरिकेटिंग दर दी गई है। गुजरात के अहमदाबाद में कोरोना वायरस (कोविड-19) के सात नए मामले सामने आने के बाद राज्य में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 95 हो गई है। इसके अलावा राज्य में कोरोना वायरस संक्रमित एक और व्यक्ति की मौत होने से मरने वालों की संख्या आठ हो गई है। अहमदाबाद में 38, सूरत में 12, राजकोट में दस, गांधीनगर में 11, वडोदरा में नौ, भावनगर में सात, गिर-सोमनाथ में दो तथा पंचमहाल, पोरबंदर, महेसाणा और कच्छ में एक-एक मामले हैं। पुलिस ने क्वारन्टीन के निदेशों का उल्लंघन करने वाले 418 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। अब तक कुल 1944 लोगों के टेस्ट किए गये जिनमें 1847 निगेटिव और 95 पॉजिटिव हैं।

तबलीगी जमात के...

तबलीगी जमात के धार्मिक आयोजन में हिस्सा लेने वालों में से अब तक कुल 647 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। ये लोग 14 राज्यों के हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने नियमित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पिछले दो दिनों में तबलीगी जमात के 647 लोगों में कोरोना के संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है।

शिक्षकों ने घर-घर पहुंचाया सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को मिड डे मील सूखा राशन

■ **सर्व शिक्षा अभियान के अधिकारी ने भी ग्रामो में पहुँच की मॉनिटरिंग**

बैकुंठपुर। शासकीय स्कूलों में कोरोना जैसे महामारी से बचाव के लिए छुट्टी राज्य शासन ने घोषित की है जहाँ बच्चो को मध्यान भोजन भी स्कूलो में बंद था जिस पर राज्य शासन ने जिले के सभी प्राथमिक व मीडिल स्कूलो में पढ़ने वाले बच्चो को घर घर मिड डे मील राशन मिले, इसको लेकर शुक्रवार को स्कूल के शिक्षक सूखा राशन लेकर बच्चों के घर-घर पहुंचे। जहां पर अभिभावकों

को थैली में राशन दिया गया। राशन बांटते समय शिक्षक कोरोना संक्रमण से बचाव को लेकर मास्क पहने हुए थे वही सोसल डिस्टेंस का ख्याल रखते हुए घर घर राशन वितरण किया गया ।

मिली जानकारी अनुशार राज्य शासन के द्वारा जारी पत्र के परिपालन में जिले के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के 68350 बच्चों के पालकों को मध्यान्ह भोजन के अंतर्गत 40 दिनों का सूखा राशन वितरण किया जाना है।जहा जिले के 1386 प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के 68350 बच्चों के पालकों को मध्यान्ह भोजन के अंतर्गत 40 दिनों का सूखा राशन 3 और 4 अप्रैल को वितरण किया जायेगा वही जिन स्कूलों में संख्या अधिक है वहा आवश्यकता अनुसार आगे भी तिथि तक वितरण किया जायेगा इसमें प्राथमिक शाला के 42131 और माध्यमिक शाला के 26219 बच्चों के अभिभावकों को राशन दिया जायेगा।

कोरोना को हराने कांकेर जिले के लोगों ने दिखाया धैर्य का परिचय

■ **हारेगा कोरोना जीतेगा भारत जीतेगा छत्तीसगढ़ ,स्वस्थ रहे सुरक्षित रहे आसपास के लोगो को सजग करने अपील -बिरेश ठाकुर**

नवप्रदेश संवाददाता

काँकेर। इस समय पूरा विश्व कोरोना वायरस की आपदा से जूझ रहा है।इसकी चपेट में भारत देश के अलग अलग राज्यों में सत्क्रमण तेज़ी से फैल रहा है।साथ ही इसके सत्क्रमण की चपेट में बहुतायत लोग आ चुके है।इस समय भारत देश इस आपदा से लड़ने पुरजोर ताकत लगाकर कोरोना को हराने में जुटा हुआ है।इस विकट स्थिति में पूरा भारत लाकडाउन के तहत सुरक्षित होकर भारत का मजबूती से साथ दे रहा है।कोरोना वायरस की त्रासदी व छत्तीसगढ़ के लोगो की चिंता को ध्यान में रखते कांकेर जिले के वरिष्ठ कांग्रेसी बस्तर विकास प्राधिकरण के सदस्य व छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष बिरेश ठाकुर ने आमजनो से मीडिया के माध्यम से उनके स्वास्थ्य को लेकर कहा है की इस समय कोरोना नामक वायरस का प्रकोप तेज़ी से फैल रहा है।कोरोना वायरस से छत्तीसगढ़ भी अछूता नही रहा है।आमजनो को इस वायरस और लाकडाउन के चलते विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।और इस विकट परिस्थितियों में भी मैं हमारे छत्तीसगढ़ की जनता का भूरि-भूरि कंठमुक्त प्रशंसा करता हूं कि इस आपदा में आप लोगो का धैर्य आप लोगो की तकलीफ़ों के बावजूद लाकडाउन का पालन कर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है।आप की चिंता छत्तीसगढ़ सरकार को भी हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर कुबेर प्लाजा शॉप नं. 226 सेकंड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- रविशंकर शुक्ला*
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, डाक पंजीयन क्रमांक जी.2-112/सी.जी./बी.एल.पी./108/2020-2022, email: navpradesh@gmail.com, फोन व फैक्स : 07752-400878

अमिताभ ने लोगों को घर पर रहने की अपील

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने लोगों को कोरोना वायरस से संक्रमण से बचने के लिये घर में रहने की अपील की है। कोरोना वायरस को लेकर पूरे देश में लॉकडाउन चल रहा है। अमिताभ सोशल मीडिया पर लगातार अपने फैन्स के साथ संपर्क भी बनाए हुए हैं। वह लगातार सोशल मीडिया पर पोस्ट करके कोरोना वायरस से बचने के तरीकों के बारे में लोगों को जागरुक करने की कोशिश कर रहे हैं। अब अपने नए ट्वीट में उन्होंने अपनी एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर शेयर की है और लोगों से कहा है कि कोरोना को उलटा मत पड़ने दीजिए।

अमिताभ ने अपने ट्वीट में लिखा,
ख़बरदार !!! घर में रहो , बाहर ना निकलो !
इस कमबखूत 'कोरोना' , को उलटा मत पड़ने दीजिए !!
नहीं नहीं ... आप मेरी बात नहीं समझ रहे हैं !
'कोरोना' को उलटा पढ़िए ... हो जाएगा ... 'नारोको ..

अक्षय-परेश के साथ मिलकर फिर हेराफेरी करेंगे सुनील शेट्टी

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी को उम्मीद है हेराफेरी 3 जरूर बनेगी जिसमें वह अक्षय कुमार और परेश रावल के साथ फिर काम करेंगे। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी सुपरहिट फिल्म हेराफेरी में अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी ने मुख्य भूमिका निभायी थी। फिल्म को प्रदर्शित हुये 20 साल हो गये हैं। फिल्म का दूसरा पार्ट फिर हेरा फेरी नाम से आया था। काफी समय से हेराफेरी 3 बनाने की चर्चा हो रही है। सुनील शेट्टी को उम्मीद है कि , 'हेरा फेरी 3 जरूर आएगी। उन्होंने कहा, हेरा फेरी 3 जरूर आएगी। तीसरे पार्ट में भी मैं, अक्षय और परेश रावल होंगे। हमारे किरदार का नाम भी वही होगा, जो अब सबकी जुबान पर है।

कोरोना वायरस की जंग में मदद के लिये आगे आये शाहरुख

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान कोरोना वायरस (कोविड-19) के खिलाफ लड़ाई में डोनेशन देने का एलान किया है। प्रधानमंत्री ने कोरोनावायरस से जंग के लिए देश के लोगों से राहत राशि डोनेट करने की अपील की थी।शाहरुख खान भी कोरोना वायरस से जंग में सामने आए हैं। शाहरुख खान ने पीएम केयर्स फंड में डोनेट करने के साथ-साथ कई और मदद का भी ऐलान किया है।

1. पीएम-केयर्स फंड : शाहरुख खान, गौरी खान, जूही चावला और जय मेहता की आईपीएल टीम कोलकाता नाइटराइडर्स पीएम केयर्स फंड में दान करेगी।

2. महाराष्ट्र सीएम रिलीफ फंड : गौरी खान और शाहरुख खान की एंटरटेनमेंट कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट महाराष्ट्र सीएम रिलीफ फंड में दान करेगी।

3. पीपीई किट्सः कोलकाता नाइटराइडर्स और मीर फाउंडेशन मिलकर पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में हेल्थ वर्कर्स को 50000 पीपीई किट उपलब्ध कराएंगे।

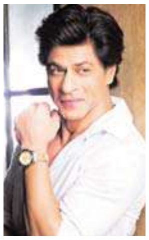

4. एक साथ-द अर्थ फाउंडेशनः मीर फाउंडेशन, एक साथ-द अर्थ फाउंडेशन के साथ मिलकर मुंबई में लगभग 5,500 परिवारों को एक महीने तक खाना देंगे। इसके साथ एक किचन भी बनाया जाएगा, जहां लगभग 2000 ऐसे लोगों के लिए खाना बनेगा जिनके पास खाना पहुंच नहीं पाता है।

5. रोटी फाउंडेशनः मीर फाउंडेशन, रोटी फाउंडेशन के साथ मिलकर प्रति दिन 10000 लोगों के लिए एक महीने के लिए तीन लाख मील किट्स उपलब्ध कराएगा।

6. वर्किंग पीपल्स चार्टरः मीर फाउंडेशन इनके साथ मिलकर दिल्ली में 2,500 मजदूरों को कम-से-कम एक महीने तक जरूरी ग्रोसरी आइटम्स देगा।

7. एसिड अटैक सर्वाइवर्स के लिएः मीर फाउंडेशन यूपी, बिहार, वेस्ट बंगाल और उत्तराखंड की 100 एसिड अटैक सर्वाइवर्स को मासिक भत्ता देगा और उनकी बुनियादी जरूरतों का ख्याल रखेगा।

शाहरुख़ ने ट्वीट कर कहा, इस दौर में उन लोगों को, जो आपके लिए अनथक काम कर रहे हैं, जो आपसे संबंधित भी नहीं, शायद आप से अनजान भी हैं... यह एहसास करवाना है कि वो अकेले नहीं हैं। आइए, यह सुनिश्चित करें कि हममें से सभी अपना योगदान दें और एक-दूसरे की देखभाल करें। भारत और सारे भारतीय एक परिवार हैं।

हेमा मालिनी ने लोगों से एकजुटता दिखाने कहा

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल एवं भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने कोरोना वायरस के विरूद्ध जंग में लोगों से एकजुटता दिखाने और एक साथ आने की अपील की है। कोरोना वायरस के कहर के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वीडियो मैसेज के जरिए पूरे देश को संबोधित किया है। प्रधानमंत्री ने जनता को संबोधित करते हुए लोगों से एकजुटता दिखाने की सलाह दी, साथ ही पांच अप्रैल को रात नौ बजे नौ मिनट के लिये दीये, मोमबत्तियां और टॉर्च आदि जलाकर प्रकाश फैलाने के लिए कहा है। इस वीडियो मैसेज को लेकर हेमा मालिनी ने ट्वीट किया है जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। यह समय है एक साथ आने का, हमारी एक जुटता दिखाने का और कोरोना वायरस को कंट्रोल करने में सरकार की मदद करने का। हम पांच अप्रैल को उनके अनुरोध को पूरा करेंगे, क्या आप सब भी इसके लिए तैयार हैं?

शेफाली ने आसिम के गाने से टिकटॉक पर किया डेब्यू

नई दिल्ली। अभिनेत्री व डांसर शेफाली जरीवाला ने टिकटॉक पर आसिम रियाज के गाने 'मेरे अंगने में' से डेब्यू किया है। गौरतलब है कि शेफाली और आसिम 'बिगबॉस' में सह-प्रतिभागी थे। इस गाने के वीडियो में आसिम और जैकलीन हैं। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कई तस्वीरें, वीडियो और हेल्थ टिप्स पोस्ट करने के बाद शेफाली ने अब टिकटॉक की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया है। यह डेब्यू वीडियो बहुत ही खास है। अभिनेत्री ने यह वीडियो विनय सप्रु और राधिक राव को समर्पित किया है, जिन्होंने 'मेरे अंगने' में गाने के वीडियो का निर्देशन किया है। उन्होंने शेफाली के डेब्यू ट्रैक 'कांटा लगा' को भी निर्देशित किया था। इसी गाने से वह स्टार बनीं थीं। शेफाली ने कहा, मेरे अंगने में बहुत ही शानदार ट्रैक है और वह अपने टिकटॉक वीडियो को विनय और राधिका को समर्पित करना चाहती हैं। इसके माध्यम से मैं उनके प्रति अपना आभार जताना चाहती हूं। आशा है कि उन्हें यह पसंद आएगा।

पीएम के दीया जलाने की अपील पर यह बोले बॉलीवुड सितारे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिए वीडियो संदेश में लोगों से अपील की कि वे पांच अप्रैल को लाइट्स बंद करके नौ मिनट तक दीया, मोमबत्ती आदि जलाएं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'पांच अप्रैल रविवार को रात नौ बजे, मैं आपसे आपका नौ मिनट मांग रहा हूं। नौ बजे अपने घर की लाइट बंद करके दीया, मोमबत्ती या फिर मोबाइल के टॉर्च जलाएं।' प्रधानमंत्री मोदी की इस अपील पर बॉलीवुड के सितारों ने भी रिएक्ट किया है। फिल्ममेकर हंसल मेहता ने प्रधानमंत्री की अपील के बाद 'दीया जलाओ जगमग' गाना शेयर किया है। प्रसून जोशी ने कविता साझा करते हुए सपोर्ट किया है। इसके अलावा कंगना रनौत की बहन रंगोली चंदेल और तापसी पन्नू ने भी रिएक्ट किया है। रंगोली चंदेल ने लिखा है कि दीया जलाना बहुत अच्छा है। दीया मन को बहुत शांत करता है। एक दूसरे को सपोर्ट दिखाने के लिए ऐसा करें। प्रधानमंत्री मोदी जी हमारी भावनात्मक जरूरतों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। एक अन्य ट्वीट में रंगोली चंदेल ने लिखा कि पीएम मोदी की आज की स्पीच के बाद मुझे विश्वास है कि हम कोरोना के खिलाफ इस जंग को जीत लेंगे। रविवार को रात नौ बजे दीया जलाएं।

इंग्लैंड का एजबेस्टन स्टेडियम बनेगा कोविड-19 परीक्षण केंद्र

नई दिल्ली (ए.)। वारविकशर काउंटी क्रिकेट क्लब ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह एजबेस्टन स्टेडियम को सरकार को सौंप रहा है ताकि इसे कोविड-19 परीक्षण के लिए जांच केंद्र बनाया जा सके। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) इस महामारी से लड़ने में जुटा हुआ है, इसे देखते हुए क्लब ने यह फैसला किया। क्लब की वेबसाइट के अनुसार स्टेडियम की मुख्य कार पार्किंग को एनएचएस के बर्मिंघम में काम कर रहे मेडिकल स्टाफके परीक्षण करने के लिए इस्तेमाल किया जायेगा। क्लब के मुख्य कार्यकारी नील स्नोबॉल ने कहा कि हमारे काउंटी क्रिकेट कार्यक्रम, कांफ्रेंस और प्रतियोगिताएं 29 मई तक बंद हैं। हमारा स्टाफइस मुश्किल घड़ी में अपने स्थानीय समुदाय की मदद के विभिन्न तरीके ढूंढ रहा है। इसमें वृद्ध सदस्यों और पूर्व खिलाड़ियों को कॉल करना हो या फिर एजबेस्टन स्टेडियम को इस्तेमाल के लिए पेश करना हो। ब्रिटेन में प्रधानमंत्री बोरिस जानसन और प्रिंस चार्ल्स सहित करीब 33,000 लोग इस वायरस से संक्रमित हैं और अभी तक इससे 3,000 लोगों की मौत हो चुकी है।

पीएम मोदी ने कोरोना से निपटने दिया पांच सूत्रीय फॉर्मूला, खिलाड़ियों से मांगा सहयोग

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोराना वायरस से पार पाने में विराट कोहली, पीवी सिंधु, सचिन तेंदुलकर समेत शीर्ष खिलाड़ियों से लोगों को जागरूक करने का आग्रह करते हुए शुक्रवार (3 अप्रैल) को कहा कि इस महामारी के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में 'टीम इंडिया' के रूप में भारत को विजयी बनाना है। प्रधानमंत्री ने तेजी से फैल रही कोविड-19 महामारी को फैलने से रोकने के लिए राष्ट्रीय लॉकडाउन के बीच देश के 40 से अधिक खिलाड़ियों से वीडियो कॉल के जरिये एक घंटे तक बात की, जिनमें बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली, दिग्गज सचिन तेंदुलकर और वर्तमान कप्तान विराट कोहली जैसे शीर्ष क्रिकेटर भी शामिल थे।

इनमें से कुछ खिलाड़ियों ने अपने सुझाव भी रखे और मोदी ने कहा कि उन पर पूरा ध्यान दिया जाएगा। विश्व चैम्पियनशिन कांस्य पदक विजेता बैडमिंटन स्टार बी साई प्रणीत ने भी इस कॉल में हिस्सा लिया और उसकी एक क्लिप ट्विटर पर डाली। इसमें मोदी ने कहा, ''आपके सुझावों पर भी सरकार द्वारा पूरा ध्यान दिया जाएगा। कोरोना के खिलाफइस वैश्विक लड़ाई में हमें टीम इंडिया के रूप में भारत को विजयी बनाना है। मुझे विश्वास है कि हम सभी के सामूहिक प्रयासों से देश में नई ऊर्जा का संचार होता है।'' प्रधानमंत्री ने 'संकल्प, संयम, सकारात्मकता, सम्मान और सहयोग' के पांच सूत्री मंत्र देते हुए कहा कि लोगों का मनोबल बढ़ाने में खिलाड़ी अहम भूमिका निभा सकते हैं। खेल मंत्रालय के सूत्रों ने भाषा से कहा, ''बातचीत एक घंटे तक चली जिसमें खिलाड़ियों ने अपने सुझाव रखे और प्रधानमंत्री ने कोरोना के खिलाफलड़ाई में उनके योगदान की सराहना की।'' ओलंपिक पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त ने ट्वीट किया, ''माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने खिलाड़ियों से बात करके उनसे अपने सोशल मीडिया द्वारा सामाजिक दूरी बनाए रखने का ज्यादा से ज्यादा प्रचार करने और कोरोना वायरस के प्रति लोगों को जागरूक करने की अपील की।'' इस वीडियो कॉल में खेल मंत्री किरेन रिजिजू ने भी हिस्सा लिया। महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल ने बेंगलुरू के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) शिविर में कोरोना वायरस को लेकर बरती जा रही सावधानियों को लेकर बात की। भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सूची में कई प्रमुख क्रिकेटर शामिल हैं। इनमें तेंदुलकर, गांगुली और कोहली के अलावा पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान, युवराज सिंह ने भी हिस्सा लिया।

विश्व कप विजेता पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और केएल राहुल के नाम भी सूची में थे, लेकिन वे इसमें भाग नहीं ले सके। क्रिकेटरों के अलावा ओलंपिक रजत पदक विजेता पी वी सिंधु, भाला फेंक के एथलीट नीरज चोपड़ा, दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद, धाविका हिमा दास, मुक्केबाज एमसी मेरीकोम और अमित पंघाल, पहलवान विनेश फोगाट और युवा निशानेबाज मनु भाखड़ भी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने वीडियो कॉल में हिस्सा लिया। इस महामारी के कारण भारत में अब तक 50 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। विश्व भर में मृतकों की संख्या 50,000 को पार कर चुकी है। पूर्व विश्व भारोत्तोलन चैम्पियन मीराबाई चानू ने कहा, ''उन्होंने हमसे सामाजिक दूरी और स्वच्छता को लेकर जागरूकता जगाने को कहा।

पीएम की दीप जलाने की अपील पर सपोर्ट में आए शास्त्री-भज्जी

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री और स्टार ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साथ देने की देशवासियों से अपील की है। मोदी ने शुक्रवार सुबह राष्ट्र को संबोधित करते हुए देशवासियों से अपील की वह रविवार रात नौ बजे अपने घर की सभी लाइटें बंद कर दें और नौ मिनट के लिए हाथों में दीये, मोमबत्ती या मोबाइल की फ्लैश लाइट जलाकर अपने घरों के दरवाजों या बालकनी में खड़े होकर कोरोना के खिलाफ भारत की जंग में एकजुटता दिखाएं।

कोच रवि शास्त्री ने ट्वीट करते हुए लिखा, एकजुटता दिखाने के लिए 130 करोड़ लोगों से मेरी अपील है कि एक दीया, एक मोमबत्ती, टॉर्च या मोबाइल की फ्लैश लाइट पांच अप्रैल रात नौ बजे नौ मिनट के लिए जलाकर एकजुटता दिखाएं। कोविड-19 से लड़ने के लिए आइए एक नई ऊर्जा का निर्माण करें।

प्रधानमंत्री मोदी ने हालांकि लोगों को चेतावनी दी कि वे इस दौरान जमा न हों और सामाजिक दूरी के नियम का पालन करें। उन्होंने कहा, हमें सामाजिक दूरी की लक्ष्मण रेखा का पालन जरूर करना है।

जिन कप्तानों के खिलाफ खेले शेन वॉर्न, बताया बेस्ट का नाम

नई दिल्ली (ए.)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न ने गुरुवार को न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग को बेस्ट कप्तान बताया है।। इंस्टाग्राम पर लाइव सेशन के दौरान उन्होंने कहा मैं अपने करियर में जिन कप्तानों के खिलाफ खेला उनमें स्टीफन फ्लेमिंग उनमें बेस्ट हैं। कोरोना वायरस के बढ़ते हुए प्रकोप की वजह से सभी स्पोर्ट्स गतिविधियों पर ब्रेक लगा हुआ। सभी क्रिकेट टूर्नामेंट स्थगित या रद्द कर दिए गए हैं। आईपीएल को भई 15 अप्रैल तक के लिए स्थगित किया गया है। ऐसे में क्रिकेटर सोशल मीडिया के जरिये अपडेट दे रहे हैं और साथ ही फैन्स को एंटरटेन भी कर रहे हैं। स्पिन के जादूगर के नाम से मशहूर शेन वॉर्न भी सोशल मीडिया पर इन दिनों खासा एक्टिव हैं। उन्होंने कहा, ''मेरे समय में स्टीफन फ्लेमिंग बेस्ट कप्तान थे, जिनके खिलाफ मैं खेला हूं। वह जानते थे कि उनके टीममेट्स बेस्ट हैं। लेकिन उन्हें और अधिक शतक बनाने चाहिए थे।'' टॉप आर्डर के इस बल्लेबाज ने 111 टेस्ट खेले और 40.06 की औसत से 7172 रन बनाए। फ्लेमिंग ने 280 वनडे भी खेले और 8037 रन बनाए।

महिला टी20 विश्व कप के फाइनल को 90 लाख भारतीयों ने देख बनाया रिकॉर्ड

दुबई (ए.)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गये आईसीसी महिला टी20 विश्व कप फाइनल को भारत में 90 लाख से अधिक लोगों ने देखा जो कि टीवी और डिजीटल प्लैटफॉर्म पर दर्शकों की संख्या का नया रिकॉर्ड है। भारत हालांकि इस मैच में ऑस्ट्रेलिया से हार गया था, जिसे देखने के लिए मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर 86,174 दर्शक उपस्थित थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टीवी और डिजीटल दर्शकों के आंकड़े गुरुवार को जारी किए, जिसके अनुसार हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने क्रिकेट प्रेमियों में इस टूर्नामेंट में प्रति खासी दिलचस्पी जगाई।

भारत में यह टूर्नामेंट कुल पांच अरब 40 करोड़ मिनट देखा गया। किसी खास मैच को कितने समय तक कितने लोगों ने देखा, इस आधार पर कुल मिनट के ये आंकड़े तैयार किए गए। ऑस्ट्रेलिया में 21 फरवरी से आठ मार्च तक चले टूर्नामेंट में आईसीसी डिजीटल चैनल खूब चला। इन वीडियो को कुल एक अरब 10 करोड़ बार देखा गया। इससे यह महिला क्रिकेट में सर्वाधिक देखा जाने वाला टूर्नामेंट बन गया। असल में यह 2019 पुरुष विश्व कप के बाद सर्वाधिक देखा जाने वाला टूर्नामेंट था। इससे पहले ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर स्टार नेटवर्क ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के दौरान अपनी व्यूवअरशिप का डेटा जारी किया था, जिसके अनुसार इस बार टूर्नामेंट पिछले बार के मुकाबले तीन गुना ज्यादा देखा गया। टूर्नामेंट के दौरान टीवी पर कुल व्यूवरशिप 5.4 बिलियन मिनट की रही, जबकि 2018 में खेले गए पिछले सीजन में यह 1.8 बिलियन मिनट थी।

लॉकडाउन होने का फायदा उठाकर दैनिक उपयोगी सामग्री बेच रहे अधिक दाम पर

नवप्रदेश संवाददाता

देवभोग। कोरेना संक्रामक वायरस के चलते लॉकडाउन होने का फायदा उठाकर कुछ बड़े छोटे व्यापारी दैनिक उपयोग सामग्री को बढ़ा चढ़ाकर बेच रहे हैं जिससे रोजमर्रा खरीद कर खाने वाले परिवार का गुजर-बसर करना मुश्किल हो गया है! ऐसे विकराल परिस्थिति में भी छोटे - बड़े व्यापारी मुनाफाखोरी से बाज नहीं आ रहे हैं! सबसे ज्यादा खानपान वस्तुओं में किराना स्टोर वाले लूट रहे हैं! और मजबूरी बस लोगों को खरीदना भी पड़ रहा है जबकि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लॉकडाउन को मद्देनजर रखते सेवा - भाव दिखाते हुए लगातार कारोबारियों से निर्धारितदाम अनुसार दैनिक सामग्री भेजने की अपील कर रहे हैं! साथ ही ऐसे मुनाफाखोरो के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देश भी दे रहे हैं! लेकिन मुख्यमंत्री की अपील को दरकिनार करते हुए संकट समय का जमकर फायदा उठा रहे हैं बड़े कारोबारियों से खाद्य सामग्री लेकर छोटे छोटे दुकानदार भी लूटने में लगे हुए हैं! आलू दाल से लेकर तमाम खाद्य सामग्री पर ऊंचे दाम में बेच कर हजारों रुपए कमा रहे हैं मतलब गरीब मजदूरों को दोहरी मार का इस समय सामना करना पड़ रहा है पूरे संक्रमण के चलते मजदूरी, काम मिलना मुश्किल हो गया है! क्योंकि पेट काटकर

बचाए पैसे से किसी तरह रोजमर्रा का सामान लिया जा रहा है उस पर भी व्यापारियों द्वारा दिनचर्या सामान को मनमानी दाम पर बेचकर गरीबों पर दोहरा भार डाल रहे हैं! इसके लिए बड़े-बड़े व्यापारी आलू दाल का पूरा स्टाफभर ले रहे हैं मोहम्मद इकबाल ने बताया कि 2 दिन पहले गांधी चौक स्थित दुकानदार से आलू दाल खरीदी किया जिसमें 20 से ?40 बढ़ाकर पैसा लिया गया और दाम बढाकर सामान बेचने के सवाल पर लेना है लो वरना मत लो कह कर टाल दिया गया इन्हीं के चलते मजरा - टोली के छूट मुठ ठेला वाला भी 20 से ?30 बढ़ा कर सामान बेच रहे हैं जिसे लेकर स्थानीय अधिकारियों को भी शिकायत किया गया मगर मुनाफाखोरी के विरुद्ध शाम तक कसावट देखने को नहीं मिला जिसके कारण हेमाल मजदूर, दूसरों के घरों में झाड़ू पौंछा कर पैसा कमाने वाले को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि पहले दाल ?80 में बिकता रहा जो अब बढ़कर 100 से ?120 तक हो गया है! इसी तरह आलू ?15 से बढ़कर ?40 तक बेचा जा रहा है इसके अलावा प्याज तेल जैसे अन्य सामग्री मैं भी दाम बढ़ाकर बेच रहे हैं ऐसे ही मुनाफाखोरी आगामी लॉकडाउन तक चलता रहा तो गरीब मजदूरों को सिर्फ चावल ही पकाकर खाना पड़ेगा साथ साथ धूम्रपान पदार्थों में काफी दाम बढ़ा कर बेच रहे क्योंकि लॉकडाउन के चलते अधिकांश दुकान पान ठेला किराना स्टोर बंद है! जिसके कारण घर घर में ऐसे छोटी-छोटी दुकानदार धूम्रपान पदार्थ बेचकर पैसा कमा रहे हैं।

न्यूज गैलरी

पिथौरा पुलिस द्वारा राशन वितरण

पिथौरा। कोरोना वायरस के कारण लॉक डाऊन मे गरीबों को रोजीरोटी की बडी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है जिसे लेकर नगर में संस्था, समाजसेवी लोगों के द्वारा गरीबों को अनाज, सब्जी वितरण किया जा रहा है इसी तरह की कोशिश में पिथौरा थाना प्रभारी और उनकी टीम ने भी गरीबों को राशन वितरण किया गया।

घर-घर में वितरण हुआ पोषण आहार

साजा। कोरोना संक्रमण के चलते लागु लॉक डाउन में सोसल डिस्टेंस का पालन करते हुए विधायक प्रतिनिधि श्री मनोज जायसवाल द्वारा अपनी उपस्थिति में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ पोषण आहार पैकेट का वितरण घर घर जाकर शिशुवती महिलाओं व मध्यम वर्गीय कुपोषित बच्चों को प्रदान किया गया। श्री जायसवाल ने नगरवासियों से सादर अनुरोध किया है कि इस कठिन दौर में लॉक डाउन का पूरी ईमानदारी के साथ पालन करें। सभी अपने अपने घरों में रहे, सुरक्षित रहे। शासन प्रसाशन आपकी हर संभव मदद, सहायता, आवश्यकता का पूरा ध्यान रख रही हैं।

साजा नगर के वार्डों में सेनेटाइजर का छिड़काव

साजा। विश्वव्यापी महामारी कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव कार्य के तहत विधायक प्रतिनिधि मनोज जायसवाल के सक्रिय भागीदारी, सजगता, गंभीरता के चलते नगर पंचायत साजा में बुधवार से नगर के वार्डों में सेनेटाइजर का छिड़काव कार्य प्रारंभ किया गया है। छिड़काव कार्य कराने के लिए श्री जायसवाल व इंजीनियर लोकेश शर्मा स्वयं उपस्थित रहकर सेनेटाइजर का छिड़काव वार्डों में कराये। उन्होंने बताया कि पूरे नगर के सभी गलियों में इसका छिड़काव कराया जाएगा। नगर पंचायत अध्यक्षा शालिनी मनोज जायसवाल ने समस्त नगरवासियों से अनुरोध किया है कि इस संकट की घडी में सभी नगरवासी व आम जनता धैर्य व जागरुकता का परिचय देवें। इससे डरने की जरूरत नहीं हैं। अपनी सुरक्षा हम सब के अपने हाथों में हैं। कृपया सभी पूरी ईमानदारी के साथ लाकडाउन का पालन करते हुए सभी अपने अपने घरों में ही रहें। वृद्ध बुजुर्ग व छोटे बच्चों को घरों से बाहर ना निकलने देवें। आप सभी की सुरक्षा, सहायता व चिंता के लिए नगर, राज्य व केंद्र सरकार व प्रशासन कार्यबद्ध हैं।

चांवल के साथ सभी सामग्री गरीबों को वितरण करे सरकार

डोंगरगढ़ । देश पांव पसार चुके कोरोना के संक्रमण के चलते राज्य के भूपेश सरकार ने प्रदेश के गरीब लोगों को गरीबी रेखा के नीचे निवासरत लोगो को 1 रुपये किलो मिलने वाले चांवल को जिस तरह फ्री में दिया जा रहा है जो कि सरकार का सराहनीय कदम है । परंतु गरीब लॉक डाउन के तहत काम पर नही जा पा रहा है जिससे उसके पास सब्जी दाल शक्कर की व्यवस्था नही हो पा रही है जिससे उनमें निराशा घर कर रही है । गरीबो की इस निराशा को देखते हुए नेता प्रतिपक्ष पार्षद अमित छाबड़ा और भाजपा के कुछ पार्षदों ने इस निराशा को दूर करने के लिए एसडीएम के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया । एसडीएम की अनुपस्थिति में नायब तहसीलदार कु.रश्मि दुबे को दिया गया ।इस ज्ञापन में उन्होंने राशन दुकान में मिलने वाली सामग्री जैसे शक्कर दाल मिट्टीतेल और अन्य समान को गरीबी रेखा के नीचे आने वाले गरीब लोगों को लॉक डाउन के चलते तक फ्री करने की बात कही है जिससे गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले लोगो के खाने पीने की व्यवस्था हो सके ।

80 पेटी शराब के साथ 4 गिरफ्तार

- आईपीएस अंकिता शर्मा की टीम को मिली एक बड़ी सफलता

भाटापारा। लाक डाउन के बाद जिले में शराब उपलब्ध होने की तगड़ी सुचना के बाद भाटापारा ग्रामीण थाना प्रभारी श्रीमती अंकिता शर्मा ने ग्राम अमेरा में दबिश देकर एक झोपडी नुमा कबेलु मकान में डंप कर रखी 80 पेटी शराब को जब्त कर इस मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है, जब्त शराब की कीमत लगभग साढे 3 लाख बताई जाती है। पुलिस ने चारो आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

उपरोक्त सम्बन्ध में पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक कुछ दिनों पहले लॉकडाउन के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में गोवा शराब की सप्लाई होने की सूचना मिली थी. ग्राम अमेरा और खम्हरिया के कुछ लोगों के मध्यप्रदेश से शराब छत्तीसगढ़ लाया जाएगा. एक आरोपी को पकड़कर पुलिस ने पूछताछ किया गया, तो उसने बताया कि ग्राम अमेरा के राकेश सोनवानी ने एक झोपड़ी नुमा मकान में भारी मात्रा में अवैध शराब डंप कर रखा गया है.अंग्रेजी शराब की तस्करी ऐसे समय में की जा रही थी, जब प्रदेश भर की शराब दुकानें बंद बड़ी है. लॉकडाउन के बीच लोगों को शराब नहीं मिल पा रहा है. इसीलिए अधिक रेट पर इस शराब को बेचा जाता और मुनाफाखोरी की जाती. इससे पहले ही देर रात आईपीएस अंकिता शर्मा के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने घर में दबिश देकर 80 पेटी अंग्रेजी गोवा (मध्यप्रदेश निर्मित) बरामद कर लिया. जिसकी कीमत करीब 3 लाख 50 हजार रूपए आंकी गई है.

इसके साथ ही आरोपी राकेश सोनवानी (35 वर्ष),अमेरा, सुदेश सोनवानी (20 वर्ष), खम्हरिया,उमेश साहू (27 वर्ष)छेरकापुर और पिंटू चंद्राकर (25 वर्ष) छेर कापुर को गिरफ्तार किया है. उनके खिलाफधारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है. इस कार्रवाई में जिनका अहम योगदान था उनमें आईपीएस अंकिता शर्मा के साथ तारेश साहू प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक, थाना भाटापारा ग्रामीण के आरक्षक सतीश साहू, टिकेश्वर साहू, रवि कंवर, दिनेश जांगड़े, लोरिक शाडिल्य, सुनील पैकरा, मोहन सिदार, उषा पटेल, राकेश हिरवानी और महेंद्र धृतलहरे शामिल रहे ।

लोगों को जागरूक करने सामने आए नांदिया के उपसरपंच

गंडई पंडरिया। कोरोना वायरस की बड़ती गंभीर समस्या शहरों की ही नहीं बल्कि छोटे से छोटे गांव की भी है । कोरोना को लेकर सरकार कई बड़े से बड़े कदम उठा रहे है। जिसका लोग पालन कर रहे है और कुछ लोग बेवजह इधर उधर घूमते नियम का उल्लंघन करते भी नजर आते है। इस तरह गांवों में भी लॉक डाउन का पूरा असर देखने को मिला। कोरोना वायरस को ले कर अब गांव में भी लोग जागरूक हो रहे हैं और वहीँ लोगों की सहायता के लिए भी लोग आगे आ रहे हैं ।

करोना: पार्षद ने खुद डोर टू डोर जाकर बांटे बच्चों के राशन

गंडई पंडरिया। देश मे महामारी कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं । देश मे कोरोना कोरोना के नए- नए केस सामने आए हैं जिससे कुल मरीजों की संख्या बढ़ती ही जा रही है । देश मे अभी स्थिति कंट्रोल में है और कम्युनिटी ट्रांसमिशन की हालत नहीं है ।

इसी कोरोना वाइरस की हालत को देखते हुये शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 1 में प्राथमिक स्कूल मे कक्षा पहली से पांचवीं तक के बच्चों को चावल और दाल का वितरण किया गया शासन की व राज्य सरकार की योजना का लाभ देने के लिए वार्ड पार्षद भिज्ञेश यादव ने स्वयं अपने वार्ड पर जाकर उन बच्चों के घर तक डोर तू डोर पहुंच कर उस राशन को बच्चो तक पहुंचाया अपने वार्ड के बुजुर्ग महिलाओं व युवाओं के साथ में मिलकर इसको कोरोना वायरस से लड़ने के लिए उचित मार्गदर्शन भी दिए साथ ही कुछ ऐसे परिवार हैं जो काफी गरीब व जरूरतमंद हैं तत्काल उनके लिए नगर पंचायत से राशन व भोजन की व्यवस्था कराया । पार्षद भिज्ञेश ने यह भी लोगो को बताया की अभी छत्तीसगढ़ मे कोरोना के तीसरे चरण शुरू नहीं हुये है ।

भाजपा ग्रामीण मंडल मोपर के सदस्यों ने किया हैंड ग्लोब्स व मास्क का वितरण

अर्जुनी। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के संक्रमण से जंहा कई देशों में सैकड़ों हजारो लोग इसके चपेट में आकर अपने जान गंवा बैठे है । जो विश्वव्यापी महामारी के रूप में हम सब के सामने एक बहुत बड़ी चुनौती है जिसका संक्रमण भारत मे भी फैला हुआ है । अतः ईसके संक्रमण के बचाव के लिए सब अपने अपने स्तर पर लगे हुए है, व योगदान भी कर रहे है। वंही ग्राम पंचायत मोपर के भाजपा ग्रामीण मंडल के सदस्यों द्वारा कोविड 19 कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर मोपर व आस पास के गांवों में मास्क व हैंड ग्लोब का वितरण किया गया ।जिसमे ग्रामीणों सहित कृषि साख समिति मर्यादित मल्दी शाखा प्रबंधक एवं कर्मचारी को कोरोना से बचने हेतु प्रत्येक कर्मचारी को हेंड ग्लोब , एवं माक्स भेंट किया गया। वंही इस महामारी से इसके लक्षण व इसके क्या दुष्परिणाम से लोगो को बताया गया साथ ही अनावश्यक घर से न निकलने की हिदायत दिया गया।

115 मजदूरों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश

गरियाबंद। नोवल कोरोना के संक्रमण से रोकथाम एवं बचाव हेतु अन्य राज्यों से आने वाले इंटरस्टेट माइग्रेन्टस के संबंध में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा दिये गये निर्देश 21 मार्च 2020 के अनुपालन में गरियाबंद अनुविभाग अंतर्गत अन्य राज्यों से आये व्यक्तियों का होम आईसोलेशन/क्वारेंटाइन में रखने की प्रभावी व्यवस्था की गई हैं। जिसके तहत अन्य राज्यों से आये व्यक्तियों का चिन्हांकन/पहचान कर स्वास्थ्य विभाग के द्वारा प्रारंभिक स्वास्थ्य परीक्षण किया जाकर होम आईसोलेशन/क्वारेंटाइन में रखा गया है।

गरियाबंद जिले में 12 हजार विद्यार्थियों के लिए खाद्यान्न की व्यवस्था

गरियाबंद। शासन द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार लॉकडाउन के दौरान गरियाबंद जिले के 12 हजार विद्यार्थियों के लिए घर पहुंच खाद्यान्न की व्यवस्था आज से प्रारंभ की जा रही है। कलेक्टर श्याम धावड़े के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा जिले के सभी पांच ब्लॉकों में 450 माध्यमिक व 977 प्राथमिक शाला में मध्यान्ह भोजन योजना के तहत घर-घर छात्र-छात्राओं को खाद्यान्न वितरण किया जायेगा। जिसमें माध्यमिक शाला के बच्चों को 6 किलोग्राम चावल और एक किलो 200 ग्राम दाल तथा प्राथमिक शाला के बच्चों को 4 किलोग्राम चावल और 800 ग्राम दाल वितरित किये जायेंगे। डीएमसी श्याम चन्द्राकर से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले के ग्रामीण क्षेत्र के सभी स्कूलों में संकुल समन्वयक, स्व सहायता समूह के अध्यक्ष, रसोईयां तथा शिक्षक मिलकर वितरण के पूर्व मात्रानुसार पैकेट तैयार कर लिए है।

सावधानी ही बचाव है, सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करने किये जा रहे है दीवाल लेखन कार्य

लवन। नेहरू युवा केंद्र रायपुर छत्तीसगढ़ युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवक ईश्वर प्रसाद बंदे के द्वारा इन दिनों भारत में फैले कोरोनावायरस के महामारी का प्रभाव जो कि पूरे विश्व में दिखाई दे रहा है जिसमें अलग-अलग देशों में सुरक्षा के दृष्टिकोण से अनेक कदम उठाया जा रहा है। वही हमारे देश में भारत सरकार के द्वारा संपूर्ण भारत को 21 दिन तक लॉकडाउन किया गया है और भारत सरकार के द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहा है कि इस महामारी को रोका जा सके। जिसमें नेहरू युवा केंद्र और रायपुर छत्तीसगढ़ जिला बलौदा बाजार के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक के द्वारा सोशल मीडिया व दीवाल लेखन (नारा लेखन)के माध्यम से लोगों को सावधानी अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है जिसमें सरकार के दिशा निर्देश लाक डाउन का पालन करें व घर से बाहर ना निकले और शारीरिक दूरी का पालन करें जिसमें प्रति व्यक्ति में कम से कम 1 मीटर की दूरी बनाकर रखने की अपील किया गया है ।

गरीब परिवारों को शकुन्तला फाउन्डेशन ने दी पुड़ी-सब्जी

लवन। कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए पूरे प्रदेश में 14 अप्रैल तक लॉकडाउन कर दिया गया है। लॉकडाउन के दौरान रोजी मजदूरी कर जीवन यापन करने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दो वक्त की रोटी की भी व्यवस्था नहीं हो पा रही है। गरीबों और जरूरतमंद लोगों को सरकार के निर्देश पर राशन और भोजन उपलबध कराया जा रहा है। इसी कड़ी में लवन नगर से संचालित शकुन्तला फाउडेशन के संचालक अमर मिश्रा व उसके सहयोगियों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आए मरीजों को पुड़ी-सब्जी दी जा रही है, इसके अलावा जरूरतमंद निःशक्त, निराश्रित, बुजूर्ग व असहाय वर्ग के लोगों के घर पहुंचकर भोजन सामाग्री का वितरण किया जा रहा है। साथ ही विगत दिनों एक ट्रक (कंटेनर) में हैदराबाद से भागलपुर (बिहार) जा रहे 25 ड्राइवरों को होम आइसोलशन में रखा गया है, जिन्हें भी शकुन्तला फाउन्डेशन के संचालक अमर मिश्रा द्वारा पैकेट में पुड़ी-सब्जी का सहयोग दिया जा रहा है।

मोहल्ले-मोहल्ले सब्जी बाजार

भाटापारा। हटरी बाजार स्थित फुटकर सब्जी बाजार को प्रशासन ने विकेंद्रीकरण करते हुए मोह्हलो वार्डो में शिफ्ट कर दिया है ताकि बाजार में लगने वाली भीड़ ना केवल कम हो बल्कि शासन के निर्देशो का पालन भी हो सके। सब्जी बाजार हर मोहहले में होने से लोगो ने बड़ी राहत की साँस ली है,लोगो का कहना है की लाक डाउन के चलते लोगो को सब्जी के नाम पर अपने घरो से निकलना मजबूरी हो जाती थी तो वही कुछ लोग बेवजह भीड़ का हिस्सा बन कर शोशल डिस्टेटिंग का उल्लंघन करने आमदा रहते थे। इस सम्बन्ध में अलका जैन,अरुणा शर्मा,टीना दवे,शिवानी शर्मा ,प्रीति तिवारी आदि गृहणियों ने बताया की पूर्व में जो सब्जी लेने जाना पड़ता था उसमे कई प्रकार की व्यवहारिक परेशानी भी होती रहती थी चूँकि पुरे देश में लाक डाउन चल रहा है ऐसे में स्थानीय प्रशासन ने जो व्यवस्था कर रखी है जो नि संदेह रूप से बहुत अच्छी है उन्हें ना तो अब सब्जी की मारा मारी से निजात मिली बल्कि भीड़ भाड़ से दूर रहकर सोशल डिस्टेटिंग का पालन भी पूरी तरह हो रहा है।

बड़ी राहत | **गरीब परिवारों के लिए राहत भरा फैसला, सरकार के प्रति आभार जताया**

1 लाख 58 हजार बीपीएल कार्डधारियों को दो माह का एकमुश्त राशन

गरियाबंद। कोरोना संकट को देखते हुए जिले के गरीब परिवारों को राशन की उपलब्धता सुनिश्चित कराने जिले के 342 राशन दुकानों में से सभी दुकानों पर शासन द्वारा प्राप्त आबंटित 672 क्विंटल राशन का भंडारण हो चुका है। वहाँ राशन वितरण का काम भी शुरु हो गया है। यह गरीबो के लिए राहत भरा फैसला है जिसका बीपीएल हितग्राहियों द्वारा खुले दिल से प्रशंसा किया जा रहा है। खाद्य विभाग के अधिकारी एच एल डड़सेना ने बताया कि गरियाबंद जिले में बीपीएल के कुल 1 लाख 58 हजार 338 प्रचलित कार्ड में अन्त्योदय के 45295, प्राथमिकता के 111353, निःशक्तजन के 355, एकल निराश्रित 1167 और अन्नपूर्णा श्रेणी के 170 राशनकार्डधारियों को अपैल और मई दो माह का राशन वितरण निशुल्क किया जा रहा है, साथ ही सामान्य (एपीएल) के 15142 राशनकार्डधारियों को एक माह का चावल वितरण किया जायेगा। कलेक्टर श्री श्याम धावड़े के निर्देशानुसार सभी ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के 342 राशन दुकानों में राशन वितरण का कार्य जारी है। यहां हितग्राहियों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए राशन लेने की सलाह दी गई है। अब टोकन जारी कर राशन वितरण किया जाएगा फिंगेश्वर विकासखंड के ग्राम पंचायत खैरझिटी के सरपंच सियाराम ध्रुव ने बताया कि यहां कुल 164 बीपीएल कार्ड धारक है तथा 35 एपीएल कार्डधारी है इन हितग्राहियों को राशन का वितरण प्रारंभ हो गया है। सरपंच सियाराम ध्रुव ने बताया कि वे स्वयं खड़े होकर हितग्राहियों को राशन प्रदान कर रहे हैं। वही निशुल्क राशन लेने पहुंची ग्राम के बीपीएल कार्ड धारी भुनेश्वरी पटेल, गीता पटेल, हेमलाल भट्ट और हेमंत साहू ने सरकार की इस राहत भरे फैसले का खुलकर सराहना किया है। इन हितग्राहियों ने कहा है कि हमें एकमुश्त 2 माह का चावल मिला है। यह पहली बार हो रहा है, सरकार ने जिस तरह हमारा ध्यान रखा है उसके प्रति हम सदा आभारी रहेंगे।

बायोन की रैपिड कोविड-19 ऐट होम स्क्रीनिंग टेस्ट किट लाँच

बेंगलुरु (वार्ता)। बॉयोटेक कंपनी बायोन ने कोरोना वायरस की जांच के लिए 'रैपिड कोविड-19 ऐट होम' स्क्रीनिंग टेस्ट किट लॉन्च की है। कंपनी ने शुक्रवार को यहां जारी बयान में कहा कि इस उपलब्धि को हासिल करने वाली वह देश की पहली हेल्थकेयर कंपनी बन गई है। यह इस्तेमाल में आसान है और कुछ ही मिनटों में सटीक नतीजे देती है। इससे यह समय पर वायरस की जांच करने में सहायक है। आवश्यक चिकित्सा नियामक से मंजूरी के बाद यह ऐट-होम स्क्रीनिंग किट उसकी वेबसाइट पर बिक्री के लिए उपलब्ध करा दी गई है।उसने कहा कि इस किट से कोरोना वायरस के संक्रमण की समय पर पुष्टि हो सकेगी और जल्द से जल्द इलाज शुरू हो सकेगा। इससे संक्रमित व्यक्ति को क्वारेंटाइन कर संक्रमण को अन्य लोगों में फैलने से रोका जा सकेगा। इस किट की कीमत 2000-3000 रुपए के बीच है, जो वैश्विक आपूर्ति पर निर्भर करेगी। सप्लाई बढ़ने पर जनता को यह किफायती दर पर मिल सकेगी। सामान्य परिस्थितियों में रेडी-टू-यूज किट प्लेटफॉर्म पर ऑर्डर देने के 2-3 दिनों में प्राप्त की जा सकती है। कंपनी मास स्क्रीनिंग को ध्यान में रखते हुए प्रभावी स्क्रीनिंग टूल के लिए बल्क ऑर्डर पर भी बातचीत कर रही है। कोविड-19 स्क्रीनिंग टेस्ट किट एक आईजीजी एंड आईजीएम बेस्ड टूल है, जिसके नतीजे 5-10 मिनट में मिल जाते हैं। किट प्राप्त करने के बाद यूजर को अल्कोहल स्वैब से अपनी उंगली साफ करनी होती है और प्रदान की गई लैंसेट को उंगली पर चुभाना होता है। प्रदान किया गया कार्ट्रेज इस प्रकार प्राप्त रक्त के नमूने से 5-10 मिनट में कोरोनावायरस होने या न होने का नतीजा बता देता है।

कंपनी ने कहा कि किट आईसीएमआर द्वारा अनुमोदित हैं और उचित गुणवत्ता जांच तथा आश्वासन के बाद बाजार में लाई गई है। कंपनी अमेरिकी खाद्य एवं औषधी प्रशासन (यूएसएफडीए) के और भी साझेदारों से अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया में है। कंपनी हर हफ्ते 20,000 किट सप्लाई करने को तैयार है और वह बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए आने वाले महीनों में इसका निर्माण तेज करेगी। इस समय बाजार में कोरोना वायरस टेस्टिंग सॉल्युशन कम होने से अमेरिका, इटली, स्पेन आदि देशों से किट की मांग बहुत ज्यादा है।

यह उल्लेखनीय है कि स्क्रीनिंग रोगी करता है और इसकी वजह से लैब की आवश्यकता खत्म हो जाती है। इसके साथ ही यह किट कोविड-19 के प्रसार को कम करने में मदद करती है। कंपनी ने कहा कि कोविड-19 स्क्रीनिंग किट के परिणाम जो भी हो, लोगों से आग्रह है कि यदि कोरोना वायरस के लक्षण नजर आते हैं तो लैब टेस्ट अवश्य कराएं। पॉजीटिव टेस्ट रिजल्ट पर तत्काल और विस्तृत फॉलो-अप आवश्यक है।

न्यूज गैलरी

घरेलू शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 400 और निफ्टी 100 अंक लुढ़का

मुंबई (वार्ता)। देश के शेयर बाजारों में शुक्रवार को गिरावट का रुख है। शुरुआती कारोबार में बीएसई का सेंसेक्स 400 और एनएसई का निफ्टी 100 अंक नीचे हैं। सेंसेक्स बुधवार के 28265.31 अंक की तुलना में आज 28623.53 अंक पर मजबूती के साथ खुला और जल्दी ही बिकवाली के दबाव में आ गया। फिलहाल सेंसेक्स 367 अंक गिरकर 27898.25 अंक पर हैं, जबकि निफ्टी 105 अंक लुढ़कर 8148.70 अंक पर है।,

अक्षय तृतीया पर लगेगी सोने की कीमतों में आग

मुंबई। लॉकडाउन के चलते दिल्ली का सर्राफा बाजार 14 अप्रैत तक बंद है, लेकिन लॉकडाउन खुलने के बाद बाजार में तेजी आएगी। उम्मीद की सबसे बड़ी वजह है अक्षय तृतीया। कोरोना वायरस से जूझ रहे देश में 26 अप्रैल 2020 को अक्षय तृतीया पड़ रही है। इस दिन रविवार है और सर्राफा बाजार के जानकारों की मानें तो पहले की तुलना में कम लेकिन सोने-चांदी की भारी खरीददारी होगी। ऐसे में सोने की कीमत 45000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पास भी जा सकती है।

विकास होगा प्रभावित, चालू वित्त वर्ष में 4 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली (वार्ता)। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने कमजोर वैश्विक परिदृष्य एवं घरेलू स्तर पर कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने के लिए किये गये उपायों के मद्देनजर चालू वित्त वर्ष में भारत के विकास अनुमान को घटाकर 4 प्रतिशत पर रहने का अनुमान जताते हुये शुक्रवार को कहा कि अगले वित्त वर्ष में यह 6.2प्रतिशत तक जा सकता है।

एडीबी ने एशियन डेवलपमेंट आउटलुक 2020 में कहा कि भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर अगले वित्त वर्ष में 6.2 प्रतिशत पर पहुंच सकती है। उसने कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही से पूर्ण आर्थिक गतिविधियां प्रारंभ हो सकती है। वित्त वर्ष 2019 में विकास दर 5.0 प्रतिशत रही थी।

अर्थव्यवस्था के फिर से पटरी पर लौटने की उम्मीद

एडीबी के मुख्य अर्थशास्त्री यासुयुकी सवादा ने कहा कि कोरोना वायरस ने वैश्विक विकास को और भारत में विकास को पटरी पर आने को प्रभावित किया लेकिन भारत की आर्थिक नींव मजबूत होने से अगले वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था के फिर से तीव्र वृद्धि के पथ पर लौटने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि महामारी से अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए भारत ने तात्कालिक कदम उठाये हैं। व्यक्तिगत और कंपनी कर में सुधार के साथ ही कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा वित्तीय क्षेत्र के तनाव को कम करने के लिए किये गये उपायों से भारत के तीव्र विकास के पथ पर लौटने का अनुमान है।

उन्होंने कहा कि महामारी के अधिक समय तक चलने पर वैश्विक अर्थव्यवस्था गहरी मंदी में आ जायेगी और भारतीय अर्थव्यवस्था भी इससे प्रभावित होगी। यदि भारत में कोरोना तेजी से फैलता है तो आर्थिक गतिविधियों पर भी विराम लग जायेगी।

एडीबी ने वित्त वर्ष 2020 में मांग प्रभावित होने और तेल की कीमतों में कमी से भारत में महंगाई के तीन फीसदी पर रहने और फिर वित्त वर्ष 2021 में इसके बढ़कर 3.8 प्रतिशत पर पहुंचने क अनुमान है। एडीबी ने वित्त वर्ष 2020 में चालू खाता घाटा के जीडीपी के 0.3 प्रतिशत पर रहने की संभावना जतायी है और वित्त वर्ष 2021 में इसके बढ़कर 1.2 प्रतिशत पर पहुंचने का अनुमान जताया है।

अड्डा 247 दे रहा निशुल्क स्टडी मटेरियल

नई दिल्ली (वार्ता)। कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए शुरू किये गये 21 दिवसीय राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण स्कूल, कॉलेज, कोचिंग के बंद होने के मद्देनजर शैक्षणिक प्लेटफार्म अड्डा247 छात्रों को अपने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर फ्री स्टडी मेटीरियल दे रहा है। अड्डा 247 ने ऑफ्लाइन प्रशिक्षण संस्थानों के शिक्षकों को फ्री क्लास देने के लिए भी आमंत्रित किया है, ताकि कोरोना लॉकडाउन के दौरान कोचिंग संस्थानों के शिक्षक उसके प्लेटफोर्म के माध्यम से अपनी क्लास देना जारी रख सकें।

इस समय अड्डा 247 ने अपनी इंगेजमेंट को बढ़ाने के लिए 21दिवसीय चैलेंज शुरू किया है, जिसमें छात्रों निशुल्क माक टेस्ट दे सकेंगे। इसके अतिरिक्त प्लेटफार्म पर किफायती दर पर छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए टेस्ट सीरीज दी जा रही हैं।

भारतीय विमानन उद्योग को 884 करोड़ डॉलर के नुकसान होने की आशंका

■ 22 लाख लोगों का रोजगार छिन जाने की आशंका

सिंगापुर/नई दिल्ली (वार्ता)। कोरोना वायरस 'कोविड 19' के मद्देनजर विमानन क्षेत्र पर लगाये गये कड़े प्रतिबंध जून के अंत तक जारी रहने से घरेलू स्तर पर इस उद्योग को करीब 884 करोड़ डॉलर का नुकसान होगा और 22 लाख से अधिक लोगों का रोजगार छिन जायेगा। अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आयटा) की एशिया-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति पर आज जारी रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इसमें कहा गया है कि यदि हवाई यात्रा पर कड़े प्रतिबंध तीन महीने रहते हैं और उसके बाद धीरे-धीरे प्रतिबंध हटाये जाते हैं तो इस वर्ष क्षेत्र में यात्रियों की संख्या 37 फीसदी कम रह जायेगी। इससे 88 अरब डॉलर का राजस्व नुकसान होगा।

आयटा ने सदस्य देशों से की राहत पैकेज की मांग

आयटा ने सदस्य देशों की सरकारों से विमानन क्षेत्र के लिए राहत पैकेज की मांग की है। भारत के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि जून के अंत तक कड़े प्रतिबंध रहने से यात्रियों की संख्या में छह करोड़ 85 लाख 55 हजार की गिरावट आयेगी जो तकरीबन 36 प्रतिशत है। इससे विमानन उद्योग को 883.8 करोड़ डॉलर का राजस्व नुकसान होगा और 22.47 लाख लोग बेरोजगार हो जायेंगे। देश की जीडीपी को विमानन क्षेत्र की मंदी से तकरीबन 1,271 करोड़ डॉलर का नुकसान होगा।

विवेक बिंद्रा ने दिये एक करोड़

नयी दिल्ली(वार्ता)। कोरोना वायरस से निपटने के लिए शुरू किये गये 21 दिवसीय लॉकडाउन के कारण लोगों विशेषकर समाज के निचले तबके को रही परेशानियों से उबारने के लिए बड़ी संख्या में लोग मदद के लिए आगे रहे हैं। इसी क्रम में बड़ा बिज़नेस प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और सीईओ डॉ. विवेक बिंद्रा इस्कॉन को एक करोड़ रुपये का दान दिया है जिसका उपयोग दिल्ली के गरीब और जरूरतमंद लोगों को भोजन प्रदान कराने में किया जायेगा। डॉ. बिंद्रा ने यह राशि इस्कॉन को दान दी है जो दिल्ली सरकार के साथ मिलकर सरकारी स्कूलों द्वारा गरीबों और जरूरत मंदों को भोजन उपलब्ध करा रही है। डॉ. बिंद्रा ने कहा कि यह दुनियाँ की सबसे कठिन चुनौती है और खासकर भारत में जहां जनसंख्या का घनत्व इतना अधिक है। डॉ. बिंद्रा के अलावा, गौतम अडानी (अडानी ग्रुप) एवं श्याम जिंदल (जिंदल ग्रुप) जैसे उद्यमियों ने भी इस्कॉन को दान दिया है।

टाटा एआईए लाइफ की पॉलिसीधारकों और एजेंटों के लिए अतिरिक्त लाभ की घोषणा

नई दिल्ली (वार्ता)। देश में कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने के लिए टाटा ट्रस्ट और टाटा समूह द्वारा दिये गये योगदान के बाद समूह से संबद्ध कंपनी टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने कोरोना वायरस से मृत्यु होने पर पॉलिसीधारकों को बीमित राशि के अलावा पाँच लाख रुपये और सक्रिय एजेंटों या उसके परिवार के सदस्यों को कोरोना के कारण अस्पताल में भर्ती होने पर 25 हजार रुपये देने की घोषणा की है।

देश की पहली कंपनी बन गयी

कंपनी ने शुक्रवार को यहां जारी बयान में कहा कि इस घोषणा के साथ पॉलिसीधारकों के लिए इस तरह की घोषणा करने वाली वह देश की पहली कंपनी बन गयी है। कंपनी के सभी मौजूदा और नए अलग-अलग पॉलिसीधारकों को कोरोना से संबंधित 5 लाख रुपए तक का अतिरिक्त कवर मिलेगा।

समाज संरक्षण सेवा करने का तरीका

इसके अलावा एजेंटों के लिए सुरक्षा के घेरे का विस्तार करने के उद्देश्य से सभी सक्रिय एजेंटों के साथ-साथ उनके पति और बच्चों को वायरस के कारण अस्पताल में भर्ती होने पर 25,000 रुपये की क्षतिपूर्ति दी जायेगी। टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऋषि श्रीवास्तव ने कहा कि हम सभी सामूहिक रूप से ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं जैसे पहले कभी नहीं हुआ। यह हम में से प्रत्येक के लिए आगे आने और समाज की सेवा करने का एक अवसर है। हमारे लिए समाज संरक्षण सेवा करने का तरीका है। हमने अपने कर्मचारियों और एजेंटों को डिजिटल रूप से सक्षम करते हुए यह किया है कि वे अपने उपभोक्ताओं के लिए सातों दिन 24 घंटे अपने सभी जरूरतों के लिए उपलब्ध रहते हुए घर पर सुरक्षित रहें ताकि हम पॉलिसीधारकों के लिए अपने वादे को कायम रखें जो कि ऐसे समय में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

उड्डयन मंत्रालय में बना 'वॉर रूम'

नई दिल्ली, (वार्ता)। कोरोना वायरस 'कोविड-19' के मद्देनजर लगाये गये लॉकडाउन के दौरान भी चिकित्सा और अन्य जरूरी सामानों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय में एक 'वॉररूम' का बनाया गया है। नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज यहाँ एक वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में इसकी जानकारी दी। घरेलू मोर्चे पर जहां 'लाइफ्लाइन उड़ान' प्लेटफॉर्म के जरिये आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, वहीं चीन के साथ चिकित्सा सरकारी विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया द्वारा स्थापित एयरोब्रिज के रास्ते जरूरी चिकित्सा सामग्रियों की आपूर्ति शनिवार से शुरू हो जायेगी।

आदिवासी समाज को कोरोना के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए एमएफपी लागू करें राज्यः ट्राईफेड

नई दिल्ली,(वार्ता)। भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (ट्राईफेड) के प्रबंध निदेशक प्रवीर कृष्ण ने कोरोना महामारी और इसके दुष्प्रभावों से बचाने के लिए राज्यों से लघु वनोपज (एमएफपी) लागू करने का अनुरोध किया है।

श्री कृष्ण ने शुक्रवार को यहां बताया कि कोरोना महामारी के दौरान आदिवासी समुदाय के हितों को सुरक्षित रखने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और सभी नोडल संस्थाओं को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि वैश्विक कोरोना लगभग सभी राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश, व्यापार और उद्योग के सभी क्षेत्र तथा समाज के सभी वर्ग इस महामारी से प्रभावित हैं। जनजाति भी इसके अपवाद नहीं हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि सभी को विशेषकर छोटे आदिवासी कारोबारियों को सुरक्षित रखने के लिए कुछ एहतियाती उपायों अपनाने चाहिए।

उन्होंने आशंका व्यक्त की है कि बाजार की ताकतें आदिवासी समाज को उसकी उपज की बिक्री के लिए बाध्य कर उनका शोषण कर सकती हैं। इसलिए एमएफपी योजना को विशेषकर संवेदनशील क्षेत्रों में अधिक प्रभावी तरीके से लागू करने की आवश्यकता है। महामारी से बचाव के लिए सभी वन धन विकास केन्द्रों समेत सभी प्राथमिक प्रसंस्करण केन्द्रों के प्रवेश द्वार पर सेनिटाइजर रखे जाने चाहिए। प्रसंस्करण का कार्य करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को केन्द्र में प्रवेश से पहले और कार्य प्रारंभ करने से पहले अपने हाथों को कीटाणु मुक्त करना चाहिए। प्रसंस्करण का कार्य करने वाले व्यक्तियों को एक-दूसरे से कम से कम दो मीटर की दूरी बनाए रखनी चाहिए। यदि कोई व्यक्ति ठंड या खांसी से पीड़ित है तो उसे केन्द्र में आने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

आज का भविष्यफल

मेषःआज चतुर्थ माता के भाव में चंद्रमा का प्रबल योग बन रहा है। रात्रि 09 बजे तक किसी डील को लेकर फोन पर चर्चा हो सकती है। राज्य से विशेष सम्मान प्राप्त हो सकता है। भौतिक विकास का योग अच्छा है।

वृषभःआज आपका ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। कानूनी विवाद को लेकर मन परेशान हो सकता है। लेकिन जल्दी ही मामले सुलझेंगे। स्थान परिवर्तन की योजना को अभी विराम देना होगा।

मिथुनःआज का दिन काफी रचनात्मक है। घर में ही आप किसी क्रियेटिव काम को पूरा करने में पूरा दिन बिता सकते हैं। जो काम आपको सबसे प्रिय है आज वही करने को मिलेगा। आज आपको रिलैक्स करने में मदद मिलेगी।

कर्कःआज का दिन काफी सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उस का फल उसी समय मिल सकता है। अधूरे काम फोन पर ही निपट जाएंगे। महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी।

सिंहःआज का दिन वैसे तो काफी व्यस्त रखने वाला है, लेकिन पढ़ाई-लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना ही अच्छा होगा। घर से काम कर रहे हैं ।

कन्याःआज आपसी वार्ता- व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें। फोन पर कार्यक्षेत्र संबंधी आस- पास के लोगों से टकराव की नौबत न आये इस बात का ध्यान रखें।

तुलाःआज का दिन आपके लिए लाभकारक है। कार्य व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज फोन पर ही सुलझ सकते हैं। हो सकता है नए प्रॉजेक्ट को लेकर कुछ काम शुरू हो जाए।

वृश्चिकःमाली हालात को लें तो आज का दिन काफी मजबूत है। घर बैठे ही आप दिन भर लाभ प्राप्ति के नए-नए उपायों को खोजने में कार्यशील रहेंगे। नौकरी या व्यापार में कुछ नवीनता ला सकें तो आगे चलकर लाभ होगा। काम में नई जान आएगी।

धनुःआज का दिन सावधानी और सतर्कता का है। बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएंगे तो बड़ा लाभ होने की आशा है। लेकिन फिलहाल इसे विराम देने की जरूरत है।

मकरःआज का दिन सामान्य है। भागीदारी में साझे में किया व्यापार आपको भविष्य में लाभ दिलाने के योग बना रहा है। यह अलग बात है कि आप घर से काम कर रहे हैं लेकिन ईमानदारी और निर्धारित नियमों का ध्यान रखें।

कुंभःव्यापार के मामले में कुछ फायदा कुछ नुकसान लगा रह सकता है। लेकिन अगर इस समय जरूरतमंदों की मदद करेंगे तो आने वाले वक्त में आपको दोगुना लाभ मिल सकता है।

मीनःआज का दिन लाभकारक रहेगा। घर से ही व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम भविष्य में हितकर हो सकता है। परेशानियों को धैर्य और अपने मृदु व्यवहार से सुधार कर ठीक किया जा सकता है।

सू- दोकू क्र.081

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र[illegible] सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.80 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

शब्द सामर्थ्य -081

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. संपर्ण, दीद्दशूप (उर्दू) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुगंधि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. पाश 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरंतर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24. माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे
1. पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युति, उपज 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 80 का हल

न्यूज गैलरी

एक दिन का वेतन सीएम राहत कोष में देने हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की मातहतों से अपील

बिलासपुर। देश में आए कोरोना संक्रमण के रोकथाम के लिए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने न्यायाधीशों और रजिस्ट्रार और हाईकोर्ट के कर्मचारियों, और न्यायिक अधिकारियों और अधीनस्थ न्यायपालिका के कर्मचारियों से कोरोना के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में एक दिन का वेतन दान देने का अनुरोध किया है। योगदान स्वैच्छिक आधार पर है और जो योगदान नहीं करना चाहते हैं उन्हें उच्च न्यायालय के नामित अधिकारी को कॉल या एसएमएस से सूचित कर सकते हैं। यदि ऐसी कोई सूचना नहीं दी जाती है तो इस स्थिति में इसे दान करने की उनकी सहमति के रूप में समझा जाएगा। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने कोविड-19 राहत के लिए पीएम केयर फंड में स्वैच्छिक योगदान करने के लिए रजिस्ट्री के अधिकारियों से अपील की थी।

राज्य के जेलों से अब तक 584 कैदी रिहा

रायपुर। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए किए जा रहे विशेष प्रावधानों के बीच राज्य से अब तक कुल 584 कैदियों को रिहा किया गया है। जिसमे से 391 कैदियों को अंतरिम जमानत पर, 154 कैदियों को पैरोल पर और 39 कैदियों को सजा पूरी करने पर राज्य के विभिन्न जेलों से रिहा गया है। कोरोना संक्रमण के चलते देश भर के जेलों में भीड़ कम करने बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के निर्देश में प्रदेश के विभिन्न कैदियों को रिहा किया गया है।

जिला सेनानी को कारण बताओ नोटिस

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रायपुर डॉ. एस. भारतीदासन ने जिला सेनानी रायपुर को कारण बताओ नोटिस देते हुए पूछा है कि उन्होंने कोरोना वायरस आपदा प्रबंधन कार्य में जिले को अनुविभागीय दंडाधिकरियों, पुलिस अधिकारियों और नगर निगम ,रायपुर के जोन कमिश्नर्स की सुरक्षा हेतु एक-एक सैनिक की डयूटी लगाने के आदेश का उल्लंघन क्यों किया है। यह डयूटी अभी तक लगाई क्यों नहीं गई है। क्यों न उनके इस कार्य के लिए आचार संहिता के तहत अनुशंसात्मक कार्यवाही हेतु प्रस्ताव राज्य शासन को प्रेषित किया जाए।

8 हजार 110 राशन दुकानों से खाद्यान्न वितरण शुरू

रायपुर। राज्य शासन द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन कार्डधारकों को अप्रैल और मई दो माह का चावल एक साथ वितरित करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत दो अप्रैल की स्थिति में 8 हजार 110 उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न वितरण शुरू हो गया है। इस खाद्यान्न वितरण से 13 लाख 24 हजार 563 राशन कार्डधारी लाभान्वित हुए हैं। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राज्य में कुल 12 हजार 306 राशन दुकाने संचालित है। अब तक 7 हजार 011 दुकानों में दो माह का राशन और 11 हजार 407 दुकानों में एक माह का राशन भण्डारित किया जा चुका है। राज्य में राशनकार्डों की कुल संख्या 65 लाख 39 हजार 184 है।

लॉकडाउन में अवैध शराब बिक्री की खबरों के बीच पकड़ी गई बलौदाबाजार में अवैध शराब

■ **एमपी की शराब ब्रांड गोवा की 80 पेटी जब्त, 4 आरोपी अरेस्ट**

नवप्रदेश संवाददाता

बलौदाबाजार। शराब के लिए तड़प रहे नशेड़ियों को महंगी कीमत पर सस्ती दारु बेचने की शिकायतें आम थीं। फिर नशे की लत में लोगों ने चोरी की खबरें आईं। कई शराब नहीं मिलने की वजह से स्प्रिट पीकर दम तोड़ चुके हैं। इन सब के बीच सरकार शराब दुकान खोलने के लिए एक समिति गठित कर यह सोच ही रही है कि कैसे शराब बेचें ताकि लॉकडाउन व संक्रमण का खतरा भी न हो और शौकिनों को शराब भी परोसी जा सके। ताकि कोई भी अपराध या नकली दारु के चक्कर में मौत को गले नहीं लगाएं। ऐसे में बलौदाबाजार जिले में मध्य प्रदेश से लाइ गई अवैध शराब का जखिरा पुलिस ने बरामद किया है। करीब साढ़े 3 लाख रुपए से ज्यादा कीमत की गोवा ब्रांड की शराब जब्त की गई है। बताते हैं कि कुछ दिनों पहले लॉकडाउन के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में गोवा शराब की सप्लाई होने की सूचना मिली थी. ग्राम अमेरा और खम्हरिया के कुछ लोगों के मध्यप्रदेश से शराब छत्तीसगढ़ लाया जाएगा. एक आरोपी को पकड़कर पुलिस ने पूछताछ किया गया, तो उसने बताया कि ग्राम अमेरा के राकेश सोनवानी ने एक झोपड़ी नुमा मकान में भारी मात्रा में अवैध शराब डंप कर रखा गया है।

अंग्रेजी शराब की तस्करी ऐसे समय में की जा रही थी, जब प्रदेश भर की शराब दुकानें बंद बड़ी है. लॉकडाउन के बीच लोगों को शराब नहीं मिल पा रहा है. इसीलिए अधिक रेट पर इस शराब को बेचा जाता और मुनाफाखोरी की जाती. इससे पहले ही देर रात आईपीएस अंकिता शर्मा के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने घर में दबिश देकर 80 पेटी अंग्रेजी गोवा (मध्यप्रदेश निर्मित) बरामद कर लिया. जिसकी कीमत करीब 3 लाख 50 हजार रूपए आंकी गई है।

इसके साथ ही आरोपी राकेश सोनवानी (35 वर्ष), सुदेश सोनवानी (20 वर्ष), उमेश साहू (27 वर्ष) और पिंटू चंद्राकर (25 वर्ष) को गिरफ्तार किया है. उनके खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है. इस कार्रवाई में जिनका अहम योगदान था उनमें आईपीएस अंकिता शर्मा के साथ तारेश साहू प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक, थाना भाटापारा ग्रामीण के आरक्षक सतीश साहू, टिकेश्वर साहू, रवि कंवर, दिनेश जांगड़े, लोरिक शाडिल्य, सुनील पैकरा, मोहन सिदार, उषा पटेल, राकेश हिरवानी और महेंद्र धृतलहरे शामिल रहे।

तेज रफ्तार पीकअप की ठोकर से दो आरक्षकों सहित तीन की मौत

बलरामपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र में घटित एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दिया जिससे कि घटनास्थल पर ही एक आरक्षक की मौत हो गई वहीं उपचार के दौरान दूसरे आरक्षक समेत एक अन्य ग्रामीण की भी मृत्यु हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना 2 अप्रैल 2020 की रात लगभग 8 बजे के करीब सरगुजा संभाग के बलरामपुर जिले के राजपुर के झिंगों के पास घटित हुई। एक बाईक में सवार होकर दो आरक्षक तथा एक ग्रामीण राजपुर की ओर आ रहे थे, उसी दौरान अंबिकापुर की ओर से आ रही पिकअप सीजी 15 डीआर 4582 की एनएच 343 झींगो के पास आमने-सामने जबरदस्त भिंडत हो गई. जिसमें दुर्घटना स्थल पर ही मोटर सायकल चला रहे आरक्षक कवि चौहान की मृत्यु हो गई। वहीं इस दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल छोटू कश्यप की भी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। गंभीर रुप से घायल दूसरे आरक्षक मनबोध आयाम को उपचार के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज लाया गया था, जहां उपचार के दौरान आज उनकी भी मृत्यु हो गई। ज्ञातव्य हो कि , सरगुजा से झारखण्ड होकर बिहार व पश्चिम बंगाल जाने वाली यह एनएच मार्ग 343 काफी समय से सरगुजा से रामानुजगंज तक काफी खराब हो चुकी है। जिसके कारण इस मार्ग पर आए दिनों बड़ी-बड़ी दुर्घटनाएं होती रहती है। इस सड़क दुर्घटना में एक साथ दो आरक्षकों की असमय मृत्यु हो जाने के कारण बलरामपुर पुलिस में शोक की लहर है। वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी इस दुर्घटना में मृतकों के प्रति अपनी शोक संवेदना व्यक्त की है।

एनएच-343, पर हुई थी घटना

मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर जताया शोक

गुरूवार रात को बलरामपुर-रामानुजगंज मार्ग में एक भयंकर सड़क हादसे में 2 पुलिस कर्मचारियों के साथ ही तीन लोगों की असमय मौत पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गहरा दुख जताया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज अपने ट्वीटर एकाउंट पर एक पोस्ट जारी कर मृतकों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हुए जिला प्रशासन के माध्यम से पीड़ित परिजनों को हर संभव मदद का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने अपने पोस्ट में लिखा-गुरूवार रात बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में अंबिकापुर-रामानुजगंज मार्ग पर सड़क दुर्घटना में दो पुलिस कर्मियों सहित तीन व्यतियों की मृत्यु की खबर दुख है। मृतकों के परिवारजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। बलरामपुर जिला प्रशासन को उनके परिजनों की हर संभव मदद के लिए निर्देश दिए हैं।

तब्लीगी जमात में शामिल दो लोगों की खोज जारी

संभावित स्थलों में पुलिस जाकर कर रही पूछताछ

रायपुर/कोरबा। तब्लीगी जमात में शामिल होकर लौटे दो व्यक्तियों के संबंध में अब तक कोई सुराग नहीं मिल सका है।लगातार पुलिस उनकी खोजबीन में जुटी हुई है लेकिन किसी प्रकार की कोई जानकारी दोनों के बारे में अब तक नहीं मिल पाई है।

गौरतलब है कि निजामुद्दीन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल कुछ लोग कोरोना वायरस से संक्रमित मिले है। जिसके बाद से ही देशभर में तब्लीगी जमात के लोगों की तलाश शुरू हो गई। वहीं कोरबा में भी कुछ व्यक्ति पहुंचे थे, इनमें अभी 20 लोगों को गेवरा सीटीआइ में रखा गया है। बाकि दो लोगों की खोज जारी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार तब्लीगी जमात में शामिल होने पहुंचे मोहम्मद सकलेन तथा मीरजाउल पीर का वर्तमान समय तक पता नहीं चल पाया है। दोनों की तलाश संभावित स्थलों पर की जा रही है। पुलिस ने आम लोगों से सहयोग मांगा है, ताकि दोनो को जल्दी पकड़ लिया जाए। इस संबंध में एसईसीएल गेवरा, दीपका सहित एसीबी तथा जेमको कंपनी दीपका के महाप्रबंधक को पत्र लिखकर जानकारी मांगी गई है कि दोनों व्यक्ति उनके अधीन कार्यरत तो नहीं हैं। यदि संस्था में कार्यरत हैं तो पूरी जानकारी मोबाइल अथवा वाट्सअप से माध्यम से उपलब्ध करा सकते हैं।

राज्य के 50 एसआई पदोन्नत होकर बने टीआई

■ **डीजीपी डीएम अवस्थी ने जारी किया आदेश**

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। डीजीपी डीएम अवस्थी ने एसआई से इन्स्पेक्टर पद पर प्रोन्नति आदेश जारी किया है। प्रदेश भर के विभिन्न जिलों में पदस्थ 50 एसआई, इन्स्पेक्टर के पद पर प्रोन्नत हुए हैं। उल्लेखनीय है कि डीजीपी श्री अवस्थी ने हाल में ही प्रोन्नति के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति का गठन किया था।

ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों को मिले बेहतर भोजन और पेयजल : अवस्थी

रायपुर। डीजीपी डीएम अवस्थी ने सभी एसपी को निर्देशित किया है कि लॉक डाउन के दौरान ड्यूटी में लगे पुलिसकर्मियों को बेहतर भोजन और स्वच्छ पानी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा है कि यह जिम्मेदारी समस्त रक्षित निरीक्षकों की होगी कि उनके जिले में लगे बल को भोजन और पेयजल की कोई समस्या ना हो। यदि कहीं स्वयं सेवी संगठन और विशेष पुलिस अधिकारी सेवाएं दे रहे हों तो उन्हें भी उक्त सुविधाएं प्रदान की जाएं। आवश्यक है कि ड्यूटी के दौरान कोई कर्मचारी बीमार ना पड़े। यदि किसी कर्मचारी का स्वास्थ्य खराब होता है तो तत्काल पर्याप्त इलाज की सुविधा उपलब्ध कराएं।

26 लाख 50 हजार की ठगी का चौथा आरोपी गिरफ्तार, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर। ठगी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी का आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर ही लिया है। नंदन स्टील फैक्ट्री के सुपरवाइजर धीरेंद्र मिश्रा से सुंदरनगर मेन रोड पर दिनदहाड़े 26लाख 50 हजार ठगी कर फरार आरोपी हेमंत सिंह यादव पुलिस के हत्थे चढ़ गया। आरोपी की गिरफ्तारी विधानसभा क्षेत्र से की गई। वारदात को अंजाम देने वाले एक अन्य आरोपी हरीश सेन की खोजबीन में पुलिस जुटी हुई है। गौरतलब है कि नवंब 2019 में क्राइम ब्रांच अधिकारी बनकर नंदन स्टील के सुपरवाइजर धीरेंद्र मिश्रा को सुंदरनगर मुख्य मार्ग पर दो अज्ञात बाइक सवारों को रोककर जांच के बहाने 26 लाख 50 लाख रुपए से भरे बैग लेकर आरोपी भाग निकले थे। तफ्तीश के दौरान ठगी में शामिल अंकित मिश्रा को पुलिस ने उत्तरप्रदेश के नैनी और चन्द्रशेखर तल्लोली को बडोदरा, गुजरात से गिरफ्तार किया था। आरोपियों ने पूछताछ में खुलासा किया था कि इस पूरे घटनाक्रम का प्लान नंदन स्टील के कैशियर आनंद सिंह ठाकुर ने बनाया था। उसी के कहने पर पांच लोगों ने मिलकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया था। इतना ही नहीं अंकित ने ठगी के पैसों से पार्षद चुनाव लड़ने का प्लान बनाया था। पुलिस ने अंकित मिश्रा, चंद्रशेखर तल्लोली, आनंद सिंह ठाकुर को नकद 8 लाख रुपये के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था जबकि हेमंत सिंह यादव व हरीश सेन फरार थे।

कोरोना के खौफ के बीच पीलिया ने दे दी दस्तक

■ **29 की हुई जांच, मिले 7 मरीज**

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। शासन-प्रशासन की टीम कोरोना से बचाव और नियंत्रण के लिए जूझ रही है। इस बीच पीलिया का मामला एक बार फिर राजधानी में सामने आने के बाद नगर निगम की टीम स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर राहत और बचाव कार्य में जूटी। दरअसल आमापारा स्वीपर कॉलोनी में लोगों को पीलिया होने की जानकारी के बाद गुरुवार को स्वास्थ्य शिविर लगाकर 29 लोगों की जांच की गई। सभी को चिकित्सकीय परामर्श देने के साथ ही दवाइयां भी दी गई।

पानी मिला पीने योग्य

निगम से मिली जानकारी के मुताबिक पीलिया की खबर आते ही स्वीपर कॉलोनी में नगर निगम और शहरी स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शिविर लगाया। निगम के कार्यपालन अभियंता फिल्टर प्लांट बद्री चंद्राकर और जोन क्रमांक 5 के कमिश्नर अरुण ध्रुव ने अपनी टीमों के साथ आवश्यक कार्रवाई शुरू की। बताया गया कि पेयजल की जांच की गई,जिस पर क्लोरीन दशमलव तीन से लेकर दशमलव चार प्रतिशत तक पाया गया। इसका अभिप्राय है कि पानी में क्लोरीन आवश्यक मात्रा में पाई गई और पानी पीने योग्य है।

कुछ को पहले से था पीलिया

कार्यपालन अभियंता चंद्राकर का कहना है कि जो लोग पीलिया के मरीज मिले। वे पीलिया के पुराने मरीज हैं। वे अपना इलाज करा रहे हैं। उन्होंने अंदेशा जताया कि कुछ दूषित पदार्थ खा लिया होगा। जिस वजह से उन्हें पीलिया हो गया है। ऐसे मरीजों की संख्या सात मिली। मोहल्ले में एतिहातन साफ सफाई के बाद, चूना लाइनिंग और ब्लीचिंग कर क्लोरीन के टेबलेट बांटे गए। जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार सुबह भी वार्ड पार्षद ज्ञानेश शर्मा के साथ इलाके का जायजा लिया। परेशानी की कोई बात नहीं है। सभी को पानी उबालकर पीने और बाहर की चीजें नहीं खाने की समझाइश दी गई है।

गत माह भी पीलिया पर निगम ने लिया था एक्शन

आमापारा में पीलिया की खबर सामने आते ही निगम प्रशासन के मध्य जरूर हड़कंप मचा। गत माह ही रायपुर के दलदल सिवनी इलाके में भी पीलिया के मरीज मिले थे। घरों में गंदा पानी आने की शिकायत के बाद महापौर एजाज ढेबर और आयुक्त सौरभ कुमार के निर्देश पर निगम अमले ने 7 मार्च को इलाके में अभियान चलाया था। जोन 2 अमले ने कुशाभाउ ठाकरे वार्ड के दलदल सिवनी डबरी पारा क्षेत्र का निरीक्षण किया था। पाया गया था कि पाइप लाइन नाली से होकर घरों तक जा रही है। जोन जल विभाग अमले ने 11 घरों के नल कनेक्शन काटे थे। बाहर से सुरक्षित तरीके से नई पाइप लाइन डालकर नल कनेक्शन चालू किए गए थे। निरीक्षण के दौरान गंदगी मिलने पर एक डेयरी संचालक पर जुमार्ना भी ठोंका गया था। एक डम्पर गोबर भी जब्त किया गया था। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाया गया था।